राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

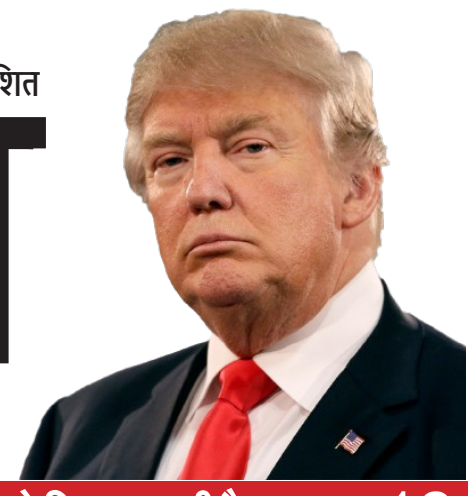

11 मनु भाकर आगामी वर्ल्ड कप में नहीं लेंगी हिस्सा ...

ट्रंप सरकार में एलन मस्क को मिल सकती है अहम ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 124 | नई दिल्ली बुधवार,14 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	71,105
चांदी	81,500
सेंसेक्स	78,886
निफ्टी	24,117

हर घर तिरंगा अभियान विकसित भारत के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है : धनखड़

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम से एक कार्यक्रम में हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राम मोहन नायडू, किरेन रिजिजू और मनसुख मंडाविया भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने हर घर तिरंगा के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा, आज का दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हर घर तिरंगा एक अभियान है जो आजादी के अमृत महोत्सव का एक हिस्सा है। 2021 में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोगों के घरों में तिरंगा लगाने के लिए इस महोत्सव की शुरूआत की गई थी। अब यह एक आंदोलन बन गया है। तबसे लगातार करोड़ों लोग अपने घरों पर तिरंगे को फहराते हैं। मेरे मन में इस बात की कोई शंका नहीं है कि आने वाले 15 अगस्त को एक नया रिकॉर्ड बनेगा और हर घर तिरंगा होगा।ह्व अपने भाषण में आगे उन्होंने दुनिया में भारत के तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होने पर बल देते हुए कहा, ह्लदेशवासियों, इस अभियान का उद्देश्य लोगों के दिल में, लोगों की आत्मा में देशभक्ति की आत्मा को जगाना और भारतीय राष्ट्र ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

बांकीपुर में निकली विशाल तिरंगा पद-यात्रा

पटना। बिहार की राजधानी पटना के मौर्य लोक परिसर में युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा से विशाल तिरंगा पद-यात्रा निकाली गयी। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे। इस यात्रा में विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, मंत्री नितिन नवीन, पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद, महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी चन्द्रवंशी समेत सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। आजादी के 78वें वर्षगाँठ के अवसर पर 78 मीटर विशाल तिरंगे झंडे को सैकड़ों युवा और कार्यकर्ता अपने कंधे की ऊँचाई तक हाथों से पकड़े देशभक्ति के गीतों पर झूमते हुए गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक तक गये जहां इस यात्रा का विधिवत समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि देश में स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है, देश लोकतंत्र का जश्न मना रही है, आज हम हर घर तिरंगा यात्रा शुरू कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पूरे देश के हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का प्रयास है। हर घर तिरंगा अभियान देश की आन बान शान के लिए कुर्बान होने वालों को नमन करने का मौका देता है। तिरंगा हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित और राष्ट्र सेवा की भावना को बताता है, इसलिए हमारा फर्ज है कि हम तिरंगे की आन बान शान के लिए किसी भी प्रकार का समझौता न करें।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस : विशेष अतिथि होंगी पंचायतों की 400 महिला प्रतिनिधि

नई दिल्ली। पंचायती राज संस्थाओं की निर्वाचित महिला प्रतिनिधि और पंचायतों कुछ चुनिंदा निर्वाचित प्रतिनिधि राजधानी में 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को लाल किले पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह जानकारी मंगलवार को आधिकारिक रूप से दी गयी। इस कार्यक्रम के लिए पंचायती राज संस्थाओं की 400 महिला प्रतिनिधियों को उनके जीवनसाथियों के साथ आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, गुजरात, मेघालय और उत्तर प्रदेश के वे ग्राम पंचायत प्रमुख भी शामिल होंगे, जिन्होंने सरकार की तीन या अधिक प्राथमिकता क्षेत्र योजनाओं तथा कार्यक्रमों को लागू करने संतृप्ति के लक्ष्य की प्राप्त की है।

सीबीआई करेगी कोलकाता डॉक्टर रेप व हत्या केस की जांच

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर से बलात्कार व हत्या मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सीबीआई से मामले की जांच कराए जाने का आदेश दिया है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम ने इससे जुड़े केस डायरी के निरीक्षण के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार को मामले से संबंधित सभी जानकारी और दस्तावेज सीबीआई को सौंपने होंगे। इसके अलावा, पुलिस की तरफ से जुटाए गए सभी सीसीटीवी फुटेज भी सीबीआई को सौंपे जाने चाहिए।

आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने मंगलवार को भी अनंतनाग जिले के घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया है। यहां शनिवार को एक मुठभेड़ में दो सैनिक बलिदान हो गए थे लेकिन इसके बाद आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के जंगलों में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है। बिरदी ने कहा कि उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर सुरक्षाबल सचेत हैं और सतर्कता से तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी अप्रिय स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने नये समाहरणालय भवन परिसर के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

नये समाहरणालय भवन की छत पर सोलर प्लेट लगायें : नीतीश

सीएम ने निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण

बोलें- पर्यावरण के अनुकूल और देखने में आकर्षक होगा भवन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना जिला के नये समाहरणालय भवन परिसर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नये समाहरणालय भवन का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें। नये समाहरणालय भवन में एक ही छत के नीचे जिला प्रशासन के सभी कार्यालय होंगे जिससे लोगों को काफी सहूलियत होगी और उन्हें अधिक सुगमता से सेवा प्रदान की जा सकेगी। इस समाहरणालय भवन परिसर के उत्तर में गंगा नदी और दक्षिण में गांधी मैदान होने से इसका दृश्य और भी मनोरम लगेगा। यह नया समाहरणालय भवन पर्यावरण के अनुकूल होगा और देखने में भी आकर्षक होगा। उन्होंने कहा कि नये समाहरणालय भवन की छत पर सोलर प्लेट भी लगायें।

205 ओपेन पार्किंग एवं 240 बेसमेंट पार्किंग की सुविधा होगी : इससे पहले निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नये समाहरणालय भवन के अंतर्गत निर्माण किए जा रहे विभिन्न भागों की जानकारी देते हुये बताया कि यह नया समाहरणालय भवन काफी बेहतर ढंग से बनाया जा रहा है जो भूकंपरोधी होगा और पर्यावरण के भी अनुकूल होगा। मुख्य भवन में सभी विभागों के लिये अलग-अलग प्रवेश द्वार होंगे। समाहरणालय में बेसमेंट एवं भू-तल के अलावा पांच फ्लोर होंगे। इस परिसर में लगभग 205 ओपेन पार्किंग एवं 240 बेसमेंट पार्किंग की सुविधा होगी। सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से इस परिसर में उत्कृष्ट मानदण्डों का अनुपालन किया जा रहा है।

ये रहें मौजूद : निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, सांसद संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव-सह-भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना प्रक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मल्लिक, पटना के जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

बारून-दाउदनगर नहर रोड स्थित चमन बिगहा के समीप हुआ हादसा

औरंगाबाद में कार नहर में पलटी, पांच लोगों की मौत

रोहतास जिले के गुप्ताधाम में दर्शन-पूजन करने गए थे

प्रात : किरण

पटना/औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को सोन नहर में कार के पलट जाने से पांच लोगों की डूबकर मौत हो गई। दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ऋषि राज ने बताया कि कार पर सवार लोग रोहतास जिले के गुप्ताधाम में दर्शन-पूजन करने गए थे। वहां से लौटने के क्रम में मंगलवार की सुबह उनकी कार अनियंत्रित हो गई और बारून-दाउदनगर नहर रोड स्थित चमन बिगहा गांव के समीप नहर में जा गिरी। नहर में पानी अधिक होने के कारण कार में सवार सभी लोगों की डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कार में सवार सभी मृतकों के शव को बाहर निकाला। श्री ऋषि राज ने बताया कि मृतकों की पहचान पटना जिले के राजीव नगर थाना क्षेत्र निवासी दीपक कुमार 38 वर्ष, कन्हाई राय37 वर्ष , रोहित कुमार 12 वर्ष, नारायण चौहान 30 वर्ष और रवि कुमार 32 वर्ष के रूप में की गयी है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। बताते चलें कि हादसे के समय तेज आवाज को सुनकर लोग पहुंचे, लेकिन पता नहीं चला कि कार किधर चली गई। जब तक कार को पानी से निकाला जाता, कार सवार पांच लोगों की डूबने से मौत हो चुकी थी। कुछ लोग बता रहे हैं कि उन्हें आवाज आई थी, लेकिन नजदीक जाने पर पता नहीं चला। बाद में कार स्थानीय ग्रामीणों ने नहर में कार देखी तो पुलिस को सूचना दी। कार निकाली गई, तो अंदर कोई जिंदा नहीं मिला। पुलिस ने पुष्टि की कि उसमें सवार पांच लोग लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने मृतकों के शव को निकलवा कर जिला मुख्यालय भेजा है। पहनावा से ऐसा लग रहा है कि सभी मृतक कहीं से पूजा कर लौट रहे होंगे। तीन के शरीर पर सावन का गेरुआ कपड़ा है। सभी मृतक पटना के राजीव नगर में आसपास रहते थे बीडीओ मो. जफर इमाम, सीओ शैलेंद्र कुमार यादव, थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हुए हैं।

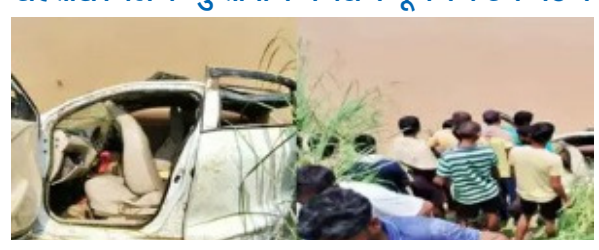

सीएम ने हादसे पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना के चमन बिगहा के पास अनियंत्रित कार के सोन कैनाल में पलटने से पांच लोगों की हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दुःखद है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

सेबी प्रमुख के इस्तीफे की मांग पर 22 को कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी महाघोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग को लेकर आगामी 22 अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन करेगी। पार्टी महासचिवों, राज्य प्रभारियों और प्रदेश इकाई के अध्यक्षों की बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा, आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महासचिवों, राज्य प्रभारियों और राज्य अध्यक्षों सहित कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक बैठक बुलाई थी। बैठक में 56 नेताओं ने भाग लिया और उनमें से 38 ने कई बहुमूल्य सुझाव दिये। हमने अदाणी और सेबी से संबंधित घोटाले पर चर्चा की। वेणुगोपाल ने कहा, ह्यह्यहमने 22 अगस्त को देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है। यह प्रदर्शन दो मांगों को लेकर होगा। पहली मांग है कि सेबी प्रमुख का इस्तीफा हो और दूसरी मांग है कि अदाणी महाघोटाले की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जाति जनगणना को लेकर भी चर्चा की गई है तथा सरकार को इसे अविलंब कराना चाहिए।

भागलपुर : महिला सिपाही सहित पांच लोगों के शव मिले

पटना/एजेंसी। भागलपुर के इशाकचक थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले। पुलिस लाइन के क्ववाटर्र से मंगलवार सुबह एक महिला सिपाही और उसके परिवार के चार सदस्यों के शव मिले। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें सिपाही पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया गया है। डीआईजी विवेकानंद के मुताबिक, सभी मृतक बक्सर के रहने वाले थे। शव के साथ ही एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें महिला सिपाही नीतू कुमारी के पति पंकज ने हत्या की बात को स्वीकार की है। पंकज ने लिखा है कि पत्नी ने मेरी मां तथा दोनों बच्चों की गला रेत कर हत्या कर दी। इसलिए उसने पत्नी को मारकर खुद को फांसी लगा ली। साथ ही उसने पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है।

हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। अमेरिका की शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री द्वारा उस आवेदन को सूचीबद्ध करने से इंकार करने को चुनौती दी गई है, जिसमें अडानी समूह की कंपनियों के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए कथित धोखाधड़ी के आरोपों के समाधान के लिए की गई कार्रवाई पर सेबी से स्थिति रिपोर्ट मांगी गई थी। याचिका में हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को रिकॉर्ड में लाया गया है कि सेबी की चेयरपर्सन और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस के ऑफशोर फंड में कथित तौर पर निवेश किया था, जिसका नियंत्रण अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी के बड़े भाई विनोद अडानी के पास है। याचिका में कहा, हालांकि सेबी प्रमुख माधबी बुच ने इन आरोपों को निराधार बताया और इस अदालत ने यह भी माना है कि तीसरे पक्ष की रिपोर्ट पर विचार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इन सबने जनता और निवेशकों के मन में संदेह का माहौल पैदा कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में सेबी के लिए लंबित जांच को समाप्त करना और जांच के निष्कर्ष की घोषणा करना अनिवार्य हो जाता है। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में जांच के लिए शीर्ष अदालत के आदेश के लिए पहले जनहित याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता विशाल तिवारी ने रजिस्ट्रार के 05 अगस्त के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मामले में उनके पिछले आवेदन को पंजीकृत करने से इनकार कर दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि अदालत ने इस वर्ष 03 जनवरी के अपने आदेश में सेबी द्वारा जांच पूरी करने के लिए तीन महीने की समयसीमा दी गयी है। याचिकाकर्ता ने कहा कि रजिस्ट्रार द्वारा 03 जनवरी के आदेश की व्याख्या को स्वीकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि शीर्ष अदालत का पिछला आदेश खुद ही एक विशेष समय अवधि में एक कार्य करने की बात करता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मामले में समीक्षा याचिका को खारिज करने का कोई असर नहीं होगा, क्योंकि समीक्षा याचिका की प्रकृति और आधार आदेश के अनुपालन के लिए उनके द्वारा दायर वर्तमान विविध आवेदन से बिल्कुल अलग हैं।

लालू, तेजस्वी के खिलाफ आरोप पत्र पर 17 अगस्त को विचार करेगी अदालत

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत 17 अगस्त को यह फैसला कर सकती है कि भूमि के बदले नौकरी से संबंधित कथित घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने यह देखते हुए मामले को अगली तारीख के लिए स्थगित कर दिया कि दस्तावेज बहुत अधिक हैं। ईडी द्वारा छह अगस्त को पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी के अनुसार, यह मामला 2004 से 2009 तक प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों से संबंधित है।

खुलासा | सेना ने किया दक्षिणी पीर पंजाल की पहाड़ियों तक पहुंचे आतंकी मॉड्यूल का खुलासा

सेना ने घाटी में विदेशी आतंकवाद खत्म करने को बनाया नया काउंटर प्लान

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा, उधमपुर और कठुआ के ऊपरी इलाकों में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ने के बाद सेना ने नया काउंटर प्लान बनाया है। दक्षिणी पीर पंजाल की पहाड़ियों तक पहुंचे आतंकियों के मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद सेना ने विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए नया अभियान शुरू किया है। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने मंगलवार को आतंकवाद विरोधी डेल्टा फोर्स के अग्रिम ठिकानों का दौरा करके आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया था कि पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं। इसके बाद जून माह की शुरूआत से ही आतंकी गतिविधियों में तेजी आनी शुरू हो गई और अब तक दर्जनों मुठभेड़ में अब 15 से ज्यादा सैन्य अधिकारी और जवान बलिदान हो चुके हैं।

आतंकवादी हमलों के बीच पिछले माह से पाकिस्तानी आतंकी एक बार फिर सीमा लांघ रहे हैं। जवानों की शहादत के लिए चार साल से एलओसी पर सीजफायर होने को बड़ी वजह माना जा रहा है, जिसकी वजह से सीमा पार इलाके से घुसपैठ बढ़ी है। पीर पंजाल पहाड़ियों के उत्तरी ओर कश्मीर घाटी में आतंकवाद का लगभग सफाया होने के बाद अब सीमा पार से घुसपैठ के लिए दक्षिणी इलाके को नया रास्ता बनाया गया है। जम्मू कश्मीर के दक्षिणी पीर पंजाल के इलाके डोडा, पुंछ और राजौरी, किश्तवाड़ रियासी, कठुआ के पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों और नागरिकों पर आतंकी हमले हो रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों की खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने गंडोह में 26 जून को तीन आतंकवादियों को मार गिराने के बाद घुसपैठ के पीछे एक मॉड्यूल का भी खुलासा किया था। इस मॉड्यूल के सरगनाओं ने सांबा-कठुआ सेक्टर में विदेशी आतंकवादियों को घुसपैठ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खुफिया सूत्रों का कहना है कि दक्षिणी पीर पंजाल की पहाड़ियों पर कब्जा जमकर बैठे आतंकी समय-समय पर नीचे उतारते हैं और ग्रामीणों को धमकाकर अपने भोजन का इंतजाम करके वापस ऊंचाइयों पर चले जाते हैं। आतंकी ग्रामीणों के फोन अपने कब्जे में लेकर उनसे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं तक सूचना पहुंचा रहे हैं। उधमपुर-कठुआ-डोडा जिलों के पहाड़ों और जंगलों में आतंकियों की सक्रियता के लिए यह मॉड्यूल आश्रय, भोजन और अन्य छोटी रसद पहुंचाने में मदद कर रहा है। जांच में पुष्टि हुई है कि गंडोह मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों ने छिपने और ऊपरी इलाकों तक पहुंचने में इसी मॉड्यूल की मदद ली थी।

एसएसएलवी-डी3 की उल्टी गिनती आज से शुरू

प्रात : किरण

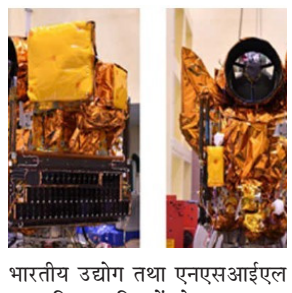

श्रीहरिकोटा/नई दिल्ली/एजेंसी। आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित होने वाले एसएसएलवी-डी3 के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती बुधवार को शुरू होगी। इसरो के सूत्रों ने बताया कि प्रक्षेपण के लिए उल्टी गिनती कल यानी बुधवार को से शुरू होगी। कुल 175.5 किलोग्राम वजनी इस पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-08) का प्रक्षेपण लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान का उपयोग करके किया जाएगा। यह एसएसएलवी-डी3 तीसर और अंतिम विकासात्मक प्रक्षेपण है और इस चरण में यह माइक्रोसैटेलाइट को लेकर स्वतंत्रता दिवस पर सुबह 09.17 बजे शार रेंज से उड़ान भरेगा। उन्होंने कहा, इस मिशन ने एसएसएलवी विकास परियोजना को पूरा किया है और भारतीय उद्योग तथा एनएसआईएल द्वारा परिचालन मिशनों को सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि ईओएस-08 इसरो का नवीनतम पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। ईओएस-08 मिशन के प्राथमिक उद्देश्यों में माइक्रोसैटेलाइट को डिजाइन और विकसित करना, माइक्रोसैटेलाइट बस के साथ संगत पेलोड उपकरण बनाना और भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नई तकनीकों को शामिल करना आदि हैं। प्रक्षेपण के तुरंत बाद अंतरिक्ष यान मिशन विन्यास 37.4 डिग्री के झुकाव के साथ 475 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निम्न कक्षा में संचालित होगा। एसएसएलवी तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसे तीन ठोस प्रणोदन चरणों और एक टर्मिनल चरण के रूप में तरल प्रणोदन आधारित वेलोसिटी ट्रिमिंग मॉड्यूल के साथ निर्मित किया गया है। एसएसएलवी का व्यास दो मीटर और लंबाई 34 मीटर है और यह 120 टन वजन उठा सकता है। एसएसएलवी एसडीएससी/एसएचएआर से 500 किमी की प्लेनर कक्षा में 500 किलोग्राम के उपग्रह को ले जाने में सक्षम है। एसएसएलवी की प्रमुख विशेषताएं कम लागत, कम टर्न-अराउंड समय, कई उपग्रहों को समायोजित करने में लचीलापन, मांग पर प्रक्षेपण व्यवहार्यता तथा न्यूनतम प्रक्षेपण बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग जगहों से दो बाइकें चोरी, केस दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों से दो बाइकें चोरी कर ली गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वाहन चोरों की तलाश शुरू कर दी है। संदीप कुमार निवासी गांव पूरनपुर सलारपुर ने शिकायत देकर बताया कि उसने अपनी बाइक डैंसो चौक के पास खड़ी की थी। जहां से किसी ने चोरी कर ली। वहीं सुरजीत सिंह निवासी बालवाला मजबता थाना बुग्गावाला ने शिकायत दी कि बीती पांच अगस्त की शाम अपनी बाइक महिंद्र एंड महिंद्रा कंपनी के गेट नंबर तीन पर खड़ी की थी, जब वापस आया तो बाइक गायब मिली थी। एसओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि जल्द वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सरेराह अश्लील हरकतें करने पर तीन महिलाओं को किया गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में सरेराह खड़े होकर राहगीरों को अश्लील इशारे और हरकतें करने के आरोप में तीन महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीनों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकतें करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। तीनों का चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, रविवार को एसआई मनीषा नेगी टीम के साथ गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि सिडकुल में सेक्टर-2 में एक होटल के पास सड़क किनारे तीन महिलाएं खड़ी होकर राहगीरों को अश्लील इशारे करते हुए बुला रही हैं। सरेराह अश्लील हरकतें करने के चलते आसपास के लोग भी परेशान हो गए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जहां से तीनों महिलाओं को पकड़ लिया और थाने लाया गया। थाना प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि आरोपी तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधिवक्ता की मौत

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में एक अधिवक्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव कार के अंदर मिला। शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक, रुड़की निवासी अधिवक्ता सुधीर प्रशांत (32) हरिद्वार कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे थे। वह यहां सिडकुल के दीपगंगा अपार्टमेंट में रह रहे थे। शनिवार की रात घर नहीं पहुंचे। फोन बंद आने पर तलाश शुरू की। रविवार की सिडकुल क्षेत्र में खड़ी मिली कार में वह मृत पड़े मिले। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। एसओ मनोहर भंडारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

हरिद्वार में पुलिस और बाइक सवार के बीच मुठभेड़, पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में लगी गोली

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के कनखल थाना क्षेत्र में बीती रात यानि सोमवार को बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ होने की खबर सामने आई है। इसमें पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान के तहत बाइक सवार को रोकने पर बदमाश ने गोलियां चला दी। वहीं पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने बदमाश को पकड़ लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान चेकिंग के लिए एक बाइक सवार को रोकने की कोशिश की गई तो आरोपी भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस को पीछा करते देख बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की तरफ से जवाबी कार्रवाई में फायरिंग के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी और घायल बदमाश को गिरफ्तार करते हुए ज़िला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं एसएसपी हरिद्वार ने बताया कि इस बदमाश से पूछताछ के दौरान पता चला है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर कनखल थाना क्षेत्र में लूट की 2 घटनाओं को अंजाम दिया है। इसके अतिरिक्त घटनाओं में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है,।

खाले में उफान आने से भानियावाला तिराहे तक राजमार्ग हुआ जलमग्न

ऋषिकेश, एजेंसी। सोमवार शाम क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण पंजाब नेशनल बैंक वाले जंगली खाले में उफान आने से भानियावाला तिराहे तक राष्ट्रीय मार्ग जलमग्न हो गया। जिससे दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। सूचना पाकर नगर पालिका की टीम ने मोर्चा संभाला। बारिश कम होने और जेसीबी से पानी डायवर्ट करने के बाद यातायात करीब एक घंटे बाद सुचारू हुआ।

सावन के आखिरी सोमवार की शाम करीब पौने चार बजे क्षेत्र में भारी बारिश शुरू हुई जो करीब एक घंटे तक होती रही। जिससे साल जंगल के सैन चौकी की तरफ से पीएनबी बैंक के पास खत्म होने वाले बरसाती नाले में इस सीजन की अब तक की सबसे अधिक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी नदी की शक्ल में भानियावाला मुख्य मार्ग से होता हुआ कई घरों और दुकानों में घुस गया। सूचना पाकर नगर पालिका के करीब आधा दर्जन सफाईकर्मी जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। मुख्य मार्ग पर भानियावाला तिराहे से लेकर दुर्गा चौक तक करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लगा गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू कराया। निवर्तमान सभासद ईश्वर रौथाण ने कहा कि बाढ़ का पानी रणजीत चौहान, सोनू कुकरेती, संजय शर्मा, रणधीर चौहान आदि के घरों में घुसा है। उन्होंने प्रस्तावित सिक्स लेन में बाढ़ के पानी निकासी के उचित प्रबंधन की मांग की है।

कोठारी मोहल्ले के कई घरों में बाढ़ का पानी भरने से महेंद्र चमोली की पानी की टंकी टूट गई। निवर्तमान सभासद राजेश भट्ट ने कहा कि रणजीत सिंह, सुनील कपरूवाण, रमेश आदि के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। थानो वन रेंज के अंतर्गत साल जंगल के बीच से भानियावाला तक आ रहा बरसाती खाला सैकड़ों साल पुराना है। भानियावाला मुख्य बाजार से लेकर कांन्हरवाला तक खाले में अतिक्रमण कर सीसी मार्ग और दूसरे निर्माण कार्य किए गए हैं। भानियावाला में खाले की टेल को अतिक्रमण कर खत्म कर दिया गया है। राज्य गठन से पहले तक यह खाला माजरीवाली नहर में मिल जाता था। इस साल सामान्य बारिश होने से इस खाले में कई बार बाढ़ आ चुकी है। नए बसे लोगों ने पहली बार इस खाले में इतना पानी देखा है।

विकसित भारत का यही है सूत्र, युवा हो नशा विमुक्त : रविंद्र पुरी

हरिद्वार, एजेंसी। एसएमजेएन कॉलेज में नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत 'विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से मुक्त' विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने की। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई।

श्रीमहन्त रविन्द्र पुरी ने कहा कि नशे के उत्पाद मनुष्य के शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। तंबाकू के धुएं में पाई जाने वाली कार्बनडाई आक्साईड गैस रक्त में आक्सीजन की मात्रा को घटाती है। उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन से देश एवं व्यक्ति की उत्पादकता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रही है। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाना आवश्यक है।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों की समस्याओं को लेकर चर्चा

हरिद्वार, एजेंसी। डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार की समस्याओं को लेकर बैठक हुई। जिलाधिकारी ने शासनादेश के अनुपालन में सभी कार्य समय से करने के निर्देश दिए।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के महासचिव जितेंद्र रघुवंशी ने कहा कि 2015 से भूमिहीन व किराये पर रहने वाले स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को नियमानुसार शासनादेश के अनुसार अविलम्ब पात्र व्यक्तियों को भूखंड या आवास उपलब्ध कराया जाए। 95 चित्र टाउन हॉल में लगे थे, उन चित्रों का सम्मान किया जाना चाहिए। रेलवे स्टेशन व अन्य शासकीय सभागारों, विद्यालयों में लगाया जाना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम सड़कों, चौराहों, सरकारी विद्यालयों का नामकरण किया जाना चाहिए। शमिल किया जाना चाहिए। अति वृद्ध सम्मान पेंशनधारको को जीवित प्रमाण पत्र उनके आवास पर तहसील सतर पर बैंक कर्मचारियों की ओर से दिए जाने व्यवस्था होनी चाहिए।

गंगाजल भरने गई महिला-युवती भागीरथी में बही

उत्तर काशी, एजेंसी। सावन के आखिरी सोमवार पर कुंसी गांव निवासी सोनम (20) पुत्री सोबन सिंह और राजेश्वरी (30) पत्नी जगमोहन सिंह नाकुरी के शिव मंदिर के समीप भागीरथी नदी से गंगाजल भर रहीं थीं। इस दौरान अचानक वह दोनों नदी के तेज बहाव में बह गईं।

उत्तरकाशी के नाकुरी में शिव मंदिर के निकट गंगाजल भरने के दौरान एक महिला और एक युवती भागीरथी नदी के तेज बहाव में बह गई। सूचना पर पहुंची एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, क्यूआरटी और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने दोनों की तलाश में बचाव अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि दोनों का कुछ सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं, घटना से गुस्साए लोगों ने नाकुरी में गंगोत्री हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। बाद में एसडीएम के आश्वासन पर लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार, सावन के आखिरी सोमवार पर कुंसी गांव निवासी सोनम (20) पुत्री सोबन सिंह और राजेश्वरी (30) पत्नी जगमोहन सिंह नाकुरी के शिव मंदिर के समीप भागीरथी नदी से गंगाजल भर रहीं थीं। इस दौरान अचानक वह दोनों नदी के तेज बहाव में बह गईं। सूचना मिलने पर एसडीएम डुंडा नवाजिश खलीक राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और खोज-बचाव अभियान के लिए मनेरी भाली जल विद्युत परियोजना द्वितीय से नदी का पानी रुकवाया। वहीं, नाकुरी और आसपास के क्षेत्र में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और क्यूआरटी टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया।

वहीं, चिन्यालीसौड़ में एसडीआरएफ की गोताखोर टीम भी टिहरी झील में सर्च अभियान चला रही है। इधर, घटना से गुस्साए लोगों ने हादसे के लिए जल विद्युत निगम को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मनेरी व जोशियाड़ा बैराज से अचानक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया, जिस कारण यह घटना हुई। आक्रोशित लोगों ने गंगोत्री हाईवे पर नाकुरी में सांकेतिक चक्का जाम किया।

सूचना पर पहुंचे एसडीएम डुंडा नवाजिश खलीक ने आक्रोशित लोगों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जाएगी। जांच में जो दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

स्मार्ट मीटर लगाने को ऊर्जा निगम ने शुरू किया सर्वे कार्य

रुड़की, एजेंसी। स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर ऊर्जा निगम की ओर से सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्यालय से भी टीम बनाकर सर्वे कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। रुड़की मंडल में इसकी शुरुआत रामनगर डिवीजन से की गई है।

ऊर्जा निगम की ओर से स्मार्ट मीटर लगाने की दिशा में तेजी से काम शुरू हो गया है। मेट्रो सिटी की तर्ज पर उपभोक्ताओं को पहले मीटर को रिचार्ज करना होगा, उसके अनुसार ही वह बिजली का उपभोग कर सकेंगे। रुड़की मंडल में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए रामनगर डिवीजन से सर्वे कार्य शुरू किया गया है।

सर्वे के दौरान संबंधित एजेंसी के कर्मचारी ट्रांसफार्मर की संख्या व उनसे जारी उपभोक्ताओं के कनेक्शन आदि की रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसके अलावा मीटर के संबंध में भी रिपोर्ट देंगे कि मीटर में कितनी रीडिंग आदि है।

रुड़की मंडल के अधीक्षण अभियंता अमित कुमार शर्मा ने बताया कि एक माह में यह कार्य पूरा होने की उम्मीद है। एजेंसी की ओर से करीब 20 टीम को इस कार्य के लिए लगाया गया है।

पौड़ी डीएम ने 20 सूत्रीय कार्यक्रम में खराब स्थिति पर जताई नाराजगी, सीएमओ समेत तीन अधिकारियों के रोके वेतन

पौड़ी, एजेंसी। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने बीस सूत्रीय कार्यक्रम में खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं, बैठक में शामिल न होने तथा जिला योजना में आवंटित धनराशि के सापेक्ष कम ही व्यय किए जाने पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ. चौहान ने जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, जिला पंचायतराज अधिकारी द्वारा प्रतिभाग न करने पर स्पष्टीकरण तलब किया। समीक्षा के दौरान उन्होंने प्रशिक्षु आईएएस दीक्षिका जोशी की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स समिति के गठन के निर्देश दिये

ताकि नियमित रूप से योजनाओं की समीक्षा हो लोक निर्माण विभाग की जिला योजना में व्यय की खराब स्थिति को लेकर जिलाधिकारी ने सख्त हिदायत देते हुए 15 दिन के भीतर वित्तीय प्रगति लाने के निर्देश दिये। राजकीय सिंचाई, जल संस्थान, वन विभाग, सिंचाई, कृषि विभाग को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने को कहा है। बैठक में अर्थ एवं संख्या विभाग द्वारा योजनाओं की वित्तीय प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिला सेक्टर योजना में जुलाई माह में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष व्यय प्रतिशत 3.68, राज्य सैक्टर योजना में 54.72 प्रतिशत जबकि केन्द्र पोषित योजना में 76.77 प्रतिशत धनराशि व्यय की जा चुकी है।

बैठक में जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर, प्रभारी मुख्य शिक्षाधिकारी नागेन्द्र बर्तवाल, ईई जल संस्थान एसके रॉय, ईई लोनिवि दिनेश बिजल्वांण, मत्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा, अपर संख्याधिकारी वीरेन्द्र आदि शामिल रहे।

कॉरीडोर पर झूठ का भ्रम फैला रही कांग्रेस

हरिद्वार, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी सप्तऋषि मंडल की ओर से सूखी नदी खडखड़ी हरिद्वार के उस स्थान पर गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण अभियान चलाया गया। जहां से कांग्रेस पार्टी ने रविवार को पदयात्रा प्रारंभ की थी। इस दौरान भाजपाइयों ने कहा कि कॉरिडोर प्रकरण पर कांग्रेस का झूठ का भ्रम फैला रही है। इस अवसर पर भाजयुमो के प्रदेश मंत्री दीपांशु विद्यार्थी ने कहा कि कॉरिडोर प्रकरण पर कांग्रेस के लोगों को मुंह की खानी पड़ रही है। हरिद्वार की आम जनता और व्यापारी कांग्रेस के झूठ को समझ गया है। कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। हरिद्वार के व्यापारियों को इस प्रकरण की असलियत समझ में आ गई है। भाजपा के मंडल महामंत्री देवेश ममगाई और विक्की अडवाणी ने कहा कि कांग्रेस की इस यात्रा को झूठ यात्रा कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस के इस बोले जा रहे झूठ को बेनकाब करते रहें।

घनसाली क्षेत्र में बारिश ने मचाई तबाही, ग्रामीणों को हुआ भारी नुकसान

टिहरी, एजेंसी। उत्तराखंड के घनसाली विधानसभा क्षेत्र के भिलंगना क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इस बारिश के चलते नदी, नाले, गदेरों के उफान में आने से आपदा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। जिले में मानसून लोगों के लिए किसी आफत से कम नहीं है। वहीं इसी बीच ग्रामीणों के घरों में मलबा घुसने से उन्हें भारी मात्रा में नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार, घनसाली क्षेत्र में बारिश के कारण अंथवाल, जाख और बडियारगांव में ग्रामीणों के खेत तथा पुलिया बह गई है। साथ ही दो मकान और मंदिर मलबे की चपेट में आ गए तो ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। ऐसी स्थिति में प्रशासन द्वारा प्रभावित 8 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। लेकिन अभी भी बारिश के चलते आसपास के परिवार भी दहशत के साये में जीने को मजबूर है। वहीं डीएम का कहना है कि सुरक्षा के चलते परिवारों को शिफ्ट किया जा रहा है और 14 अगस्त को क्षेत्र का भूगर्भीय टीम द्वारा सर्वे करवाया जाएगा, उसके आधार पर विस्थापन की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि गांव में हुई अतिवृष्टि से ग्रामीणों की खड़ी फसल सहित पेयजल लाइनें टूट गई हैं। इसके साथ ही संपर्क मार्ग पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। भारी बारिश के चलते नदी नाले उफान पर आ गए हैं। जिले से गुजरने वाली भिलंगना नदी, बाणगंगा नदी, नैलचामी नदी सहित भागीरथी नदी अपने रौद्र रूप धारण कर लिया है।

बरात का इंतजार करती रही दुल्हन, दूल्हा नहीं आया तो पहुंची थाने

झबरेड़ा, एजेंसी। दुल्हन घंटों तक बरात के आने का इंतजार करती रही। जब दूल्हा बरात लेकर नहीं आया तो वह थाने पहुंची और मंगेतर पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। यह भी बताया कि वह गर्भवती है। बताया जा रहा है कि महिला पहले से शादीशुदा है और उसका अपने पति से विवाद चल रहा है। इस कारण वह झबरेड़ा में किराये पर रहती है।

पुलिस के अनुसार, महिला उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर की रहने वाली है। पति से विवाद के चलते वह झबरेड़ा कस्बे में किराये के मकान में रहती है। उसका एक बच्चा भी है। पुलिस को दी तहरीर में महिला ने बताया कि यहां रहते हुए करीब दो वर्ष पहले उसका परिचय मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के टांडा भनेड़ा निवासी एक युवक से हुआ। दोनों के बीच प्रेम पनप गया।

महिला का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए, जिससे वह गर्भवती हो गई। यह पता चलने पर उसने शादी के लिए दबाव बनाया, जिसके लिए युवक राजी भी हो गया।

शनिवार दोपहर महिला की बरात आनी थी। इसके लिए महिला के रिश्तेदार भी घर पर जमा हो गए थे। बरात आने का समय बीतने के बाद भी जब कोई नहीं पहुंचा तो महिला को चिंता हुई। उसने दूल्हे को फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल बंद था।

भारी बारिश के चलते बद्रीनाथ के निकट कंचनगंगा मार्ग बंद, आवाजाही में हो रही भारी परेशानी

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड में लगातार बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ रास्तों को भी बुरी तरह से प्रभावित किया हुआ है। इसी बीच भारी बारिश के चलते नेशनल हाईवे बद्रीनाथ के निकट कंचनगंगा में बंद होने की खबर सामने आई है। वहीं इससे आवाजाही भी बुरी तरह से प्रभावित हो रही है।

दरअसल, बद्रीनाथ के निकट कंचनगंगा की सड़क में भारी बरसाती नाला और मलबा आने से सड़क के ऊपर अभी भी भारी पानी बह रहा है, जिस कारण से वाहनों का आर पार हो पाना फिलहाल संभव नहीं है। साथ ही पहाड़ी से काफी संख्या में बोल्डर भी

यहां पर आ रहे हैं। कंचनगंगा के अतिरिक्त बद्रीनाथ नेशनल हाईवे छिनका में मलबा आने से बंद हो गया है तो वहीं जोशीमठ नगर से 8 किलोमीटर आगे मारवाड़ी नामक स्थान में बीती देर रात यानि सोमवार को बंद हुई सड़क कुछ देर पहले सुचारू हो गई है। बता दें कि बद्रीनाथ नेशनल हाईवे छिनका में अभी अभी खुला है। इसमें यात्रा वाहनों की आवाजाही अब सुचारू हो गई है। फिलहाल यहां पर अभी भी सड़क काफी खतरनाक बनी हुई है। वहीं पहाड़ी से मलबा और बोल्डर आने का खतरा बरकरार है।

दुष्कर्म के दो दोषियों को 20-20 साल का कठोर कारावास, जुर्माना भी लगाया

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिगों से दुष्कर्म के दो दोषियों को 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों पर जुर्माना भी लगाया है। साथ ही पीड़िताओं को प्रतिकर देने के भी आदेश दिए हैं।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिगों से दुष्कर्म के दो दोषियों को 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों पर जुर्माना भी लगाया है। साथ ही पीड़िताओं को प्रतिकर देने के भी आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार 17 सितंबर 2021 को एक व्यक्ति ने अपनी 15 साल की बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले में विवेचक एसआई धीरज टम्टा और रीता चौहान ने अगले दिन बहेड़ी (बरेली) निवासी राजकुमार उर्फ रवि को गिरफ्तार कर उसके पास से किशोरी को बरामद कर लिया। आईपीसी की धारा 363, 366, 376 (3) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के तहत कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। एफटीएस न्यायालय में अपर जिला सत्र न्यायाधीश संगीता आर्या ने मामले की सुनवाई की। विशेष लोक अभियोजक/सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने सात गवाह पेश कर आरोप सिद्ध कर दिए। नौ अगस्त 2024 को अपर जिला जज न्यायाधीश संगीता आर्या ने दोषी रवि को आईपीसी की धारा 376 (3) के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार का अर्थदंड, धारा 363 आईपीसी में सात साल की कैद, पांच हजार रुपये जुर्माना और धारा 366 के तहत दस साल और पांच हजार रुपये का जुर्माना की सजा सुनाई। कहा कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। आरोप के दौरान जेल में काटी गई सजा भी शामिल होगी। कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को सहायता योजना के तहत उचित प्रतिकर दिलाने की संस्तुति करने के निर्देश दिए। तीन साल पहले खटीमा एक नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को एफटीएससी कोर्ट में सुनवाई के बाद अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने दोषी करार दिया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 14 अगस्त, 2024

एक चुनी हुई सरकार को झंडा फहराने से रोकना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण-सिसोदिया

एलजी साहब को न तो आजादी की चिंता है, न ही देश की चिंता है, उन्हें बस सुकेश जैसे लोगों की चिंता हैं-मनीष सिसोदिया

- दिल्ली में आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार की छीना जा रहा है; यहाँ एक नए वायसराय आ गये है जो कह रहे है कि झंडा वो फहरायेंगे-आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने के मुद्दे पर साझा करते हुए वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली में चुनी हुई सरकार को झंडा फहराने से रोकना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि, तिहाड़ से महाठग सुकेश की चिट्ठी तुरंत एलजी साहब के पास पहुँच जाती है और वो इसपर एक्शन भी लेते है लेकिन उनतक चुने हुए मुख्यमंत्री की चिट्ठी नहीं पहुँचती है। जिस एलजी साहब को महाठग सुकेश की चिट्ठियों से इतना प्यार है कि उसके एक-एक शब्द को सच मानते हैं; उन एलजी साहब को एक बार दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री की चिट्ठी को भी तिहाड़ से मँगवा लेना चाहिए।

इस विषय में साझा करते हुए वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने भी कहा कि, आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार की छीना जा रहा है। आज दिल्ली में एक नए वायसराय आ गये है जो कह रहे है कि झंडा वो फहरायेंगे। 15 अगस्त को तिरंगा फहराना देश के लोगों का अधिकार है, दिल्ली के लोगों को अधिकार है, दिल्ली के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार का अधिकार है। अगर चुनी हुई सरकार को झंडा नहीं फहराने दिया जाता तो तानाशाही का इससे बड़ा कोई और प्रमाण नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि, हम 15 अगस्त को तिरंगा इसलिए फहराते है क्योंकि 15 अगस्त 1947 वो दिन था जब भारत के लोगों को खुद पर राज करने का अधिकार मिला। इससे पहले भारत में अंग्रेजों का राज होता था, जो भारत में एक वायसराय को भेजते थे और वो मनमजी से अपनी सरकार चलाता था। उस सरकार में भारत के लोगों का कोई अधिकार नहीं होता था।

आप नेता आतिशी ने कहा कि, हम 15 अगस्त को तिरंगा लोकतंत्र के लिए, आजादी के लिए, भारत के लोगों के हक की आवाज के लिए फहराते है। लेकिन आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार की छीना जा रहा है। आज मानो दिल्ली में एक नए वायसराय आ गये है जो कह रहे है कि झंडा वो फहरायेंगे।

उन्होंने कहा कि, मैं एलजी साहब से कहना चाहती हूँ कि, 15 अगस्त को हमें यूनियन जैक नहीं बल्कि स्वतंत्र भारत का तिरंगा फहराना है और वो तिरंगा फहराना देश के लोगों का अधिकार है, दिल्ली के लोगों को अधिकार है और दिल्ली के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार का अधिकार है।और अगर चुनी हुई सरकार को झंडा नहीं फहराने दिया जाता तो तानाशाही का इससे बड़ा कोई और प्रमाण नहीं होगा। हम देखेंगे कि भाजपा तानाशाही के साथ खड़ी है या फिर लोकतंत्र के साथ खड़ी है। आतिशी ने कहा कि, तिरंगा चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री फहराते है। लेकिन झूठे केस में न्यायिक हिरासत के होने के कारण मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने अपनी इच्छा जाहिर कर उनकी जगह मुझे बतौर मंत्री झंडा फहराने की अनुमति दी है।

इस बाबत उन्होंने तिहाड़ जेल से एलजी साहब को चिट्ठी लिखी। लेकिन वो तिहाड़ जेल जहां से सुकेश चंद्रशेखर की हर चिट्ठी एलजी साहब के पास पहुँचती है। जिस चिट्ठी के आधार पर एलजी साहब सीबीआई जाँच के आदेश भी दे देते है लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री की चिट्ठी जब एलजी साहब के पास जाती है तो अफसरों से कहलवाया जाता है कि केवल नीति चिट्ठियाँ ही जेल से बाहर जा सकती है कोई ऑफिसियल लेटर नहीं। ये कानून तो सिर्फ. अरविंद केजरीवाल जी के लिए है, सुकेश चन्द्रशेखर के लिए नहीं।

उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, इसके बार गोपाल राय जी, अरविंद केजरीवाल जी से मिलने जाते है। गोपाल राय जी बतौर जीएडी मंत्री अधिकारियों को आदेश देते है कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की इच्छा है कि, उनकी जगह मंत्री आतिशी झंडा फहराए। उसके जबाव में भी अफसरों से कहलवाया जाता है कि, वो इस आदेश की नहीं मानेंगे।

आतिशी ने कहा कि, एलजी अंग्रेजों के राज की तरह एक नए वायसराय के रूप में दिल्ली के लोगों की इच्छा, उनकी चुनी हुई सरकार की इच्छा के खिलाफ सरकार चलाने की कोशिश कर रहे है, चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के हक को छीनने की कोशिश कर रहे है और इस सबसे तानाशाही की बू आती है।

आप नेता मनीष सिसोदिया ने भी साझा करते हुए कहा कि, ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि, स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर घटिया राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि, एक तरफ जेल में बंद महाठग सुकेश चन्द्रशेखर है, उसकी चिट्ठी तिहाड़ प्रशासन एलजी साहब को भेजता है और एलजी भी बाकायदा उसपर एक्शन लेते है। वरिष्ठ आप नेता ने आगे कहा कि जब दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री चिट्ठी लिखते है तो एलजी साब तिहाड़ प्रशासन को कहते हैं कि, खबरदार दिल्ली के मुख्यमंत्री का लिखा पत्र न भेजा जाये लेकिन जब सुकेश पत्र लिखता है तो पूरा एलजी कार्यालय इंतजार करता होगा कि, हर पल भारी पड़ रहा है, हमारे सुकेश जी की चिट्ठी कहां है? जिन एलजी साब को सुकेश के पत्र से इतना प्यार है और उसके एक-एक शब्द को सच मानते हैं, उन एलजी साब को एक बार दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के चिट्ठी को भी मँगवा लेना चाहिए था। मनीष सिसौदिया ने कहा की, स्वतंत्रता दिवस एक पावन मौका है, अगर दिल्ली के एक मौजूदा सीएम ने इसके बारे में पत्र लिखा है, तो एलजी साब के कार्यालय को डीजी कार्यालय में फोन करना चाहिए था और पूछना चाहिए था कि सीएम अरविंद की लिखी चिट्ठी कहाँ है? उन्हें यह चिट्ठी माँगनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि उन्हें न तो आजादी की चिंता है और न ही देश की, उन्हें बस सुकेश जैसे लोगों की चिंता हैं।

विरोधियों को चुप कराने की कोशिश करता है हर तानाशाह : आप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने अपने नए डीपी कैंपेन सत्यमेव जयते की शुरूआत की है। पार्टी का कहना है कि यह तानाशाही के खिलाफ सच्चाई की लड़ाई है। मंगलवार को वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने इसकी घोषणा की। कैंपेन के तहत आम आदमी पार्टी के सभी नेता-कार्यकर्ता अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने कहा कि, पिछले 2 साल भाजपा की केंद्र सरकार ने, उनकी तानाशाह सरकार ने आम आदमी पार्टी को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर झूठे केस लगाए, रेड की लेकिन उन्हें भ्रष्टाचार का एक रुपया भी नहीं मिला।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल में डाला लेकिन फिर भी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल में डाल दिया। मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया, सतेंद्र जैन को गिरफ्तार किया, संजय सिंह को गिरफ्तार किया, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया। ऐसी गिरफ्तारियां स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि, उस समय भी जो लोग अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाते थे, उनको भी झूठे मुकदमों के तहत जेल में डाला जाता था। जवाहर लाल नेहरू जेल रहे, लाला लाजपत राय जेल में रहे, महात्मा गांधी जेल में रहे। आप नेता आतिशी ने कहा कि, हर तानाशाह अपने विरोधियों को अपने विपक्षियों को चुप करने के लिए जेल में डालने की कोशिश करता है। भाजपा ने भी सोचा था कि, अपनी तानाशाही से आम आदमी पार्टी को दबा देंगे, तोड़ देंगे। लेकिन उनकी हर संभव कोशिश के बाद भी आम आदमी पार्टी नहीं टूटी। और आखिरकार मनीष सिसोदिया जी के जेल में 17 महीने रहने के बाद सच्चाई की जीत हुई और मनीष सिसोदिया जी बाहर आए। सत्यमेव जयते का डीपी कैंपेन उन्होंने कहा कि, आज इस सच्चाई की जीत के उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी सत्यमेव जयते का डीपी कैंपेन शुरू कर रही है। आम आदमी पार्टी के सभी सोशल मीडिया पर सत्यमेव जयते के डीपी कैंपेन की शुरूआत हो रही है।

मुकदमा दर्ज कराने के लिए पुलिस पर दर-दर भटकाने का आरोप

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-76 के पास एक नामी विश्वविद्यालय की छात्रा से मोबाइल फोन लूटने की घटना के 11 दिन बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और साथ ही, शिकायतकर्ता ने मुकदमा दर्ज करने में देरी को लेकर पुलिस की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। सेक्टर-113 पुलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सोमवार रात सेक्टर-74 अजनारा हैरिटेज की निवासी श्रेष्ठा वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई कि एक अगस्त को जब वह ऑटो रिक्शा से अपने घर से सेक्टर-125 स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी जा रही थी तभी सेक्टर-76 के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन लूट लिया। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, पीड़िता के पिता दीपक वर्मा ने पुलिस की कार्य प्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। वर्मा वित्त मंत्रालय से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि जब वह एक अगस्त को सोरखा पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराने गए तो कहा गया

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/e Tender Notice/NIT-51-2023-24/W-II दिनांक: 12.08.2024

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	NIT -51	**कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता मेरठ के क्षेत्र में SSE/W/MTC के क्षेत्राधिकार में दौराला, मेरठ मंडी व परतापुर (साइडिंग) और SSE/W/MOZ के मुजफ्फरनगर (साइडिंग) गुड शेड के विकास का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये):** IREPS पर NIT के अनुसार, **बयाना राशि (रुपये):** IREPS पर NIT के अनुसार	
2	निविदा खोलने की तिथि और समय		06.09.2024 15:00 Hrs.
3	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है		निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 2500/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-35-T-R1-24-25-E3 "एनआरडीएच अस्पताल पुरानी दिल्ली के नए भवन में नवनिर्मित 02 मॉड्यूलर ओटी में लेमिनार एयर फ्लो सिस्टम के साथ एयर कंडीशनिंग सिस्टम से संबंधित विद्युत कार्य"।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 45.85 लाख
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 91700.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	05.09.2024, 12.00 Hrs.
निविदा खोलने की दिनांक व समय	05.09.2024, 12.00 Hrs.
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2501/24

झारखंड में पहले से ज्यादा स्वच्छ हुई गंगा- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

- रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम सिस्टम से हो रही पानी की गुणवत्ता की जाँच

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गंगा नदी के कायाकल्प की दिशा में नमामि गंगे मिशन द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। गंगा बेसिन वाले झारखंड राज्य में नमामि गंगे मिशन द्वारा पांच परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन परियोजना में अकेले साहिबगंज जिले में ही 12 एमएलडी और 3.5 एमएलडी क्षमता वाली दो परियोजनाएं शामिल हैं।

सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में गंगा नदी अदूषित श्रेणी (उच्चतम जल गुणवत्ता) में है। राज्य से गुजरने के दौरान गंगा नदी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 3 मिलीग्राम/लीटर से कम है। जिसका मतलब है कि राज्य में गंगा का पानी निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के प्रदर्शन को मापने और निगरानी करने के लिए एक रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम की शुरूआत की है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के आउटलेट पर अपशिष्ट मापदंडों की निगरानी एक ऑनलाइन सतत अपशिष्ट निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) के माध्यम से की जाती है। आपको बता दें कि यह सिस्टम जीएसएम/जीपीआरएस संचार के माध्यम से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन में एक केंद्रीय सर्वर को डेटा प्रेषित करता है। इसके बाद डेटा का विश्लेषण मिशन के गंगा तरंग पोर्टल पर किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निगरानी केंद्र, यमुना और गंगा के वास्तविक समय विश्लेषण मंच (प्रयाग पोर्टल) के साथ एकीकृत किया गया है। यह एसटीपी केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), टोटल सस्पेंडेड सॉलिड (टीएसएस), पीएच और बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) के लिए डिजाइन किए गए मापदंडों पर पूरी तरह खरा उतरा है।

दिल्ली में बढ़ रहा यमुना का जलस्तर, बाढ़ से निपटने को विभाग तैयार: मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के बाद मंगलवार को कहा कि हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर यमुना का जलस्तर 204.35 मीटर तक पहुंच गया है। भारद्वाज ने बताया कि चेतावनी स्तर 204.5 मीटर है। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से फिलहाल 10,000 से 13,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को यमुना के बढ़ते जलस्तर से बचने की चेतावनी देने और बच्चों को नदी के पास जाने या उसमें तैरने से रोकने के लिए मंगलवार से मुनादी शुरू होगी। भारद्वाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर नावों की व्यवस्था और बचाव कार्यों के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण तथा राजस्व विभाग की तैयारियां पूरी हैं। नदी के खतरे के निशान पर पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पिछले मानसून के मौसम में शहर में आई बाढ़ की स्थिति को फिर से बनने से रोकने के लिए विभागों ने खुद को तैयार कर लिया है। मंत्री ने कहा कि नदी के प्रवाह में आने वाले आईटीओ बैराज के जाम हो गए गेट जैसे अवरोधों को दूर कर लिया गया है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्त्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेल यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा प्रयोगात्मक आधार पर रेलगाड़ी सं. 22425/22426 अयोध्या कैंट – आनन्द विहार (टर्मि.) – अयोध्या कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस को अलीगढ़ जं. पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	स्टेशन	समय सारणी		प्रभावी तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से
		आ०	प्र०	
22425 आनन्द विहार(टर्मि.)–अयोध्या कैंट वन्दे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन)	अलीगढ़ जं.	21:33	21:35	16.08.2024 से
22426 अयोध्या कैंट–आनन्द विहार(टर्मि.) वन्दे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन)	अलीगढ़ जं.	07:30	07:32	16.08.2024 से

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2520/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली एम्स ने रेजिडेंट डॉक्टरों को अस्पताल परिसर में प्रदर्शन करने को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली ने अपने प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टरों को अस्पताल परिसर में या उसके आस-पास किसी भी प्रकार का प्रदर्शन करने के खिलाफ चेतावनी दी है। एम्स ने कहा है कि यह दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन है और अदालत की अवमानना है। एम्स-दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की घटना के विरोध में सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टरों की हड़ताल के कारण बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और वार्ड सहित सभी वैकल्पिक और गैर-आवश्यक सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। एम्स प्रशासन ने सभी विभागाध्यक्षों और केंद्र प्रमुखों को प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे तक रेजिडेंट डॉक्टरों की उपस्थिति भेजने को कहा है। प्रशासन ने सोमवार को एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर सभी रेजिडेंट डॉक्टरों का ध्यान 2002 में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ द्वारा निर्धारित आचार संहिता की ओर आकर्षित किया।

एम्स प्रशासन ने कार्यालय ज्ञापन में कहा है कि यदि किसी व्यक्ति/छात्र/कर्मचारी/कर्मचारियों के समूह, छात्र/रेजिडेंट डॉक्टर/एसोसिएशन/यूनियन आदि द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और साथ ही अदालत की अवमानना का भी मामला दर्ज किया जाएगा।इसमें एम्स से जुड़े किसी भी अन्य संकाय, रेजीडेंट, प्रशिक्षु, छात्र, पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा हड़ताल, विरोध या प्रदर्शन के संबंध में 21 फरवरी, 2011 को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का हवाला दिया गया। एम्स प्रशासन ने कार्यालय ज्ञापन में उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए कहा, एम्स के प्राधिकारियों के लिए यह देखना अनिवार्य है कि संस्थान से जुड़ा कोई भी व्यक्ति हड़ताल, विरोध या प्रदर्शन का सहारा लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न दिखाए और जो व्यक्ति ऐसी गतिविधि में शामिल होगा, उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और इस न्यायालय की अवमानना भी की जाएगी। अस्पताल प्रशासन ने कहा, उक्त आचार संहिता को एक बार फिर संस्थान के रेजिडेंट डॉक्टरों, चाहे वे किसी भी ग्रेड और कैडर के हों, तथा उनका प्रतिनिधित्व करने वाली विभिन्न यूनियनों/एसोसिएशनों की जानकारी तथा अनुपालन के लिए अधिसूचित किया जा रहा है, ताकि परिसर में शांति और सद्भाव बनाए रखा जा सके और संस्थान का सुचारू रूप से संचालन हो सके। आचार संहिता के अनुसार, कोई भी स्टाफ या संकाय सदस्य किसी भी कारण से शैक्षणिक गतिविधियों को बंद नहीं करेगा या काम में बाधा नहीं डालेगा या व्यवधान अथवा समाप्ति में सहायता नहीं करेगा या उसे बढ़ावा नहीं देगा और परिसर के भीतर लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए या नारे नहीं लगाने चाहिए, प्रदर्शन या धरना नहीं दिया जाना चाहिए। संस्थान की सीमा से 500 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार की बैठक या विरोध सभा आयोजित नहीं की जाएगी और किसी भी सरकारी कार्य में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा तथा सभी ट्रेड यूनियन गतिविधियां परिसर के बाहर की जाएंगी। कार्यालय ज्ञापन में सुरजीत सिंह बनाम पंजाब एवं अन्य मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया। एम्स प्रशासन ने कार्यालय ज्ञापन में कहा, उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, एम्स में या उसके आसपास हड़ताल, धरना या प्रदर्शन या घेराव जैसी कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल में गत शुक्रवार को एक महिला चिकित्सक का शव अर्ध नग्न अवस्था में मिला था। परिजनों का आरोप है कि महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के सिलसिले में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जो अस्पताल से जुड़ा हुआ नहीं था, लेकिन उसका वहां अक्सर आना-जाना था।

पुलिस ने अवैध हथियार और मादक पदार्थ जब्त किए, दो लोग गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाने की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में अवैध हथियार तथा मादक पदार्थ जब्त किए हैं और दो लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार रात मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ऋतिक नाम के व्यक्ति को दुर्गा गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया गया जिसके पास से एक देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किए। सिंह ने दावा किया कि पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह लूटपाट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में पुलिस ने मोहम्मद कैफ नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसके पास से 1.15 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड भर्ती मामले में अमानतुल्लाह खान समेत 11 आरोपितों के खिलाफ 6 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली का राउज एवेन्यू कोर्ट मंगलवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड की भर्ती में गड़बड़ियों के मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान समेत 11 आरोपितों के खिलाफ सीबीआई की ओर से दर्ज मामले में आरोप तय करने पर सुनवाई टाल दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने आरोप तय करने के मामले में अगली सुनवाई 6 सितंबर को करने का आदेश दिया। इस मामले में कोर्ट ने 1 मार्च 2023 को सभी आरोपितों को जमानत दी थी। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान के अलावा जिन आरोपितों को जमानत दी थी उनमें दिल्ली वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ महबूब आलम, हामिद अख्तर, किफायतुल्लाह खान, रफीऊशान खान, इमरान अली, मोहम्मद अबरार, आकिब जावेद, अजहर खान, जाकिर खान और अब्दुल मन्नर हैं। 3 नवंबर 2022 को कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने इन आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2), 13((1)(डी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था।

केजरीवाल सरकार स्वतंत्रता दिवस पर बाबरपुर में आयोजित करेगी तिरंगा उत्सव- गोपाल राय

तिरंगा हम सबकी सम्मान, पहचान, विरासत और एकता का प्रतीक है - गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि 15 अगस्त को बाबरपुर विधानसभा के बस टर्मिनल पर शाम 4 बजे केजरीवाल सरकार तिरंगा उत्सव आयोजित करेगी। गोपाल राय ने कहा कि तिरंगा हम सबकी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। हम सबके सम्मान, पहचान, विरासत और एकता का प्रतीक है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ द्वारा बाबरपुर बस टर्मिनल के पास यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम झंडे ने किया था। तिरंगा स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरक था और स्वतंत्रता के संकल्प को जागरण करने वाला था। भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाले विभिन्न तत्वों में से एक सबसे प्रमुख तत्व आज भी तिरंगा है। देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने के लिए तिरंगा उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि हर साल इस उत्सव का आयोजन करके हम अपने देश के शहीदों को नमन करते हैं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि तिरंगा उत्सव के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि हमें अपने परिवार के साथ-साथ देश के लिए भी जीना है। इस उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नाट्य-नाटिका के माध्यम से उन शहीदों को याद किया जाएगा, जो लोगों के दिलों में देशभक्ति का जज्बा जगाने का प्रयास करते हैं।

उनहोंने कहा कि बाबरपुर विधानसभा के बस टर्मिनल में हम लोग हर साल ईद मिलन, दीपावली मिलन और तिरंगा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इस तिरंगा उत्सव कार्यक्रम में सभी धर्म और सभी समाज के लोग एक साथ मिलकर शहीदों को याद करेगें, जिन्होंने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया और इस देश के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया।

गोपाल राय ने कहा कि आज इतने साल बाद शायद हम वो सब महसूस नहीं कर सकते, जो गुलामी की जंजीर में जकड़े लोगों ने महसूस किया होगा. उस समय कैसे इस देश के सभी लोगों ने मिलकर आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया होगा। कैसे हिंदू-मुस्लिम महिलाओं, पुरुषों, आदिवासी, दलितों और देश के हर कोने-कोने और हर भाषा के लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुबार्नी दी। हम तिरंगा उत्सव आयोजित कर उन शहीदों को याद करते हैं। इस उत्सव में हम सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नाट्य-नाटिका के माध्यम से शहीदों को याद करेगें और लोगों के दिल में देशभक्ति का जज्बा जगाने का प्रयास करते हैं।

BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED

Regd. Office :- 38, Community Centre, Ground Floor, Basant Lok, Vasant Vihar, Delhi-110057.
Corporate Office: Sector-45, Mathura Road Faridabad, Haryana, India, 121003
Ph.: +91-11-32946682, 26414057, Tele - Fax : +91-11-41674116 Email Id : biharijiispat@gmail.com
CIN: L27109DL1974PLC007047; Web-site: www.biharijiispat.com

Extract of Audited Consolidated Financial Results for the Quarter ended June 30, 2024

₹ In Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended			Year Ended
		30.06.2024	31.03.2024	30.06.2023	31.03.2024
		Un-audited	Audited	Un-audited	Audited
1	Total income from operations	8.35	22.53	43.88	110.56
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items.)	8.35	22.53	43.88	110.56
3	Net Profit/ (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	5.92	(102.51)	33.20	(47.84)
4	Net Profit/ (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	5.92	97.38	33.20	152.05
5	Total Comprehensive Income for the period[Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	10.00	10.00	10.00	10.00
6	Equity Share Capital	600.00	600.00	600.00	600.00
7	"Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -"				
	(a) Basic	0.10	1.62	0.55	2.53
	(b) Diluted	0.10	1.62	0.55	2.53

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of Consolidated Audited Financial Results for the quarter ended on June 30, 2024, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Un-audited Financial Results for the quarter ended on June 30, 2024 is available on the Stock Exchange website viz. www.msei.in and on Company's website viz. https://www.biharijiispat.com/
2. The above Un-audited financial results for the quarter ended on June 30, 2024 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 12-08-2024.
3. The Standalone Financial Results of the Company-

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended		
		30.06.2024	31.03.2024	30.06.2023
		Un-audited	Audited	Un-audited
1	Total Income	414.07	647.05	744.43
2	Profit before Tax	10.19	22.72	43.88
3	Profit after Tax	7.75	-102.32	33.2
4	Total Comprehensive Income	7.75	97.57	33.2

Place: Faridabad
Date: 13.08.2024

FOR BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED
Sd/-
OM PRAKASH BHARDWAJ
Managing Director
DIN : 00060405

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 14 अगस्त, 2024

तानाशाही के खिलाफ सच्चाई की लड़ाई में आम आदमी पार्टी ने शुरू किया डीपी कैंपेन सत्यमेव जयते

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

तानाशाही के खिलाफ सच्चाई की लड़ाई में आम आदमी पार्टी ने अपने नए डीपी कैंपेन सत्यमेव जयते की शुरूआत की है। मंगलवार को वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस के जरिए इसकी घोषणा की। कैंपेन के तहत आम आदमी पार्टी के सभी नेता-कार्यकर्ता अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलेंगे।

इस मौके पर वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने कहा कि, पिछले 2 साल भाजपा की केंद्र सरकार ने, उनकी तानाशाह सरकार ने आम आदमी पार्टी को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर झूठे केस लगाए, रेड की लेकिन उन्हें भ्रष्टाचार का एक रुपया भी नहीं मिला। लेकिन फिर भी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल में डाल दिया। मनीष सिसोदिया जी को गिरफ़्तार किया, सतेंद्र जैन जी को गिरफ़्तार किया, संजय सिंह जी को गिरफ़्तार किया, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को गिरफ़्तार किया। ऐसी गिरफ़्तारियाँ स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है।

उन्होंने कहा कि, उस समय भी जो लोग अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाते थे, उनको भी झूठे मुकदमों के तहत जेल में डाला जाता था। जवाहर लाल नेहरू जेल रहे, लाला लाजपत राय जेल में रहे, महात्मा गांधी जेल में रहे। आप नेता आतिशी ने कहा कि, हर तानाशाह अपने विरोधियों को अपने विपक्षियों को चुप करने के लिए जेल में डालने की कोशिश करता है। भाजपा ने भी सोचा था कि, अपनी तानाशाही से आम आदमी पार्टी को दबा देंगे, तोड़ देंगे। लेकिन उनकी हर संभव कोशिश के बाद भी आम आदमी पार्टी नहीं टूटी। और आखिरकार मनीष सिसोदिया जी के जेल में 17 महीने रहने के बाद सच्चाई की जीत हुई और मनीष सिसोदिया जी बाहर आए।

उन्होंने कहा कि, आज इस सच्चाई की जीत के उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी ह्यसत्यमेव जयतेह्न का डीपी कैंपेन शुरू कर रही है। आम आदमी पार्टी के सभी सोशल मीडिया पर सत्यमेव जयते के डीपी कैंपेन की शुरूआत हो रही है।

आप नेता आतिशी ने कहा कि, हम भाजपा को ये बताना चाहते है कि वो हमें कितना भी परेशान कर ले लेकिन तोड़ नहीं सकते है। वो चाहे कितने समय भी हमारे नेताओं में जेल में डाल दे लेकिन जीत आखिरकार सच्चाई की ही होगी।

उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, आज दोपहर 3 बजे से आम आदमी पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता और सोशल मीडिया हैंडल सत्यमेव जयते के डिसप्ले पिक्चर को कैंपेन के रूप में शुरू करेंगे।

दिल्ली में बेटे ने पिता पर चाकू से वार किया, इलाज जारी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के विष्णु गार्डन एक्सटेंशन इलाके में झगड़े के दौरान एक युवक ने अपने पिता पर चाकू से कथित तौर पर वार कर दिया जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान राज कुमार रतन के रूप में हुई है। गुर्दे की बीमारी से पीड़ित रतन को नियमित डायलिसिस की जरूरत होती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उनकी हालत स्थिर है और उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात 11 बजे ख्याला पुलिस थाने को कथित तौर पर चाकू घोंपने की घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रतन और उसके बेटे सचिन रतन (29) के बीच झगड़ा हुआ और सचिन ने अपने पिता पर चाकू से वार कर दिया तथा फरार हो गया। रतन को जीजीएस अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि सचिन रतन बेरोजगार है और शराब का आदी है, जिसके कारण उसका अपने पिता से अक्सर झगड़ा होता रहता है। अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

आतिशी नहीं फहरा पाएंगी झंडा, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने खारिज किया प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के दिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी जगह दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी को झंडा फहराने के लिए नामित किया था। उनके इस फैसले को जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (जीएडी) ने खारिज कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस समय जेल में बंद हैं, उन्होंने इच्छा जताई थी कि उनकी जगह दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी झंडारोहण करें। दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने केजरीवाल के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि केजरीवाल की जगह आतिशी स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। इसके लिए नियमों का हवाला दिया गया है। दरअसल बीते सोमवार को दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने तिहाड़ में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को 15 अगस्त के दिन झंडारोहण की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए थे और कहा था कि अरविंद केजरीवाल के मुताबिक इस बार झंडारोहण दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी करेंगी। गोपाल राय के जारी किए गए पत्र पर जवाब देते हुए जीए डिपार्टमेंट ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस सर्वोच्च संवैधानिक पवित्रता वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम हैं। उन्हें उनके योग्य कद के अनुसार मनाने के लिए विस्तृत प्रावधान है। इसमें कोई भी विचलन या अधीनता न केवल उनसे जुड़ी पवित्रता को कमजोर करेगी, बल्कि वैधानिक अवैधता भी हो सकती है।

जीएडी के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी नवीन कुमार चौधरी द्वारा जारी किए गए इस पत्र में लिखा है, मैं आपका ध्यान दिल्ली जेल नियम, 2018 के नियम 585, 588, 620 और 627 की ओर आकर्षित करता हूं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उपरोक्त संचार अनुमेय संचार में योग्य नहीं है। जिसे जेल के बाहर भेजा जा सकता है। ऊपर परिभाषित लोगों के एक निर्दिष्ट समूह के साथ केवल निजी पत्राचार की अनुमति है। इसलिए, नियमों के उल्लंघन में कोई भी संचार, लिखित या मौखिक, कानूनी रूप से वैध नहीं है और इसलिए उस पर कार्रवाई नहीं की जा सकती ह्न इसमें कहा गया है, सामान्य प्रशासन विभाग ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए मुख्यमंत्री की उपलब्धता के लिए उनसे सुविधा मांगी। हालांकि, मुख्यमंत्री के कार्यालय ने न्यायिक हिरासत में होने के कारण उनकी अनुपलब्धता का संकेत दिया। इसलिए, इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाया गया है और निर्णय की प्रतीक्षा है। सामान्य प्रशासन सभी संबंधित विभागों के साथ पिछले अभ्यास के अनुसार छत्रसाल स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सभी व्यवस्थाएं कर रहा है ह्न इस पत्र से यह साफ है कि कहीं ना कहीं अब आतिशी के झंडारोहण करने के कार्यक्रम में विराम लग गया है।

दिल्ली: जीएसटी अधिकारी, तीन अधिवक्ताओं समेत कुल सात लोग एसीबी ने किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार रोधी शाखा (एसीबी) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी मामले में कथित संलिप्तता को लेकर एक जीएसटी अधिकारी और तीन अधिवक्ताओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि 96 फर्जी कंपनियों को 54 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी राशि मंजूर की गई। एसीबी के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा, अधिवक्ता राज सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी और मुकेश सोनी, ट्रांसपोर्टर सुरजीत सिंह और ललित कुमार तथा फर्जी कंपनियों में से एक के मालिक मनोज गोयल के रूप में हुई है। जीएसटी अधिकारी शर्मा ने कथित तौर पर धन वापसी को मंजूरी दी जबकि तीन अधिवक्ता लाभार्थी थे। सुरजीत सिंह और ललित कुमार ने रुपयों के बदले में तीनों वकीलों को फर्जी ई-वे बिल और जाली माल रसीदें मुहैया कराईं और गोयल को भी धन वापसी से फायदा हुआ।

सितंबर 2021 में फर्जी कंपनियों को धन वापसी(रिफंड) जारी करने में गड़बड़ी का संदेह होने पर जीएसटी विभाग (सतर्कता) ने इन कंपनियों के भौतिक सत्यापन के लिए एक विशेष टीम भेजी थी। वर्मा ने कहा कि सत्यापन के दौरान पाया गया कि इन सभी कंपनियों का कोई अस्तित्व ही नहीं था और ना ही ये कहीं से संचालित हो रही थीं पांच अक्टूबर को अतिरिक्त आयुक्त (व्यापार एवं कर) विवेक अग्रवाल को मामले की प्रारंभिक जांच सौंपी गई। जांच के आधार पर छह दिसंबर को विस्तृत जांच के लिए मामला एसीबी को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जांच में जीएसटी अधिकारी के इनपुट टैक्स क्रेडिट–के सत्यापन के बिना ही फर्जी जीएसटी धन वापसी को मंजूरी देने का मामला सामने आया, जो फर्जी धन वापसी की पहचान करने में महत्वपूर्ण साधन है। इससे सीधे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

उन्होंने बताया कि 15 कंपनियों के मामले में पंजीकरण के समय न तो आधार का प्रमाणीकरण किया गया और न ही भौतिक सत्यापन किया गया।

48 कंपनियों के संबंध में संपत्ति मालिकों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र भी 26 और 27 जुलाई 2021 को तैयार किया हुआ पाया। पांच कंपनियां एक ही पैन, ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर के तहत पंजीकृत मिलीं। अधिकारियों ने बताया कि फर्जी कंपनियों ने एक जुलाई 2017 से 26 अगस्त 2021 के बीच कुल 54.5 करोड़ रुपये का फर्जी जीएसटी रिफंड प्राप्त किया।

चिकित्सक हत्या मामला : दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर दूसरे दिन भी हड़ताल पर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कोलकाता में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है, जिसके कारण यहां के सरकारी अस्पतालों में गैर-जरूरी सेवाएं बंद हैं। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में हुई घटना के विरोध में देशभर के सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए, जिससे ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) और गैर-आपातकालीन सर्जरी जैसी सेवाएं ठप हो गईं।

यह हड़ताल फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा) के आह्वान पर की गई है, जिसका कहना है, जब तक न्याय नहीं मिल जाता और हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हड़ताल समाप्त नहीं होगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक में कोई नतीजा नहीं निकलने के बाद एसोसिएशन ने सोमवार को अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को बढ़ाने की घोषणा की।

फोरडा के अध्यक्ष अविरल माथुर ने बैठक के बाद घोषणा की कि हड़ताल मंगलवार को भी जारी रहेगी।

माथुर ने कहा, सोमवार को एसोसिएशन के सदस्यों और चिकित्सकों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के दल से मुलाकात की। मांगों को लेकर कोई हल नहीं निकला, इसलिए हड़ताल एक और दिन जारी रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी।

आबकारी घोटाला: अरविंद केजरीवाल, के कविता, मनीष सिसोदिया व संजय सिंह कोर्ट में पेश

- 21 जून को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के मामले में केजरीवाल को नियमित जमानत दी थी जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगा रखी है।
- ईडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बीआरएस नेता के. कविता, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और सर्वेश मिश्रा राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। ये सभी आरोपित स्पेशल जज कावेरी बावेजा की कोर्ट में पेश हुए।

केजरीवाल और कविता जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सर्वेश मिश्रा को जमानत मिल चुकी है। 21 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट से गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने 21 मार्च को ही देर शाम केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 21 जून को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के मामले में केजरीवाल को नियमित जमानत दी थी जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगा रखी है। ईडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी। ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को उनके सरकारी आवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। ईडी ने इस मामले में सिसोदिया को 9 मार्च 2023 को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को 9 अगस्त को जमानत दी थी। उसके पहले 2 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट संजय सिंह को जमानत दे चुका है।

हिंदू कॉलेज ने मिरांडा हाउस का शीर्ष स्थान हासिल करने का सात साल का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज ने एनआईआरएफ रैंकिंग की कॉलेज श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल करने के मिरांडा हाउस के सात साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। दोनों कॉलेज के प्राचार्यों ने कहा कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है जो उन्हें खुद को बेहतर बनाने के लिए तत्पर रखती है।

सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा घोषित राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग के नौवें संस्करण में देश भर में शीर्ष 10 में डीयू के छह कॉलेज शामिल हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार डीयू ने पांच पायदान ऊपर छलांग लगा कर विश्वविद्यालय श्रेणी में छठा स्थान हासिल किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने छात्रों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिये बधाई देते हुये कहा कि यह टीमवर्क और कठिन मेहनत का परिणाम है। इस रैंकिंग में शीर्ष तीन स्थानों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज शामिल हैं, जिसमें हिंदू कालेज के अलावा मिरांडा हाउस दूसरे स्थान पर जबकि तीसरे स्थान पर सेंट स्टीफन कालेज है। डीयू के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज को पांचवां, किरोड़ीमल कॉलेज को नौवां, जबकि लेडी श्री राम कॉलेज फॉर विमेन को दसवां स्थान मिला है।

शीर्ष रैंक हासिल होने की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए हिंदू कॉलेज की प्राचार्य अंजू श्रीवास्तव ने बताया, एनआईआरएफ में हमारी रैंकिंग छात्रों के लिए बहुत उत्साहजनक है। यह इस बात का संकेत है कि हम छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किस दिशा में काम कर रहे हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम विश्वविद्यालय या राष्ट्र के अच्छे कॉलेज के रूप में किसी भी स्थिति में खड़े हों।

उत्तर पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा कॉलोनी में अवैध निर्माण हटाने के लिए नगर निगम का अभियान शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा डेयरी कॉलोनी में अतिक्रमण और अवैध निर्माण हटाने के लिए अभियान शुरू किया। मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। एमसीडी ने इलाके में 800 अवैध संरचनाओं की पहचान की है। पशुपालन के लिए आवंटित भूमि पर ये आवासीय और व्यावसायिक संरचनाएं खड़ी कर दी गईं। पिछले सप्ताह नगर निगम ने नोटिस जारी कर अतिक्रमण किए गए परिसर को खाली करने के लिए बकाएदारों को तीन दिन का समय दिया था। इसमें कहा गया था कि समयसीमा समाप्त होने के बाद सभी अतिक्रमण और अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और इन्हें हटाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

डीयू के एनसीवेब स्नातक की पहली कट ऑफ 22 अगस्त को

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट वुमेन्स एज्यूकेशन बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी - एनसीवेब) में सत्र 2024-25 के लिए स्नातक कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। स्नातक में प्रवेश 12वीं बोर्ड परीक्षा के मेरिट स्कोर के आधार पर होता है और यह केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) की छात्राओं के लिए है। एनसीवेब विभिन्न कॉलेज केंद्रों पर स्नातक के दो कोर्स प्रदान करता है। इसके अंतर्गत बी.ए. (प्रोग्राम) एवं बी. कॉम (प्रोग्राम) कोर्स संचालित होते हैं। इस सत्र की पहली कट ऑफ 22 अगस्त और पांचवी कट ऑफ 26 सितम्बर को घोषित की जाएगी। एनसीवेब की निदेशिका प्रो. गीता भट्ट ने मंगलवार को बताया कि हमारा उद्देश्य महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के अवसर प्रदान करना है, जिससे वे समाज में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि एनसीवेब द्वारा 26 स्नातक कॉलेज केन्द्रों एवं एक परास्नातक केन्द्र पर सप्ताहांत में कक्षाओं का संचालन किया जाता है। स्नातक के सभी 26 कॉलेज केन्द्रों पर कुल 15,210 सीटों पर छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। इनमें से प्रत्येक कॉलेज केन्द्र पर बीए एवं बीकॉम के लिए औसतन 550 सीटें आवंटित हैं।

निर्वाचित मंत्री को ध्वजारोहण करना चाहिए, इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कौन करेगा, इस पर उठे विवाद के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी.के सक्सेना पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी निर्वाचित मंत्री द्वारा ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने अपने ही मंत्री गोपाल राय के इस निर्देश का पालन करने से इनकार कर दिया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उपराज्यपाल को लिखे पत्र के अनुसार शिक्षा मंत्री आतिशी के ध्वजारोहण करने के लिए बंदोबस्त किया जाए।

हालांकि, उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा है कि न्यायिक हिरासत में जेल में बंद केजरीवाल से कोई पत्र नहीं मिला है। तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा है कि मुख्यमंत्री का लिखा पत्र उपराज्यपाल को इसलिए नहीं भेजा गया क्योंकि कारागार नियमों के अनुसार इसकी अनुमति नहीं थी। सिसोदिया ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस तरह की संकीर्ण राजनीति की जा रही है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अखबारों में पढ़ता हूं कि जब एक ठग सुकेश पत्र लिखता है तो तिहाड़ प्रशासन उसे उपराज्यपाल कार्यालय में पहुंचाता है। उपराज्यपाल भी इस पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के मुख्यमंत्री पत्र लिखते हैं तो उपराज्यपाल तिहाड़ के अधिकारियों को कहते हैं कि इसे उन्हें नहीं भेजा जाए।

उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल कार्यालय को कायदे से तो तिहाड़ जेल के महानिदेशक कार्यालय से कहना चाहिए कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का पत्र भेजा जाए। उन्होंने कहा, लेकिन उन्हें आजादी या देश से कोई लेनादेना नहीं है। सुकेश जैसे लोग उन्हें प्यारे हैं।

सिसोदिया ने कहा कि निर्वाचित सरकार या किसी मंत्री को ध्वजारोहण करना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई कठिनाई नजर नहीं आती। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन उपराज्यपाल और उनके बॉस से लोकतांत्रिक, संवैधानिक (मानदंडों) की उम्मीद करना बेमानी है। उनसे सिर्फ तानाशाही की उम्मीद की जाती है और हम वही करते हैं। दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री केजरीवाल को ध्वजारोहण करना है, लेकिन वह इस समय आबकारी नीति से जुड़े एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर निर्धारित समय से पहले शुरू होंगी दिल्ली मेट्रो की सेवाएं

नई दिल्ली। आम लोगों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने की सुविधा प्रदान करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) 15 अगस्त को अपनी सभी लाइन पर टर्मिनल स्टेशन से तड़के चार बजे ट्रेन परिचालन शुरू कर देगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर तड़के चार बजे से सुबह छह बजे तक डीएमआरसी की सभी लाइन पर ट्रेन सेवाएं 15 मिनट के अंतर पर उपलब्ध होंगी और उसके बाद की अवधि में नियमित समय सारिणी का पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी निमंत्रण कार्ड होगा, उन्हें स्टेशन पर वैध फोटो पहचान पत्र दिखाने पर प्रवेश और यात्रा की अनुमति दी जाएगी। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा, यह व्यवस्था केवल लाल किला, जामा मस्जिद और चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन पर निकास के लिए मान्य होगी, जो कार्यक्रम स्थल के सबसे नजदीक हैं। यह निमंत्रण कार्ड केवल इन्हीं तीन स्टेशन से वापसी की यात्रा के लिए भी मान्य होंगे।

भलस्वा डेयरी में 16 अगस्त तक तोड़फोड़ अभियान पर रोक रहेगी : एमसीडी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को अवगत कराया कि वह 16 अगस्त तक उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा डेयरी कॉलोनी में किसी भी अवैध ढांचे को नहीं गिराएगा। अदालत इससे संबंधित एक मामले में 16 अगस्त को ही सुनवाई करेगी।

डेयरी कॉलोनी के निवासियों की तरफ से पैरवी कर रहे एक वकील ने अदालत को बताया कि एमसीडी का बुलडोजर तोड़फोड़ की कार्रवाई करने के लिए भारी पुलिस बल के साथ इलाके में पहुंच गया है जिस पर नगर निगम के अधिवक्ता ने एमसीडी का पक्ष करते हुए कहा कि कार्रवाई को 16 अगस्त तक रोक दिया गया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष यह मामला उठाया गया।

एमसीडी के वकील के मौखिक बयान पर गौर करते हुए अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर 16 अगस्त को सुनवाई करेगी। अदालत 16 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में डेयरियों की स्थिति के बारे में एक याचिका पर भी सुनवाई करने वाली है।

अदालत ने जुलाई में अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि राष्ट्रीय राजधानी में सभी डेयरी कॉलोनियों में अनधिकृत निर्माण को हटाया जाए और नगर निगम को चार सप्ताह के भीतर भलस्वा की डेयरियों को घोघा डेयरी कॉलोनी में स्थानांतरित करने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा था।

मंगलवार को अदालत को बताया गया कि एमसीडी ने सोमवार शाम को तोड़फोड़ की कार्रवाई का आदेश पारित किया था और मंगलवार सुबह बुलडोजर के साथ-साथ पुलिस बल भी इलाके में पहुंच गया।

क्षेत्र के निवासियों की तरफ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने दावा किया कि सोमवार को चार मौतें हो गईं तो अदालत ने इस दलील पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। पीठ ने कहा, आपने कहा कि चार मौतें हुई हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि ये मौतें एमसीडी की कार्रवाई की वजह से हुई हैं। जबकि, कोई मौत नहीं हुई है। यह सब अदालत को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। अदालत ने अधिवक्ता को इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी और कहा कि इसमें भावनाएं को न लाएं और आपको शहर के प्रति संवेदना रखनी चाहिए।

वकील ने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं तथा उन्होंने केवल वही प्रस्तुत किया है जो उन्हें बताया गया था।

एमसीडी ने क्षेत्र में 800 अवैध ढांचों की पहचान की है और 400 से अधिक डेयरियों को दिल्ली के बाहरी इलाके में घोघा डेयरी में स्थानांतरित करने की योजना बनाई है।

पिछले सप्ताह नगर निगम ने नोटिस जारी कर अतिक्रमण किए गए परिसर को खाली करने के लिए चूककताओं को तीन दिन का समय दिया था।

इसमें कहा गया था कि समयसीमा समाप्त होने के बाद सभी अतिक्रमण और अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और इन्हें हटाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

एक अधिकारी के अनुसार, हालांकि एमसीडी ने अब तक केवल 100 निवासियों को ही नोटिस दिया है।

एमसीडी के भूमि उपयोग नियमों के अनुसार, डेयरी भूखंड का उपयोग केवल मवेशियों के लिए शेड बनाने के लिए किया जा सकता है और इसे आवासीय इकाई में परिवर्तित नहीं किया जा सकता।

दिल्ली में एक नए वायसराय आ गए हैं, चुनी हुई सरकार का हक छीना जा रहा है, आतिशी के निशाने पर कौन?

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में झंडा फहराने के विवाद पर केजरीवाल सरकार की मंत्री आतिशी का कहना है कि ऐसा लग रहा है कि नए वायसराय आ गए हैं। लेकिन, हमें यूनियन जैक का झंडा नहीं फहराना है, हमें भारत का झंडा फहराना है। 15 अगस्त को हमें स्वतंत्र भारत का तिरंगा फहराना है। आतिशी ने कहा कि हम स्वतंत्रता दिवस के दिन तिरंगा झंडा क्यों फहराते हैं? इसके पीछे की वजह है कि उस दिन सभी भारतीय खुद को आजाद समझते हैं। 15 अगस्त 1947 से पहले भारत में अंग्रेजों का राज होता था। अंग्रेज उस समय एक वायसराय भेजते थे, जो अपनी मनमर्जी से सरकार चलाता था। भारत के लोगों का उस सरकार में कोई अधिकार नहीं होता था। इसलिए, हम 15 अगस्त को झंडा आजादी के लिए फहराते हैं।

झंडा फहराने के अधिकार को छीना जा रहा

उन्होंने कहा कि आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार को छीना जा रहा है। आज दिल्ली में एक नए वायसराय आ गए हैं और वह कह रहे हैं कि झंडा वह फहराएंगे। दिल्ली में झंडा फहराने का हक यहां के रहने वालों का है। यहां के रहने वालों की चुनी सरकार का है। अगर ऐसा नहीं होता तो इससे बड़ी तानाशाही कोई और नहीं हो सकती है। हम देखेंगे कि भाजपा लोकतंत्र के साथ खड़ी है या तानाशाही के साथ। आतिशी ने आरोप लगाया है कि जिस तिहाड़ जेल से सुकेश चंद्रशेखर जैसे महाठग का हर लेटर एलजी तक पहुंचता है और उस पर सीबीआई जांच तक हो जाती है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री का पत्र नहीं पहुंचता है और कहा जाता है कि केवल पर्सनल लेटर लिखने की परमिशन है। सत्यमेव जयते का डीपी कैंपेन इसके पहले आम आदमी पार्टी ने सत्यमेव जयते का एक डीपी कैंपेन शुरू किया। इसे आम आदमी पार्टी का हर नेता, हर कार्यकर्ता और आम आदमी पार्टी से जुड़ा हर व्यक्ति अपने स्टेटस पर, अपने फेसबुक पर, अपने व्हाट्सएप पर लगाएगा। इस डीपी में एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दूसरी तरफ पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की फोटो लगी हुई है और सत्यमेव जयतेह्न लिखा है। आतिशी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आम आदमी पार्टी (आप) और दिल्ली सरकार को परेशान करने की कोई कसर नहीं छोड़ी है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर झूठे केस लगाए गए। रेड पर रेड की गई, लेकिन, एक रुपए का भ्रष्टाचार नहीं मिला। फिर भी आम आदमी पार्टी के सभी सीनियर नेताओं को जेल में डाल दिया गया। पार्टी न टूटी, न दबी

उन्होंने कहा है कि मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री तक को गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसी गिरफ्तारियां हमें स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। उस समय भी जो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते थे। उनके ऊपर झूठे मुकदमे लगाकर उन्हें जेल में डाल दिया जाता था। जवाहरलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, महात्मा गांधी सभी जेल में रहे हैं। भाजपा ने सोचा था कि अपनी तानाशाही के चलते हम इन्हें तोड़ देंगे और दबा देंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ, पार्टी न टूटी, न दबी।

संक्षिप्त खबरें

बाइक की हुई चोरी पीड़ित ने थाना में दिया आवेदन

जमुई [झाझा] एक युवक की बाइक चोरी हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर पीड़ित ने झाझा थाना में आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी देते हुए बाइक की बरामदगी की गुहार लगाई है।दिए गए आवेदन में थाना क्षेत्र के लहरनियाटॉड गांव निवासी अजय कुमार ने बताया कि अपने घर से झाझा कुछ जरूरी काम से गए थे जरूरी कार्य कार्य जब रात आठ बजे घर लौट रहे थे तभी तेज हवा के साथ बारिश होने लगी इसी बीच मैं अपना बाइक बोड़वा स्टैंड (खलासी मोहल्ला) में लगाया और पास में बने सेड में बैठकर बारिश छूटने का इंतजार करने लगा तभी मुझे अचानक नींद आ गई और मैं वहीं पर सो गया जब हमारी नींद कुछ देर बाद खुली तो मेरा बाइक गायब मिला और मेरे पैकेट में चाबी भी नहीं था उन्होंने बताया कि नींद के दौरान मेरे पैकेट से अज्ञात व्यक्ति चाभी ले लिए और मेरा बाइक लेकर फरार हो गया। इधर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

एबीवीपी ने निकाला आक्रोश मार्च प्रशासन ने रोक कर किया गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ अत्याचार के खिलाफ में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झाझा के तत्वावधान में मुख्य बाजार झाझा के सभी हिंदू व्यापारियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद कर स्थानीय वैष्णवी दुर्गा मंदिर चौक झाझा पहुंचकर अपना रोष प्रकट किया। ज्ञात हो कि बांग्लादेश में बीते सप्ताह प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ था। इसके बाद शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा था। वहां तख्ता पलट हो गया है लेकिन हिंदुओं पर लगातार अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं मंदिरों को आंदोलनकारियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार अगस्त से शुरू हुए हिंसक आंदोलन में हिंदुओं पर लगातार हमले हुए हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा निकल जा रही विशाल आक्रोश मार्च को पुलिस प्रशासन झाझा के द्वारा जबरन रोक दिया गया तथा नोक झोंक के दौरान प्रशासन ने एबीवीपी नेता सूरज बरनवाल, दयाशंकर प्रसाद, हिंदू शेरनी खुशबू पांडे, एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रूपेश भारती,नगर मंत्री हरिनंदन प्रजापति, प्रभुचरण बरनवाल, बीजेपी नगर महामंत्री संजीव बंका, बि०खु०वि० संघ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, विकास कुमार गुप्ता, शशिकांत कुमार को गिरफ्तार कर थाना ले आई और लगभग एक घंटे के बाद कागजी प्रक्रिया पूरी कर छोड़ दी, तबतक आक्रोश मार्च में उपस्थित तमाम हिंदुओं ने थाना गेट पर धरना पर बैठ गए एवं पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी प्रारंभ कर दी। छात्रनेता सूरज बरनवाल, खुशबू पांडे, गौतम , दयाशंकर प्रसाद, संजय साव आदि वक्ताओं ने कहा कि हम सभी वसुदेव कुटुंबकम तथा सर्वे भवंतु सुखिनः की भाव के साथ चलने वाले लोग हैं परंतु प्रशासन के द्वारा इस प्रकार के रवैए की कड़ी शब्दों में भर्त्सना करता हूं।बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के साथ अत्याचार बेहद शर्मनाक है। आज हमें बांग्लादेश से सबक लेनी चाहिए।वह दिन दूर नहीं जब जिहादी मानसिकता के लोग भारत को भी अपने आगोश में समा लेंगे, उस समय अपना आबरू बचाने के लिए हिंदू दर दर की ठोकरें खाने पर मजबूर हो जाएंगे। समस्त हिंदू समाज से आह्वान करते हैं कि बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए सड़क पर आए और अपने हिंदू समाज की आवाज को बुलंद करें।बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं की हत्याएं हो रही हैं, मंदिर तोड़े जा रहे हैं यह घटनाएं काफी चिंता बढ़ा रही है।हम सभी ऐसे कुकृत्य की कड़ी शब्दों में भर्त्सना करते हैं।

भारत सरकार को इस तरफ प्रबल हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि हिंदुओं की सुरक्षा की जा सके। वक्ताओं ने आगे कहा कि आज प्रशासन ने रोक दिया परंतु आगे हमलोग और भी जोश - खरोस से एकजुट होकर इस आक्रोश मार्च को भव्य तरीके से निकालेंगे। मौके पर मंटू गुप्ता, पिंकू बरनवाल, रोहित कश्यप, बिट्टू चौरसिया, अखिलेश्वर प्रसाद, सुमन आर्य, सीताराम आर्य, जीवन प्रकाश माथुरी, सीताराम आर्य, अमन कुमार, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार, श्रवण बरनवाल, अनूप केशरी, पिंटू बरनवाल, अशोक कुमार, प्रिंस राज, पुरुषोत्तम कुमार, बजरंगी साव, अभय प्रकाश, विकास कुमार, शनिदेव कुमार सहित हजारों की संख्या में सनातनी उपस्थित थे।

हार्डवेयर की दुकान में आग लगने से करीब छः लाख की संपत्ति जलकर हुआ राख

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) जोराबरगंज रामटहल चौक पर हार्डवेयर की दुकान में सोमवार की रात करीब एक बजे आग लगने से करीब छः लाख का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित दुकानदार ने कुमारखंड थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि अररिया जिले के भरगामा थाना क्षेत्र के बिसरिया वार्ड 3 निवासी पीड़ित दुकानदार संजय कुमार मेहता रामटहल चौक पर हार्डवेयर की दुकान करते हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि 10 दिन पूर्व बिसरिया वार्ड तीन निवासी अनिल मेहता मेरे दुकान पर आए और पंप तोड़ दिया। सामान तोड़ने की बात कहे तो अनिल मेहता गाली गलौज करते हुए मारपीट कर धमकी दिया कि 10 दिनों के अंदर तुम्हारे दुकान में आग लगा देंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है अनिल मेहता मेरे दुकान में आग लगा है। जिससे दुकान में रखें हवा मशीन, स्प्रे मशीन, बिजली का समान , साइकिल का सामान समेत अन्य सामान करीब 6 लाख का जलकर राख हो गया। स्थानीय ग्रामीण ने चापाकल और दमकल के सहयोग से आग पर काबू पाया। पीड़ित दुकानदार कुमारखंड थाना पहुंचकर उक्त व्यक्ति के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग किया है।

उपविकास आयुक्त के साथ जीविका की समीक्षात्मक बैठक, दिए महत्वपूर्ण सुझाव

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिला समाहरणालय में अवस्थित विकास भवन में मंगलवार को उप विकास आयुक्त सुमित कुमार के द्वारा जीविका की समीक्षा की गईंवहीं अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में उप विकास आयुक्त ने जमुई जिले में जीविका के द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की और महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में जीविका डीपीएम संजय कुमार, प्रबंधक सामाजिक विकास रविन्द्र कुमार, प्रबंधक मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अनुरोध कुमार सिन्हा एवं दसों प्रखंड के प्रखंड परियोजना प्रबंधक शामिल हुऐ बैठक में जीविका डीपीएम के द्वारा जीविका जमुई अंतर्गत जिले में किये जा रहे कार्यों को विशेष रूप से रखा गया। जिसमें स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक विकास, लाइवलीहुड, कृषि, गैर कृषि अंतर्गत दीदी की रसोई, जीविका लाइब्रेरी की चर्चा की गईं ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में जीविका द्वारा की जा रही गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया गयो साथ ही विशेष रूप से मनरेगा अंतर्गत बकरी शेड, सभी प्रखंडों में जीविका भवन, एसजीएसवाई भवन जीविका को हस्तान्तरित करने की स्थिति को दशार्या गयो बैठक में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार के द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गयो इसके साथ ही बैठक में दसों प्रखंड के बीपीएम से अपने कार्यों को ससमय पूरा का निर्देश दिया गयो इस अवसर पर जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक संजय कुमार, प्रबंधक सामाजिक विकास रविन्द्र कुमार, प्रबंधक अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अनुरोध कुमार सिंहा, बीपीएम जमुई सदर स्वीटी कुमारी, बीपीएम बरहट धर्मेन्द्र कुमार चौधरी, बीपीएम लक्ष्मीपुर मुकेश कुमार, बीपीएम गिद्धौर रणधीर कुमार सिंह, बीपीएम झाझा सुजीत कुमार, बीपीएम सोनो अजय कुमार, बीपीएम चकाई आशीष कुमार सिंह, बीपीएम खैरा निरुपम घोष, बीपीएम सिकन्दरा धर्मेन्द्र कुमार एवं बीपीएम ई० अलीगंज मृत्युंजय कुमार शामिल हुए ।

अनाज के लिए गोदाम में 50 प्रतिशत अनुदान

प्रात: किरण, संवाददाता

- 100 व 200 मीट्रिक टन के गोदाम बनेंगे,फसल भंडारण में होगी सहूलिया
- अनुदानित दर पर गोदाम निर्माण के लिए 31 तक करें आवेदन

गिद्धौर। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पाद भंडारण की सुविधा के लिए गोदाम निर्माण की योजना बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत गत 1 अगस्त से ही आरंभ हो चुकी है। इस योजना के तहत सुबे के 100 मीट्रिक टन के 108 और 200 मीट्रिक टन के 46 गोदाम का निर्माण कराया जाना है।जिले का अलग से कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।राज्य स्तर पर ही लॉटरी के माध्यम से जिले के किसानों का चयन कर लिया जाएगा। पिछले दो सालों से यह योजना संचालित नहीं की जा रही थी। गोदाम निर्माण को लेकर इंतजार कर रहे किसान योजना के संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर काफी उत्साहित है। कृषि उत्पादन भंडारण के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत यह योजना चलाई जा रही है।इससे किसानों को अनाज भंडारण के साथ-साथ अच्छी आमदनी भी होगी।किसानों का कहना है कि योजना के लिए जिला बार लक्ष्य का निर्धारण होना चाहिए। अनुदानित दर का लाभ चयनित किसानों को दिया जाएगा।100 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का अनुमानित लागत 14.20 लाख रुपए है। अनुदान पर सामान्य जाति के लिए 5.50 लाख रुपये प्रति इकाई या लागत का 40 प्रतिशत, जो भी कम हो वह लागू होगा। इसी तरह 200 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का अनुमानित लागत 20.25 लाख रुपए है।सामान्य जाति को 8 लाख रुपए का अनुदान या फिर लागत का 40 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को लागत का 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

देशभक्ति गीतों की धुन पर 215 बटालियन सीआरपीएफ ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा के प्रति जागरूक करने और देश भक्ति की भावना जगाने का दिया संदेश

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/बरहट। मंगलवार को कमाण्डेन्ट विनोद कुमार मोहरिल के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में ह्रहर घर तिरंगाह्व कार्यकम के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें 215 बटा० सी.आर.पी. एफ. के अधिकारियों एवं जवानों के साथ-साथ किरण हार्ट ऐकेडमी स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। तिरंगा यात्रा मलयपुर, जमुई स्टेशन चौक, हनुमान मंदिर होते हुये किरण हार्ट एकेडमी स्कुल से पुलिस लाईन मलयपुर तक निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से 215 बटा0 के द्वारा स्थानीय लोगों एवं आम जनता को जागरूक किया गया ताकि लोग अपने घरों के छतों पर तिरंगा झण्डा लगाकर देश की आजादी का पर्व मनायें। 215 बटा० के.रि.पु.बल के अधिकारियों एवं जवानों के साथ-साथ किरण हर्ट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर लोगों को देशभक्ति का संदेश दिया। विनोद कुमार मोहरिल, कमाण्डेन्ट 215 बटा० ने बताया कि इस अभियान का उदेश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने घरों में तिरंगा झण्डा फहराने के लिए जागरूक करना है, जिससे लोगों में देशभक्ति का जज्बा पैदा हो सके एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और भी ज्यादा बढ़ सके। तिरंगे को देखकर आम लोगों में भी देशभक्ति की भावना जागेगी। भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर में तिरंगा झण्डा लगाकर कार्यकम को सफल बनाने का लक्ष्य रखा गया है जिससे देश की आजादी की 78वीं वर्षगांठ को अधिक सार्थक बनाया जा सके । इस कार्यकम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रवीन कुमार सुमन , द्वितीय कमान अधिकारी मनोज कुमार, उप-कमाण्डेंट रमेश कुमार, सहायक कमाण्डेंट संजीत कुमार पाण्डेय एवं 215वीं वाहिनी के अधिनस्थ अधिकारियों व जवानों के साथ साथ किरण हार्ट अकादमी के प्राचार्य नवनील कुमार तथा छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक व शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

फेस एटेंडेंस और अन्य मांगों को लेकर एएनएम का 35 वां दिन भी रहा हड़ताल जारी

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) सीएचसी में संविदा पर बहाल हुए दर्जनों एएनएम ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 35वां दिन भी हड़ताल जारी रखा। उनलोगों ने पूर्व में ही अपनी मांगों को लेकर एक मांग पत्र सीएचसी प्रभारी डॉ. वरुण कुमार को सौंपा हैं। धरना प्रदर्शन कर रही एएनएम ने कहा कि उनलोगों की मांग है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत काम करने वाली एएनएम को फेस एटेंडेंट बनाने का निर्देश दिया गया है जिसमें नियमित एएनएम को शामिल नहीं किया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि नियम भेदभाव पूर्ण है और इसका वे सभी विरोध करती है। उनलोगों ने कहा कि इसके अलावा वे सभी सरकार से मांग करती है कि समान काम के समान वेतन दें, समय पर वेतन दिया जाए , आनलाइन करने के लिए अलग से मिलने वाले रूपया नहीं दिए जा रहे हैं दिलवाई जाए। गृह जिला में पद स्थापित किया जाय। गुणवत्ता वाले मोबाइल दिए जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। अनलोगों ने कहा सरकार हमलोगो के साथ सौतला व्यवहार करते है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगा। मौके पर गुंजन कुमारी, प्रियंका कुमारी, नीलम कुमारी, नीतू कुमारी, अर्चना कुमारी, स्नेहलता कुमारी, सरिता कुमारी, खुशबू कुमारी, रीया कुमारी, सोनिका कुमारी समेत अन्य एएनएम मौजूद थे।

बैलों के गले में लगी घुंघरू की आवाज अब खेतों से हो गई है गायब

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर।जिले में पिछले एक माह से मानसून सक्रिय है। बारिश की बूंदे प्रतिदिन किसानों के खेतों में पड़ रही है। किसान सुबह से लेकर शाम तक धान रोपनी की तैयारी में जोर-शोर से लगे हुए हैं। इस कृषि प्रधान देश में पुरानी परंपरा मुख्य जरूर रहा पशुधन था, किंतु वर्तमान समय में यह विलुप्त हो गई है। अब किसानों के खेतों में बैल के गले में टंगी घंटी की आवाज सुनाई नहीं देती है। पुरानी परंपरा में किसान हल बैल से ही खेती का कार्य करते थे। किसान जब खेत में हल और बैल लेकर जाते थे तो बैलों के गले में टंगी घंटी से टुनटुन की आवाज आती थी,जो घंटी और उसकी मधुर आवाज किसानों को दिल को सुकून देती थी, लेकिन आज के मशीनरी युग में बैल का कार्य समाप्त हो गया है।लोग ट्रैक्टर से कार्य करते हैं।जिस कारण और दूर-दूर तक के गांव में हर बैल मिलना भी मुश्किल हो गया है। पुरानी परंपराओं में किसान अपने खेत को हल बैल से कादो-कीचड़ कर धान रोपाई के लिए पूरी तरह से तैयार करने के बाद धान रोपनी को आसपास के गांव से बुलाते थे। पश्चात भूमि पूजन,कुल देवता के साथ इंद्र भगवान की पूजा अर्चना कर धन रोपनी का कार्य शुरू करते थे। इस दौरान धान रोपनी वाली रोपण हर महिलाओं के द्वारा कजरी लोकगीत गाई जाती थी,लेकिन वर्तमान समय में गीत गायन के भी परंपरा से दूर हो गई है। मंगलवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत रतनपुर पंचायत के रतनपुर गांव के बहियार में धान रोपनी कर रहे महिला रूपा देवी,अनिता देवी,सरिता देवी,लाली देवी,मंजू देवी ने बताया कि पुरानी परंपरा की बात ही कुछ और थी। रोपनी शुरू करने से पहले और उसे खोइच्छा मिलता था। चावल,तेल और विवाहित के मांग में सिंदूर दिया जाता था। यही चावल कृषि मजदूर रोपनी से पहले खेतों में छिड़कते थे।ईश्वर से यह अपेक्षा करते हैं कि फसल लहलहाए। मजदूर और किसान खुश रहे। वहीं महिलाओं के द्वारा कजरी गीत गई जाती थी। गीत से सारे थकान दूर हो जाता था और कजरी गीतों से में नई ऊर्जा भर जाती थी। हालांकि रोपण हारों ने बताया कि पुरानी परंपराओं को विलुप्त होने के बाद अब मजदूरी में काफी बढ़ोतरी हुई है। पहले दिन भर खेतों में धान रोपने पर आधा किलो चावल या सतुआ किसानों के द्वारा दिया जाता था।अब एक समय का खाने के साथ 250 से 350 रुपये मजदूरी में मिल जाता है।

टीकाकरण कार्य को लेकर आशाकर्मी, फैसिलिटेटर को दिया गया एकदिवसीय प्रशिक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] क्षेत्र में टीकाकरण के लिए मिले लक्ष्य की पूर्ति करने को लेकर मंगलवार को रेफरल अस्पताल के सभागार में क्षेत्र में कार्यरत आशा फैसिलिलेटर और आशाकर्मी के बीच एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अस्पताल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरूण कुमार सिंह, बीसीएम पंकज कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाषचंद्र ने क्षेत्र में आशा को दिए गए लक्ष्य में गाभी के तहत कार्य कैसे करना है। लोगों को टीकाकरण के लिए कैसे प्रेरित करना है इनसभी चीजों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। बीसीएम ने बताया कि क्षेत्र में तीन माह में 95 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य मिला है। लक्ष्य के अनुसार आशाकर्मी, फैसिलिटेटर अपना हर दिन का कार्य पूरा करने के बाद उसकी सूची बनायेगी। दिए गए लक्ष्य अनुसार आशाकर्मी, फैसिलिटेटर पूरी ईमानदारी पूर्वक कार्य करेगी अगर कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो विभाग वैसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करेगी।

कैराकादो में जलजमाव को लेकर अंचलाधिकारी व बीडीओ ने किया स्थल निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर।प्रखंड अन्तर्गत रतनपुर पंचायत के कैराकादो गांव के वार्ड नंबर 11 में शिव सागर धाम मंदिर के समीप गली में जलजमाव को लेकर ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने के उपरांत अंचलाधिकारी आरती भूषण व प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार द्वारा स्थलीये निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अतिक्रमण किए हुए जमीन को हटाने का निर्देश दिया।अतिक्रमण किए हुए जमीन से नहीं हटाने पर कड़े कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। बता दे कि बिहार सरकार के मंत्री रत्न श सदा व जमुई जिला के प्रभारी मंत्री कैराकादो गांव के महादलित टोला में बुधवार को एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। ऐसे में स्थानीय प्रशासन एक्टिव मूड में नजर आए। इस दौरान अंचलाधिकारी आरती भूषण ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान कही कि वार्ड नंबर 11 में सरकारी राशि से सामुहिक सोख्ता बनाया गया,लेकिन कुछ ग्रामीणों ने उसे मिट्टी से भर दिया।जिसकी शिकायत हमें मिली है। अतिक्रमण कियें ग्रामीणों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आप सरकारी जमीन को कब्जा नहीं करें।और इसे अतिक्रमण मुक्त कर दें नहीं तो आपके ऊपर कानूनी कार्रवाई होगी। इस दौरान रतनपुर पंचायत के मुखिया भोला यादव,राजस्व कर्मचारी अरमान,पंचायत सचिव, नीरज कुमार,रविंदर यादव,निरंजन मंडल,अरविंद मंडल,राहुल कुमार सहित दर्जनों दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

जन सुराज के संस्थापक का दो दिवसीय यात्रा जमुई में

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई. जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर दो दिनों के लिए जमुई जिले के दौरे पर हैं, जहां वह अपने समर्थकों के साथ अगले बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति बना रहे हैं. इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रशांत किशोर ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जन सुराज की बढ़ती मजबूती से आरजेडी परेशान है. फखऊके नेता कहा करते थे कौन है प्रशांत किशोर, वह तो बिजनेसमैन है. अब आरजेडी में नेताओं और कार्यकताओं की भगदड़ मची हुई है. आरजेडी के नेतृत्व पत्र निकाल कर कार्यकताओं से आग्रह कर रहे हैं कि वे दल छोड़कर ना भागें. तेजस्वी यादव के नाम पर वहां कोई टिकने वाला नहीं है. इस दौरान पीके ने यह भी कहा कि जन सुराज बिहार की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। भाजपा की बी टीम के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि बी टीम मान रहे हैं न वोह्व थोड़े दिन में पता चल जाएगा कि कौन अ टीम है और कौन इ टीम. इस दौरान प्रशांत किशोर ने जदयू और नीतीश कुमार पर भी हमला बोला. प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि अगले विधानसभा चुनाव में जदयू अकेले लड़े चाहे एनडीए के साथ या महागठबंधन के साथ लड़े उसे परिणाम में मात्र बीस सीट ही आएगी. प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि वो खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। नीतीश कुमार पर पीके का तंज! जन सुराज के संस्थापक ने कहा कि नीतीश कुमार सबको ठगे हैं, उन्होंने कई बार फोन किया कि वो फिर से साथ हो जाएं, लेकिन सियार फिर तरकुल के नीचे नहीं आने वाला. प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि अगर वह 2015 में नीतीश कुमार को कंधा नहीं दिए होते तो न नेता रहते न दल रहता और न विचारधारा रहता. अगर उस समय वो साथ नहीं दिया होता तो भाजपा ने जदयू को रौंद कर खत्म कर दिया होता. कुर्सी पर बने रहने के लिए जदयू के नेता और दल के लोग कुछ भी करने को तैयार हैं। मैं कोई चाणक्य नहीं-प्रशांत किशोर बिहार में अरविंद केजरीवाल का उदाहरण बनने पर प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारी तुलना केजरीवाल से संपर्क केजरीवाल में कौन सा अभियान चलाया गांव-गांव में जाकर. प्रशांत किशोर ने खुद को चाणक्य होने से इनकार करते हुए कहा कि दो-चार-पांच चुनाव जीता देने से कोई चाणक्य नहीं बन जाता, चाणक्य तो सदियों में कोई एक विद्वान पैदा हुए हैं, जिनका कोई सानी नहीं है. बिहार सुधारने के लिए वह गांव-गांव घूम रहे हैं, लोगों को समझा रहे हैं, ताकि लोग चुनाव लड़ने के लिए सामने आएं, जिसके लिए जन सुराज हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। पीके ने पुराना काम इसलिए छोड़ा पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुए अत्याचार की घटना को निंदनीय बताते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जिन दलों को उन्होंने साथ दिया. 10 बर्षो में जिसकी भी सरकार बनवाया वो दावा नहीं करते कि वो अच्छी सरकार चला रहे हैं।

साईकल से गिरकर बुजुर्ग व्यक्ति हुआ घायल, इलाजरत

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] थाना क्षेत्र के खलासी मोहल्ला के समीप साईकल से गिरकर एक बुजुर्ग व्यक्ति गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगो की मदद से इलाज के लिए झाझा स्तिथ रेफरल अस्पताल लाया। घायल की पहचान ककनिया तरी गांव निवासी ननकू ठाकुर (65) के रूप में हुई है। घायल ननकू ठाकुर ने बताया की वह साईकल पर सवार होकर झाझा बाजार जरूरी कार्य को लेकर जा रहे थे की तभी खलासी मोहल्ला के समीप सड़क पर साईकल गड्ढे में फस गया जिसे वह गिर पड़ा।अस्पताल में इलाजरत बुजुर्ग व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है ।

50 हजार का इनामी कुख्यात अपराधी संदीप कुमार को हथियार कारतूस और मादक पदार्थ के साथ किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा 50 हजार का इनामी अपराधी संदीप कुमार उर्फ पहलवान हथियार और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। दरअसल मधेपुरा पुलिस ने 50 हजार के इनामी अपराधी कबियाही निवासी संदीप कुमार उर्फ पहलवान को देशी कट्टा और पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि शंकरपुर थाना क्षेत्र के मौरा रामनगर उप स्वास्थ्य केंद्र के समीप गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में मधेपुरा एसपी संदीप सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शंकरपुर थाना क्षेत्र के कबियाही वार्ड संख्या 11 निवासी उपेंद्र यादव का पुत्र 50 हजार रुपए का इनामी अपराधी संदीप कुमार उर्फ पहलवान हथियार से लैस होकर अपने घर के तरफ जा रहा है। कुछ देर बाद वह बाइक से मौजहा टोला की ओर जाएगा। शंकरपुर थाने की पुलिस उक्त स्थल पर पहुंची तो कबियाही की तरफ से कुख्यात अपराधी संदीप कुमार बाइक से आ रहा था। पुलिस बल को देखकर वह कई राउंड फायरिंग करते हुए तेजी से गाड़ी भगाने के क्रम में मौरा रामनगर उप स्वास्थ्य केंद्र के पास बाइक से गिर गया और जख्मी हालत में पुलिस ने उसे धर दबोच लिया। वहीं तलाशी लेने दौरान एक कट्टा, एक पिस्टल, चार जिंदा गोली, दो खोखा और 984 ग्राम मादक पदार्थ गांजा भी बरामद किया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी संदीप कुमार के विरुद्ध मधेपुरा के विभिन्न थानों में हत्या, लूट,रंगदारी जैसे 11 संगीन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार अपराधी के विरुद्ध अन्य जगहों से भी अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। वहीं छापेमारी टीम में शंकरपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार, दारोगा अभय कुमार सिंह,उत्तम कुमार मंडल, सिपाही तनवीर आलम, अरुण कुमार, कृष्णा कुमार, अमित कुमार, हरेराम कुमार, कलीम आदि शामिल थे।

सम्पादकीय

निराशाजनक ओलंपिक के बाद

पेरिस ओलंपिक, 2024 में भारत का सफर समाप्त हुआ। कुछ उपलब्धियां रहीं, कुछ पहली बार के रिकॉर्ड बने, हॉकी ने तो कमाल कर दिया, लेकिन कुल मिला कर सफर निराशाजनक रहा। एक बार फिर भारत शीर्ष 70 देशों की सूची में नहीं है। भारत एक रजत पदक और 5 कांस्य पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा, जबकि टोक्यो ओलंपिक में हमारा स्थान 48वां था। 1996 के अटलांटा और 2000 के सिडनी ओलंपिक खेलों में भी भारत मात्र 1-1 कांस्य पदक के साथ 71वें स्थान पर था। यह 1992 के बाद पहला मौका है, जब भारत पाकिस्तान (62वां स्थान) से पीछे रहा है। उस साल भारत खाली झोली लौटा था, जबकि पाकिस्तान एक कांस्य पदक हासिल करने में कामयाब रहा था। विश्व जनसंख्या में भारत की 18 फीसदी हिस्सेदारी है, लेकिन ओलंपिक पदक की उपलब्धि मात्र 0.5 फीसदी है।

अर्थात इतनी-सी आबादी ही ओलंपिक पदक जीतने लायक है। यह आंकड़ा निराशाजनक ही नहीं, राष्ट्रीय अपमान भी है। ओलंपिक पदक का सीधा संबंध आबादी से नहीं है, क्योंकि एक लाख जनसंख्या वाले देश ने भी स्वर्ण पदक जीता है और 144 करोड़ की सर्वाधिक आबादी वाले भारत को एक-एक पदक के लिए तरसना पड़ता है। पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन 16 खेलों में ही अपना हुनर दिखा पाए। उसमें भी मुट्ठी भर सूरमाओं को छोड़ कर शेष फिसड्डी ही साबित हुए। चूंकि उन खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, लिहाजा हम उनकी प्रशंसा में तालियां बजाएं, हम ऐसा नहीं कर सकते। इन खिलाड़ियों पर सरकारी कोष से 470 करोड़ रुपए खर्च किए गए। यह करदाता का ही पैसा था। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिलाया गया, विदेशी कोच रखे गए, विदेश में खेलने के अवसर दिए गए और देश में सभी सुविधाएं मुहैया कराई गईं। इतना सब कुछ महज प्रतिनिधित्व के लिए नहीं किया गया। दिक्कत यह है कि हमारे अधिकतर खिलाड़ी चैम्पियन की मानसिकता से ही नहीं खेले, लिहाजा 6 मुकाबलों में 8 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे।

न जाने उन्हें चौथे स्थान से इतना लगाव क्यों हो गया है? इस जमात में मीराबाई चानू (भारोत्तोलन), लक्ष्य सेन (बैडमिंटन), अर्जुन बाबुता (शूटिंग), मनु भाकर (शूटिंग), धीरज बोम्मदेवरा-अंकिता भक्त (तीरंदाजी), माहेश्वरी चौहान-अनंतजीत सिंह (स्कीट मिश्रित) आदि खिलाड़ी ऐसे ही हैं, जो जीत की दहलीज से वापस मुड़े हैं। लक्ष्य ने कांस्य पदक मुकाबले में पहला सेट जीत लिया था, लेकिन उसके बाद उन्होंने खेल में आत्मसमर्पण ही कर दिया। मीराबाई मात्र एक किलोग्राम से पिछड़ गईं, जबकि वह टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता रही हैं। स्कीट जोड़ी भी चीन से मात्र एक अंक पिछड़ गई। मनु भाकर ने तो 10 मीटर पिस्टल में दो कांस्य पदक जीत कर इतिहास रचा है। वह 25 मीटर पिस्टल में, आखिरी पलों में, निशाना चूक गईं। यह कुछ हद तक क्षम्य है। बैडमिंटन में तो भारत को खाली हाथ लौटना पड़ा है। सात्विक-चिराग की विश्व विख्यात जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में ही घुटने टेक दिए। उनसे स्वर्ण पदक की अपेक्षाएं की जा रही थीं।

भारत के खिलाड़ियों ने औसतन 29 करोड़ लोगों पर एक ओलंपिक पदक जीता है और वह भी स्वर्ण पदक नहीं, लिहाजा पेरिस ओलंपिक के दौरान एक बार भी भारत के राष्ट्रगान की धुन नहीं बजी। सिर्फ स्वर्ण पदक जीतने पर ही राष्ट्रगान की धुन बजाई जाती है। बहरहाल अब ओलंपिक खेलों का पटाक्षेप हो चुका है, लिहाजा भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल मंत्रालय और अन्य हितधारकों को व्यापक विमर्श करना चाहिए कि लगातार प्रयासों के बावजूद भारत खेलों में पिछड़ा क्यों है? यह सरोकार प्रख्यात बैडमिंटन खिलाड़ी और अब कोच प्रकाश पादुकोण ने भी उठाया है।

अब तो मुंह खोलिये हिन्दू हृदय सम्राट

राकेश अचल

पड़ौस के बांग्लादेश में रहने वाले हिन्दुओं के ऊपर हो रहे अकल्पनीय अत्याचारों के खिलाफ पूरी दुनिया के हिन्दू लामबंद हैं लेकिन हिन्दू हृदय सम्राट,विश्वगुरू मौन साधे हुए हैं। सब चाहते हैं की इस मुद्दे पर सरकार मौन रहे और विपक्ष बोले। सरकार इस मुद्दे पर भी विपक्ष को कटघरे में खड़ा करना चाहती है। ये समय है कि सरकार बांग्लादेश में रहने वाले हिन्दुओं के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए न सिर्फ बांग्लादेश की कामचलाऊ सरकार पर आँखें तरेरे बल्कि यदि आवश्यक हो तो और जरूरी कार्रवाई भी करे। बांग्लादेश की कुल जनसंख्या 17,48,74,667 है। इसमें 91 फीसदी जनसंख्या मुसलमानों की हैं और इसमें सुन्नी मुस्लिम ज्यादा हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा संख्या में हिंदू रहते हैं। बांग्लादेश में करीब 8 फीसदी हिंदू रहते हैं। हिंदुओं के बाद यहां बौद्ध और ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों की है। यानि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं। उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। हिन्दुओं के घर जलाये जा रहे हैं, मंदिर जलाये जा रहे हैं। उनकी हत्या की जा रही है। आखिर इसकी जड़ में है कौन?

शुरू में बांग्लादेश में जनगणना की गई थी, उस वक्त बांग्लादेश की जनसंख्या में 22 फीसदी हिंदू थे और अब ये प्रतिशत लगातार कम होता जा रहा है। साल 2011 में जनगणना करवाई गई तो ये प्रतिशत 8.5 फीसदी रह गया था और अब ये 8 फीसदी से भी कम है। वहीं, जनसंख्या में मुस्लिम हिस्सेदारी 76 फीसदी से 91 फीसदी हो गई है। अगर संख्या के हिसाब से देखें तो बांग्लादेश में करीब 15 करोड़ मुसलमान हैं और इसके बाद 1.31 करोड़ जनसंख्या है। ये आबादी आज खतरे में है। मुझे लगता है कि बांग्लादेश में आज जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए वहां की सरकारों का ही दोष है। सरकारें ही हिन्दू-मुसलमान करतीं हैं और समाज में नफरत के बीज बोतीं है। कहीं ये जहर सर चढ़कर बोलता है और कहीं सतह पर नहीं आ पाता। बांग्लादेश में हिन्दुओं के मुद्दे पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में कहा कि पड़ोसी देश राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। वहां के हालात पर भारत सरकार की नजर है। विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत सरकार बंग्लादेश में अपने नागरिकों के संपर्क में है। इस वक्त वहां करीब 19 हजार भारतीय मौजूद हैं, जिनमें से 9000 छात्र हैं। वहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में जो भी सरकार बने उनसे मांग है कि भारत के हाई कमीशन की सुरक्षा की जाए। भारत सरकार के बयान से जाहिर है कि उसे बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों की फिक्र है,वहां रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं की नहीं,जबकि अब तो समूचे हिन्दुओं पर हमलों और ज्यादतियों का है। ऐसा माना जाता है कि भारत सरकार बांग्लादेश के साथ इस मुद्दे पर कोई टकराव नहीं चाहती,शायद इसीलिए इस मुद्दे पर उसका रुख ढुलमुल है। ये कूटनीति है तो कोई कुछ नहीं कह सकता लेकिन ये यदि हिन्दू नीति है तो एकदम गलत है। भारत सरकार को इस समय तमाम बाध्यताओं के बावजूद बांग्लादेश की कामचलाऊ सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को समझा देना चाहिए कि यदि बांग्लादेशी हिन्दुओं के ऊपर हमले न रुके तो बांग्लादेश के लिए ये आत्मघाती साबित होगा। लेकिन समस्या ये है कि भारत ये कहे किस मुंह से? इस मुद्दे पर कांग्रेस,समाजवादी पार्टी और वहां तक की बसपा तक अपना मत जता चुकी है लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा लगातार घड़ियाली आंसू बहा रही है। सरकार ने बांग्लादेश से निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को तो संरक्षण दे दिया है लेकिन बांग्लादेश के हिन्दुओं को लेकर उसकी अपनी कोई स्पष्ट नीति नहीं है। जाहिर है कि भारत सरकार बांग्लादेश से घुसकर हिन्दुओं की रक्षा नहीं कर सकती लेकिन भारत की इतनी हैसियत तो है कि वो अंतराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को उठाकर बांग्लादेश सरकार पर बाजिब दबाव बना ले। बांग्लादेश की कोई भी सरकार भारत की अनदेखी कर अपना भविष्य नहीं सुधार सकती भले ही वो सरकार चीन समर्थक हो या सेना समर्थक। इसलिए उसे भारत के कूटनीतिक हस्तक्षेप के सामने झुकना ही पडेगा। भारत सरकार के सामने एक व्यावहारिक समस्या ये है कि वो जैसे अपने देश से मुसलमानों को नहीं खदेड़ सकती उसी तरह बांग्लादेश के तमाम हिन्दुओं को उठाकर भारत नहीं ला सकती। भारत सरकार बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर सकती है। उसे चेतावनी दे सकती है। लेकिन अभी तक ऐसा कोई कदम भारत सरकार की ओर से उठाया नहीं गया है। मै कभी भी हिन्दू-मुसलमान के फेर में नहीं पड़ता,लेकिन मेरे अनेक पाठकों ने मुझसे अपेक्षा की,कि मै बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे उत्पीड़न के बारे में लिखूं। इसीलिए मेरा कहना है की इस मुद्दे पर सरकार मनवीय आधार पर पहल करे। सरकार केवल हिन्दू-हिन्दू कहकर इस मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय समर्थन हासिल नहीं कर सकती। विपक्ष इस मुद्दे पर खामोश रहे तो उसे हिन्दू विरोधी करार दिया जाता है और बोले तो कहा जाता है की वो कोई सरकार है क्या? बावजूद इसके कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इन हमलों पर चिंता जताई है। थरूर ने मोहम्मद यूनुस से ऐसे हमलों को रोकने और पड़ोसी देश में सभी धर्म के लोगों के हित में कानून-व्यवस्था बहाल करने की अपील की है।

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान ह्यनिशान इजुद्दीनह्न से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरूआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था।

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान ह्यनिशान इजुद्दीनह्न से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरूआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरूआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही ह्यइंडिया आउटह्न का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्त्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में

अखंड भारत स्मृति दिवस पर विशेष : अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं। भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए,

सुरेश हिन्दुस्थानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडे की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है। विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोडे का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

चंद कर्मचारियों के कारण बदनाम होती उत्तर प्रदेश पुलिस

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी पुलिस के चंद कर्मचारियों और अफसरों की हरकत समूचे विभाग की बदनामी का कारण बन रहीं हैं। नोएडा में एक ट्रेनी पुलिस सब इंस्पेक्टर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कैब चालक से रुपये लूट लिए,वहीं शिकारपुर के पुलिस वालों ने एक व्यक्ति की कार में चैकिंग के दौरान सफेद कपड़े में लपेट कर तमंचा रख दिया और जेल भेज दिया लेकिन वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस वालों की कारगुजारी कैद हो गई इतना ही नहीं लखनऊ में एक आइएएस की तैयारी कर रहे युवक ने पुलिस कर्मियों द्वारा गरीब व्यक्ति की पिटाई का विरोध किया तो पुलिस वालों ने छात्र की पिटाई की और जेल भेजने की योजना बना दी। युवक ने अपने साथी प्रशिक्षु आईपीएस को जानकारी दी तो पुलिस वालों ने माफी मांग कर रिहा कर दिया। यह है यूपी पुलिस के अजब पुलिस वालों के गजब कारनामे। आइए विस्तार से बता दे कि नोएडा में एक कैब चालक को रोक कर एक प्रशिक्षु दारोगा ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की और सुनसान स्थान पर ले गए वहां उसकी जेब से सात हजार रुपए लूट लिए। इस मामले में आरोपी सब इंस्पेक्टर के खिलाफ एक्शन लिया गया है। आरोपी एसआई ट्रेनी दरोगा है, उस पर और उसके दो साथियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रेनी दरोगा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके साथियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम बनाई गई है।

इतना ही नहीं इस मामले में आरोपी दरोगा को बचाने के आरोप में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा को पद से हटाया गया है। साथ ही एसएचओ बिसरख, चौकी प्रभारी गौर सिटी-1 और एक दरोगा को सस्पेंड किया गया है। मामला 3 अगस्त की रात करीब 1 बजे का है। बागपत निवासी राकेश तोमर दिल्ली में कैब चलाता है। उसने ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा और उसके दो साथियों पर रुपये लूटने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। कैब चालक राकेश का आरोप है कि वह दिल्ली से महिला सवारी को लेकर नोएडा की गौर सिटी छोड़ने पहुंचा था, तभी वहां ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा ने वर्दी का रौब दिखाते हुए उसे रोका और गाड़ी से उतार लिया। महिला सवारी को भी गाड़ी से जबरन उतारकर अपनी कार में बैठाने लगे। महिला ने बताया कि वह सवारी है और कैब बुक करके लाई है, तब महिला को छोड़ दिया। उसके बाद कैब ड्राइवर राकेश के साथ मारपीट की गई। उसका आरोप है कि दरोगा ने उसकी जेब में रखे रुपये भी लूट लिए। पीड़ित राकेश दरोगा की शिकायत करने पहले गौर सिटी वन चौकी पहुंचा। वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद पीड़ित कैब चालक बिसरख थाने पहुंचा। कोतवाली इंचार्ज ने भी उसे वहां से टरका दिया। उसने आरोपी दरोगा की शिकायत पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से की और पूरे मामले की जानकारी दी। सीपी ने इस मामले में जांच कराई। महिला से भी पूछताछ की गई। आरोप सही पाए जाने पर ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा और उसके दो साथियों आशीष और अभिनव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उनके पास मौजूद दो गाड़ियों को भी सीज किया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रेनी दरोगा को गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस पर एक्शन लिया है। नोएडा वेस्ट के बिसरख इलाके में कैब ड्राइवर से पैसा वसूलने और मार-पीट करने के मामले में ट्रेनी इंस्पेक्टर को बर्खास्त कर दिया गया है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 14 अगस्त, 2024

संक्षिप्त खबरें

संस्थान के सदस्यों ने डीएम को दिया स्मार पत्र

जलालपुर ।विहंगम सेवा संस्थान के सचिव शैलेन्द्र साधु एवं दधिची देहदान समिति ,छपरा इकाई के अध्यक्ष संजीव चौधरी के नेतृत्व में,उनकी टीम के द्वारा संयुक्त रूप से गरीबों के हित मे सरकार द्वारा निर्गत आयुष्मान कार्ड द्वारा अधिक से अधिक निजी अस्पतालों में इलाज हो, निजी चिकित्सको के पूर्जो के शूल्क निर्धारित हो, पूर्जो के अवधि 30 दिन की जाएं, निजी चिकित्सको द्वारा जांच के लिए मरीजो को स्वतंत्र की जाएं इत्यादि पांच सूत्री मांगों के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर विहंगम परिवार अध्यक्ष राधेश्याम , संरक्षक मुन्ना भास्कर,पंकज ठाकुर , राहुल शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

निःशुल्क शिविर का हुआ आयोजन, काफी संख्या में जुटी महिलाएं

छपरा ' नगर निगम वार्ड 30 में आम जनता की सुविधाओं को देखते हुए न्याय फाइटिंग फॉर द पीपुल के संस्थापक महासचिव सह पार्षद प्रतिनिधि मो सुल्तान हुसैन इदरीसी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की सुविधा दिलाने को लेकर निःशुल्क शिविर का आयोजन किया ' शिविर में आयुष्मान भारत कार्ड, हेल्थ आईडी, श्रम कार्ड और सामाजिक सुरक्षा योजना हेतु विभिन्न पेंशन धारियों का जीवन प्रमाण पत्र और नया पेंशन बनाने के लिए भी आवेदन लिया गया ' शिविर का आज दूसरा दिन है, जिसमें वार्ड पार्षद नाजिया सुल्ताना की देख- रेख में आयोजन किया गया ' शिविर में जरूरतमंद महिलाओं ने काफी तादाद में इसका लाभ उठाया ' इस अवसर पर सुल्तान हुसैन इदरीसी,मैनुद्दीन अंसारी एवं अरुण राय सहित अन्य गणमान्य लोग सहयोग दिए ।

विधायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने निकाला तिरंगा जुलूस

पानापुर(सारण)तरैया विधायक सह बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के उप मुख्यसचेतक जनक सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने तिरंगा जुलूस निकाला ।विधायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता प्रखंड मुख्यालय पानापुर स्थित गांधी स्मारक पर एकत्रित हुए ।गांधी स्मारक से बाइक पर सवार विधायक के नेतृत्व में कार्यकर्ता महम्मदपुर ,भोरहा क्वार्टर बाजार ,कोंधभगवानपुर होते हुए तरैया प्रखंड के उसरी चांदपुरा बाजार होते हुए इसुआपुर प्रखंड के डोइला बाजार पहुँचे जहां तिरंगा यात्रा का समापन हुआ ।इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया था ।तिरंगा यात्रा में मंडल अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ,पूर्व मुखिया धनंजय कुमार सिंह सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट मामले में 16 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

नगरा ।खैरा थाना क्षेत्र के पटेढ़ा गांव में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट मामले में दोनो पक्षों से कुल 16 लोगो पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है.पहले पक्ष से जयनाथ राय ने 7 लोग तथा दूसरे पक्ष के अखिलेश कुमार ने 9 लोगो को नामजद करते हुए घर में हुए विवाद के मामले में एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है.वहीं इस संबंध में खैरा थानाध्यक्ष अनिमा राणा ने बताया की दोनो पक्षों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है

धनगरहा मध्य विद्यालय के शिक्षक का हार्ट अटैक से मौत

बनियापुर । बनियापुर के मध्य विद्यालय के सहायक शिक्षक बालेश्वर माझी का हृदयाघात से मौत हो गयी है। बता दे कि मृत शिक्षक बालेश्वर माझी 34500 बैच के शिक्षक थे ,जिनकी बहाली 2007 मे हुई थी,श्री माझी सरल स्वभाव के मिलनसार व्यक्ति थे,जिनका निधन सुबह हार्ट अटैक से हो गयी है ।जिसके बाद पत्नी बच्चे साहित स्वजनों मे मातम छा गया है ।जिनके निधन पर शिक्षक नेता विनोद राय संजय यादव शिक्षक नेता इंद्रजीत महतो उमेश राय फागु राम डीडीओ मोहम्मद जलालुद्दीन आसमोहम्मद साहित दर्जनों शिक्षक ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया है तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया है साथ ही उनके परिजनी को हर संभव साथ देने का आश्वासन के साथ ढाढस बंधया है। वही शोक संतप्त विद्यालय परिवार उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर ने आज ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मनरेगा की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि इस वर्ष सितंबर माह तक के लिये निर्धारित लगभग 49.63 के लक्ष्य के विरुद्ध अबतक 38 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया है,जो लक्ष्य का 76.5 प्रतिशत है। जिला में सबसे कम उपलब्धि दिघवारा प्रखंड में है जो 36.44 प्रतिशत है। इसके अलावा रिविलगंज, इसुआपुर, लहलादपुर,एकमा,छपरा, पानापुर, अमनौर एवं मकेर में उपलब्धि 75 प्रतिशत से कम पाई गई। इन सभी प्रखंडों के कार्यक्रम पदाधिकारियों (पीओ) से स्पष्टीकरण मांगा गया। सभी पीओ को आगामी समय के लिये मानव दिवस के सृजन हेतु स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने का निदेश दिया गया। मनरेगा के तहत मजदूरी का ससमय भुगतान लगभग 98 प्रतिशत है। सबसे कम मशरख प्रखंड में 91.5 प्रतिशत पाया गया। सभी पीओ को शत प्रतिशत भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। मनरेगा के तहत वृक्षारोपण हेतु इस वर्ष लगभग 7 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अबतक लगभग 5 लाख पौधे सामाजिक वानिकी के तहत निजी भूमि पर लगाये गये हैं। सभी पीओ को ऐसे सरकरी उच्च विद्यालयों या अन्य संस्थानों में , जहाँ चहारदीवारी बनी हुई हो, वहाँ वृक्षारोपण कराने का निदेश दिया गया। सरकारी जमीन पर किनारे किनारे स्थानीय प्रजाति के वृक्षों को एक निर्धारित क्रम में लगाने हेतु कार्ययोजना बनाने का निदेश दिया गया। इससे कालांतर में जमीन की सीमा निर्धारण के साथ साथ जमीन की पहचान भी सरकारी भूमि के रुप में हो सकेगी। मनरेगा के तहत सभी पंजीकृत श्रमिकों का आधार सीडिंग का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है ।अद्यतन 98 प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष का भी सत्यापन कर आधार सीडिंग सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिला में कुल स्वीकृत आवास 79599 के विरूद्ध 77438 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है,जो लगभग 97.29 प्रतिशत है। 2161 आवास अभी भी अपूर्ण है। इन सभी लाभुकों का आवास निर्माण को पूर्ण कराने हेतु प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निदेश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया गया। सभी अपूर्ण आवासों का कारण सहित वस्तुस्थिति का रिपोर्ट देने को कहा गया। जो लाभुक किश्त की राशि लेने के बाद लगातार प्रयास के बाबजूद गृह निर्माण का कार्य नहीं किया जा रहा है या पूर्ण नहीं किया जा रहा है, उनके विरूद्ध दी गई राशि की वसूली हेतु निलामपत्र वाद दायर कर कार्रवाई का निदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत वर्ष 2023-24 में लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत 2622 लाभुकों को आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई ।इनमें से 1414 लाभुकों ने अपना आवास निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, जो लगभग 54 प्रतिशत है। सभी आवास सहायकों को प्रतिदिन फील्ड में भेजकर लाभुकों से संवाद कर आवास का निर्माण पूरा कराने का निदेश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत पूर्व के अधूरा आवास को पूर्ण करने/जर्जर आवास की मरम्मती करने हेतु सहायता राशि दी जाती है। इसके तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत 1500 लाभुकों को सहायता राशि दी गई, इनमें से 1030 लाभुकों ने अपना आवास निर्माण का कार्य पूरा किया है। शेष लाभुकों का गृह निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु स्थल निरीक्षण कर लाभुकों से संवाद कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने अपने प्रखंड अंतर्गत जमीनी वस्तुस्थिति के आधार पर आवास हेतु एकदम जरूरतमंद 50-50 लोगों को चिन्हित करने को कहा गया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के द्वितीय चरण के तहत सभी पंचायतों में कचरा प्रसंस्करण इकाई (डब्लू पी यू) का निर्माण किया जा रहा है। अबतक 194 पंचायतों में हढव का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। 14 पंचायतों को निकट के हढव से सम्बद्ध किया गया है। 36 पंचायतों में लेआउट किया जा रहा है। 53 पंचायतों में निर्माण कार्य प्रगति पर है।

शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता : सांसद

प्रात : किरण, संवाददाता

दाउदपुर। शहीद स्मारक स्थल दाउदपुर के परिसर में 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान शहीद हुए भारत माता के वीर सपूत छट्ठू गिरि, फागु गिरि व कामता गिरि का शहादत दिवस मंगलवार को सद्भावना दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में शहीदों के स्मारक व उनकी बलि-बेदी पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत चर्चित लोक गायक रमेश सजल द्वारा एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गए। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि दाउदपुर की धरती काफी गौरवशाली रही है। जहां छठु गिरी, फागु गिरी व कामता गिरी जैसे भारत माता के वीर सपूतों ने जन्म लिया और 13 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजी पुलिस की गोली से शहीद हो गए। उनकी शहादत को कभी भुलाया नही जा सकता। सांसद ने कहा कि जो लोग अपने वतन के लिए जीने-मरने वाले लोग सदा के लिए अमर हो जाते हैं। आजादी की लड़ाई लड़ने वाले वीरों ने कभी जात-पात नही देखा। एकजुट होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़े तब जाकर हमारा देश आजाद हुआ। आज कुछ दल जात-पात करके समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। संविधान को खतरे में बता कर जनता को उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि आज देश का संविधान सबसे सुरक्षित हाथों में है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने देश के वीर शहीदों को जो सम्मान दिया है वो किसी ने नही दिया। राष्ट्र का प्रतीक तिरंगा को हर घर के ऊपर फहराना एवं वीर सपूतों के शहादत स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देना सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दाउदपुर स्मारक समिति की मांग पर हमने पुस्तकालय की स्थापना एवं स्मारक भवन की मरम्मती में योगदान किया है। एनएच 531 से दाउदपुर स्टेशन के एप्रोच रोड को इन शहीदों के नाम पर बनवाने का काम किया। अगर स्मारक समिति प्रस्ताव पारित कर पत्र देती है तो शहीदों के सम्मान के लिए मैं संसद में भी मुद्दा उठाने के लिए तैयार हूँ। कार्यक्रम के बाद सांसद ने दाउदपुर स्थित बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। शहादत दिवस समारोह को प्रो. ओमप्रकाश सिंह, रेल यूनियन सचिव जेएन साह, सत्येंद्र भारती, पूर्व जिला पार्षद विजय प्रताप सिंह चुन्नू, मन्नान खान, अखिलेश्वर मिश्रा, जनसुराज नेता उदय शंकर सिंह, बच्चा यादव आदि लोगों ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान स्मारक समिति के अध्यक्ष रहे जेपी सेनानी स्व. शारदानंद सिंह, स्व. राय बहादुर सिंह व स्व. रजनीश सिंह को भी श्रद्धांजलि दी गई। समारोह का संचालन उदय शंकर गुड्डू व अतिथियों का स्वागत सचिव सुमन गिरी व अभय गोस्वामी ने किया। समारोह में राम निवास गिरी, रघुवीर भारती, शिवनाथ पूरी, यदुनंदन भारती, योगेंद्र शर्मा, काशीनाथ सिंह, गुड्डू कुशवाहा, कन्हैया यादव, रमेश भारती, तसौवर हुसैन, चंद्रभूषण वर्मा, कैलाश पंडित, भूपेंद्र सिंह, योगेंद्र गिरी, देवेंद्र गिरी, हेम नारायण सिंह, त्रिलोकी नाथ सिंह, अमरजीत सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

परियोजन आधारित शिक्षण हेतु शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। मंगलवार को स्थानीय प्रखंड स्थित प्रखंड संसाधन केन्द्र के बैठक कक्ष में विभागीय आदेश पर रक्सौल बीईओ रंजना कुमारी के निदेर्शानुसार प्रखंड परियोजना प्रबंधक उज्वल आनंद के नेतृत्व में तय तिथि एवं समय के अनुसार परियोजना आधारित शिक्षण का प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया गया। जिसमें द्वितीय प्रखंड परियोजना प्रबंधक शशिभूषण कुमार, बीआरपी रामकिशोर प्रसाद, अवधेश कुमार सिंह, आशीष कुमार, किशन कुमार के साथ मास्टर ट्रेनर संतोष कुमार, मनीष कुमार, ए. कुमार एवं अभिषेक राज ने बारी-बारी शिक्षकों ने शिक्षकों को उक्त संबंध में प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना और बिहार गीत से की गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण या संक्षेप में पीबीएल शिक्षण की एक विधि है, जहाँ छात्र वास्तविक दुनिया और व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण और सार्थक परियोजनाओं में संलग्न होकर सीखते हैं। छात्र लंबे समय तक एक परियोजना पर काम करते हैं, दिलचस्प और जटिल सवालों के जवाब देते हैं या पूछताछ, जांच और आलोचनात्मक सोच के माध्यम से एक वास्तविक समस्या को हल करते हैं। परियोजना आधारित शिक्षण में विभिन्न माध्यम शामिल हो सकते हैं तथा इसमें इतने सारे अलग-अलग विषय शामिल हो सकते हैं कि छात्रों को अपनी शिक्षा के साथ-साथ अपने स्कूल और समुदाय के साथ भी जुड़ने का अवसर मिलता है। वहीं श्री उज्वल ने कि इसके माध्यम से छात्रों को सरल तरीके से गणित और विज्ञान पढ़ाना है, ताकि छात्र रुचि लेकर इसे पढ़े। उन्होंने कहा कि इसका स्लोगन है कि पढ़िए, समझिए, करिए और सीखिए।

कोलकाता में डॉक्टर की दुष्कर्म व हत्या के बाद डॉक्टरों ने कैंडल जला विरोध प्रदर्शन किया

प्रात : किरण, संवाददाता

हाजीपुर ।कोलकाता में एक रेजिडेंट डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या की घटना के विरोध में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक एवं वैष्णवी इमरजेंसी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ रंजन के तत्वाधान में कैंडल जला विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने दोषियों के खिलाफ अविलंब कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और हर अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए। जघन्य घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को स्पीडी ट्रायल के जरिए अविलंब फाँसी की सजा दी जाए। राज्य सरकार इस केस को अविलंब सीबीआई को सौंप देनी चाहिए ताकि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ कर सजा दी जा सके। इस कैंडल विरोध प्रदर्शन का समर्थन में दवा कंपनीयों ने भी डॉ. रंजन का समर्थन किया। विरोध प्रदर्शन में दवा कंपनियों के तरफ से प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ सुधीर, प्रमोद कुमार, मनीष कुमार, कमलेश सिंह, दिनेश कुमार, रोशन कुमार सिंह, समीर कुमार व लड्डू कुमार उपस्थित रहे। वहीं अस्पताल प्रबंधन की ओर से कैंडल विरोध प्रदर्शन में उपस्थित आलोक रंजन, संजीव कुमार, मधुसूदन तिवारी, पप्पू कुमार, सुजीत कुमार, पिंकी कुमारी, मंशु कुमार, रवि कुमार आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मढ़ौरा में राहगिरो के साथ यात्री वाहन को भी झेलनी पड़ती है जाम की समस्या

प्रात : किरण, संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण मढ़ौरा डबरा पुल पर रोज सजने वाली दुकानों के कारण यहां हर रोज जाम की समस्या पैदा होती है। जिससे आम राहगिरो के साथ-साथ यात्री वाहन को भी काफी परेशानी होती है। डबरा पुल के साथ साथ उसके उत्तर और दक्षिण भी बाजार में रोड के दोनों तरफ दुकानदार अतिक्रमण कर इसे तंग कर दिए है जिस कारण एक साथ इधर से दो बड़ी गाड़ियों के गुजरने के दौरान जाम लग जाता है। इस जाम के कारण इधर से गुजरने वाली गाड़ियों को काफी परेशानी होती है और कई बार तो इस जाम में यहां के एसडीओ, डीएसपी, ईओ, सीओ,बीडीओ थानाध्यक्ष को भी अक्कसर फसना पड़ता है। हाल ही में जिला पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर नगर प्रशासन और अंचल पदाधिकारी की देखरेख में स्थानीय धेनुकी चौक से अंबेडकर पार्क तक अतिक्रमण हटाने का सिर्फ कोरम पूरा किया गया। जिस कारण फोर्स और प्रशासन के अधिकारियों के हटते ही यहा डबरा पुल पर फिर से दुकान सज गई और यहां फिर से जाम की समस्या जस की तस रह गई। यहा बाजार के दुकानदार रोड में ही छज्जा निकाले है जिसके ऊपर प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है। यहा अस्थाई अतिक्रमण के कारण मुख्य बाजार की सड़के तंग हो गई है। यही कारण है कि यहां हर रोज डबरा पुल और इसके उत्तरी व दक्षिणी छोर पर लोगों को जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। इस सम्बन्ध में प्रो गोरा सिंह और दीपनारायण सिंह का कहना है कि उनके साथ साथ कई स्थानीय लोगों ने अनुमंडल प्रशासन से इसकी शिकायत कर चुके हैं किंतु इस दिशा में कोई ठोस और स्थाई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। जिससे आम लोग काफी हलकान है।

डीआरआई ने हाथी दांत की तस्करी करने वाले गिरोह को पकड़ा, 5.5 किलोग्राम से अधिक एशियाई हाथी दांत जब्त किया

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर, राजस्व खुफिया निदेशालय अर्थात डी.आर.आई. पटना क्षेत्रीय इकाई ने एक महत्वपूर्ण अभियान चलाकर एशियाई हाथी दांत के अवैध व्यापार में शामिल चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप 5586.50 ग्राम हाथी दांत जब्त किया गया, जो कि वन्यजीव अपराध के खिलाफ जारी लड़ाई में एक बड़ी सफलता है। सूचना के आधार पर डी.आर.आई. पटना आरयू के अधिकारियों ने बिहार के सिवान के बाहरी इलाके में यह ऑपरेशन शुरू किया। यह ऑपरेशन एक कुख्यात शिकारी गिरोह को निशाना बनाने के लिए किया गया था और इसके लिए अत्यधिक साहस और संसाधनशीलता की आवश्यकता थी। हालांकि ऑपरेशन के दौरान डी.आर.आई. के अधिकारियों को मामूली चोटें भी आईं, लेकिन उन्होंने अपनी दृढ़ता और पेशेवर रवैये को बनाए रखा और चारों व्यक्तियों को जिनमें ऑपरेशन का सरगना भी शामिल था, गिरफ्तार करने में सफल रहे। जब्त किए गए हाथी दांत के दो टुकड़े थे, जिनका कुल वजन 5,586.50 ग्राम था। यह हाथी दांत लुप्तप्राय एशियाई हाथी से प्राप्त किया गया था, जिसका काला बाजार में बहुत अधिक मूल्य होता है। इस अवैध मांग के कारण, कड़े वैश्विक और घरेलू प्रतिबंधों के बावजूद हाथी दांत का व्यापार अभी भी जारी है। डी.आर.आई. अधिकारियों ने वन विभाग, पटना और सिवान को सूचित किया और वन विभाग के अधिकारी इस जांच को आगे बढ़ाने के लिए डी.आर. आई. के साथ समन्वय कर रहे हैं। भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, जो हाथी को अनुसूची-क के तहत संरक्षित प्रजाति के रूप में वर्गीकृत करता है, हाथी दांत के व्यापार को सख्ती से प्रतिबंधित करता है। वैश्विक समुदाय ने भी इस संरक्षण को मजबूत किया है, जिसमें एशियाई हाथी को सीआईटीईएस के परिशिष्ट-कमें शामिल किया गया है, जिससे 1989 से हाथी दांत के सभी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध लग गया है। इस ऑपरेशन से यह स्पष्ट होता है कि अवैध वन्यजीव तस्करी, विशेष रूप से हाथी दांत का व्यापार, लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे कि एशियाई हाथी के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। जोखिम के बावजूद, डी.आर.आई. के अधिकारियों ने एक बार फिर वन्यजीव अपराधों पर अंकुश लगाने के प्रति अपनी तत्परता एवं भारत के वन्यजीव संरक्षण कानूनों को लागू करने और वैश्विक संरक्षण प्रयासों में योगदान देने की अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दशार्या है। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर यह सफल ऑपरेशन एक स्पष्ट संदेश देता है। हमारे देश के वन्यजीवों को खतरे में डालने वाली अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।

इसुआपुर में 4 लीटर देसी शराब के साथ दो गिरफ्तार, गए जेल

प्रात : किरण, संवाददाता

इसुआपुर । इसुआपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर थाना क्षेत्र के केरवां बाजार से 4 लीटर देसी शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।लिया। गिरफ्तार कारोबारियों में केरवां गांव के महेश कुमार का पुत्र धनंजय कुमार तथा धामा परसा गांव के फीदा हुसैन का पुत्र यूनुस अंसारी है। छापेमारी टीम में अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के साथ पुलिस बल थी।

समस्याओं के निराकरण पर ध्यान दे पदाधिकारी : एसडीओ

प्रात : किरण, संवाददाता

पानापुर(सारण)प्रखंड मुख्यालय स्थित इ किसान भवन में मंगलवार को एसडीओ डॉ. प्रेरणा सिंह ने प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक की ।इस बैठक में एसडीओ ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों की जो भी शिकायतें मिल रही है उसका समाधान प्रखंड स्तर पर ही करने का प्रयास करें ।प्रखंड स्तर पर समस्याओं का निराकरण हो जाने पर लोगो को अनुमंडल अथवा जिले का अनावश्यक चक्कर नही लगाना पड़ेगा ।वही बैठक में विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों ने बिजली ,नल जल , बरसात के दिनों में सर्पदंश की समस्याओं को उठाया जिसका एसडीओ ने निराकरण की बात कही ।इससे पहले अपर परिवहन पदाधिकारी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री परिवहन योजना पर चर्चा की गयी ।एसडीओ ने बताया कि हर पंचायत को जिला मुख्यालय से जोड़ने की सरकार की योजना है जिसके लिए बिहार सरकार द्वारा पांच लाख का अनुदान है ।बैठक में बीडीओ आनंद पांडेय ,सीओ अभिजीत कुमार ,बीइओ प्रतिभा कुमारी ,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुमार गौरव ,एमडीएम प्रभारी अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जलालपुर में बीईईओ के मौजदगी में हेडमास्टर आदेशपाल आपस मे भिड़े मची अफरा-तफरी

प्रात : किरण, संवाददाता

कोपा ।जलालपुर की प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी स्कूल का औचक निरीक्षण कर रही थी ।उसी दरम्यान हेडमास्टर एवं आदेशपाल आपस में ही भिड़ गए। दोनों में जमकर तू-तू-मैं-मैं हुई ।यह सब होता रहा और बीईईओ अवाक होकर देखती रह गई। मामला प्रखण्ड के राजकीय बुनियादी विद्यालय रामपुर - नूरनगर से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी निभा कुमारी आदेशपाल विनोद सिंह को साथ लेकर औचक निरीक्षण के लिए पहुंची थी ।बीईओ कार्यालय में बैठी थी। उन्होंने आदेशपाल विनोद सिंह से कहा कि जाकर कक्षाओं में देखें कि बच्चे कितने है? जैसे ही आदेशपाल ने बच्चों की संख्या बीईओ को बताया तब हेडमास्टर ललित सिंह आगबबूला होकर जमकर भला बुरा कहना शुरू किया ।इसी बीच दोनों में जमकर कहासुनी हुई। स्कूली छात्र एवं शिक्षक कुछ देर के लिए अवाक रह गए ।बीईओ ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आदेशपाल को मैंने कहा है तब आप बोलने वाले कौन हैं?आपका यह आचरण बिल्कुल अशोभनीय है ।तब जाकर मामला शांत हुआ। हालांकि बीईओ निभा कुमारी ने निरीक्षण रिपोर्ट सौंपी है। इस संबंध में जलालपुर बीईओ निभा कुमारी से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

चर्चित जदयू नेता विभव राय हत्याकांड में पुलिस के हाथ अब भी खाली

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा का चर्चित जेडीयू नेता विभव राय हत्याकांड के छठे दिन भी पुलिस के हाथ खाली हैं। लिहाजा बिहार प्रदेश जेडीयू अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और वाल्मीकिनगर के जदयू सांसद सुनील कुमार आज भीतहा पहुँचे जहाँ मृतक के शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर ढांढस बढ़ाया । इस दौरान ग्रामीणों के आक्रोश का जेडीयू नेताओं को सामना करना पड़ा । वहीं बिहार जदयू के अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा है की किसी भी सूरत में हत्यारे कोई भी हों वो बखशे नहीं जायेंगें। विभव राय के परिवार के साथ प्रशासन और सरकार खड़ी है और जल्द ही जेडीयू नेता विभव राय हत्याकांड का उदभेदन होगा। उन्होंने कहा की इस दुःखद घटना से पूरा जेडीयू परिवार मर्माहत है ।बतादें की उतर प्रदेश की सीमा से सटे धनहा थाना क्षेत्र के तमकुहवा स्थित सैलून में विभव राय की बुधवार संध्या गोली मारकर नकाबपोश अपराधियों ने हत्या कर दी थीं ।भीतहा प्रखंड जेडीयू अध्यक्ष विभव राय की सरेआम हुई हत्या के बाद लोगों में आक्रोश अब भी देखा जा रहा है क्योंकि इस घटना में पुलिस के हाथ खाली हैं और नतीजा निकलना मुश्किल लग रहा है । लिहाजा स्थानीय लोग उनके परिजनों की सुरक्षा की भी मांग कर रहे हैं।

भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ स्कॉर्पियो जप्त, कारोबारी हुए फरार

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा ' सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण,बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है' इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर मकेर थाना द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक स्कार्पियो से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ स्कॉर्पियो को जप्त किया गया है ' एसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मिली सूचना के आधार पर एक स्कॉर्पियो सोन्हो की तरफ से तेजी से फुलवरिया के तरफ आ रही थीं स्कॉर्पियो को लोकेट करते हुए मकेर थाना शोभे टोला एन एच 722 पर पहुंचा तो, उक्त स्कार्पियो को पलटा हुआ पाया' स्कॉर्पियो की तलाशी के दौरान पाया गया कि गाड़ी में अंग्रेजी शराब लदी है, और गाड़ी में कोई व्यक्ति नहीं है' तलाशी के क्रम में कुल 472.86 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ है ' विदेशी शराब सहित स्कार्पियो को भी जप्त कर लिया है' पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार इस सम्बन्ध में मकेर थाना काण्ड संख्या 215/24 दर्ज कर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत इस काण्ड में संलिप्त शराब तस्करों की गिरफ़्तारी को लेकर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारिओं में पुलिस अवर निरीक्षक सह थानाध्यक्ष रवि रंजन मकेर, अखिलेश कुमार एवं मकेर थाना कर्मी शामिल थे

दरियापुर में भोजपुरी गायक अजीत हलचल गिरफ्तार, हरिजन एक्ट के थे आरोपी

प्रात : किरण, संवाददाता

दरियापुर ।स्थानीय पुलिस ने भोजपुरी गायक अजीत हलचल को सुमेरपट्टी से हरिजन एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया ।विगत 22 मार्च को मटिहान के भोजपुरी गायक अरुण अलबेला ने उन पर हरिजन एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराया था ।दर्ज एफआईआर में उन्होंने अजीत हलचल पर मोबाइल पर धमकी देने,जाती सूचक बात बोलने और कार्यक्रम से लौटने के दौरान मटिहान के पास अपहरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था ।इसके बाद से पुलिस अजीत हलचल की गिरफ्तारी में लगी थी ।बताया जा रहा है कि गायक अजीत हलचल अपना कार्यक्रम प्रस्तुत कर साथियों के साथ अपने घर लौट रहे थे ।तभी पुलिस को इसकी भनक मिली और सुमेर पट्टी से उन्हे गिरफ्तार कर लिए ।गायक कोपा थाना के टरवा पोझियां के रहने वाले हैं।

बच्चे का शव बरामद

रिविलगंज। गत दो दिन से गायब 4 वर्षीय बच्चे का शव मंगलवार को कुआं में तैरते मिला मृतक बालक प्रियांशु कुमार भदपा गांव निवासी रविंद्र सिंह के पुत्र बताया जा रहा हैं ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची रिविलगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया ।घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व खेलने के क्रम में घर से निकला प्रियांशु काफी देर बाद तक नहीं लौटा तब परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दिया लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला थाना में सनहा दर्ज कराया गया। मंगलवार को दोपहर के बाद पता चला कि गांव के बगल में स्थित कुआं में बच्चे का शव तैर रहा था सूचना पर परिजन दौरे दौरे पहुंचे शव कुआं से निकलते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने चिल्लाने लगे। छोटा बच्चा कुआं के पास कब और कैसे पहुंचा पुलिस पता लगाने की प्रयास कर रही है जानकारी के अनुसार पुलिस एक बच्ची को पूछताछ के लिए लेकर गई है।

संक्षिप्त खबरें

आपदा से बचाव, नुक्कड़ नाटकों से जन जागरूकता

आरा। आपदा से बचाव हेतु आम जन में जागरुकता लाने हेतु जिला प्रशासन के सौजन्य से विद्या कला उत्थान के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक व ज पात के माध्यम जिले के सभी प्रखंडों में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। विद्या कला संस्थान के सचिव और नाट्य दल के दल नायक श्री मुकेश कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देशानुसार नाटक में वज्र पात से कैसे बचे और कैसे अपने आप को सुरक्षित रखे इन सब बातो को बताया जा रहा है। इस मौसम में बहुत ज्यादा जरुरी हो तभी घर से बाहर निकले, कभी भी बारिश के समय किसी पेड़ की ओट में न खडे हो. हम कलाकार आपदा से बचने के लिए गांव गांव , गली गली में जा कर अपने नाटक के माध्यम से लोगो को जागरुक कर रहे है. नुक्कड़ नाटक में काम कर रहे मुख्य कलाकारों में नागेश्वर नयन, विभा, साहिबा , हरेंद्र दास, ज्योति कुमारी आदि शामिल है।

अधूरा पड़े आवास योजना को पूर्ण करें लाभुक

करपी। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुरारी मे प्रधानमंत्री आवास योजना को आवास पर्यवेक्षक नवल किशोर एवं आवास सहायक जाकिर आलम के द्वारा निरीक्षण किया गया। आवास पर्यवेक्षक नवल किशोर ने बताया कि मुरारी पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी लाभुक को अधूरा पड़े मकान को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि अधूरा पड़े आवास को पूर्ण नहीं करने पर विभागीय कार्रवाई किया जाएगा एवं लाभुक का पैसा वापस करना पड़ेगा।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन

अरवल। समाहरणालय स्थित इंडोर स्टेडियम में कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन अरवल के संयुक्त तत्वाधान में हर घर तिरंगा 2024 कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा साइकिल रैली के सफल आयोजन बालिका उच्च विद्यालय में तक किया गया। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगों में देश-प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत करना है, जिसके परिपेक्ष में कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन द्वारा जिले में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत साइकिल रैली निकाली गई। इसी परिपेक्ष्य में सभी प्रखंडों में भी साईकिल रैली का सफल आयोजन किया गया।

प्रमंडल अंतर्गत सभी डाकघरों में राष्ट्रीय झंडा की बिक्री शुरू हो चुकी है : वरीय डाक अधीक्षक

गया प्रधान मंत्री की महात्वाकांक्षी योजना हर घर तिरंगा ह्के तत्वाधान में गया प्रमंडल अंतर्गत सभी डाकघरों में राष्ट्रीय झंडा की बिक्री शुरू हो चुकी है इसीय डाक अधीक्षक गया रास बिहारी राम के द्वारा यह बताया गया की ग्राहकों के द्वारा ऑनलाइन भी खरीदारी की जा रही है जिसका डिलीवरी सर्बधित डाक घरों के डाकियों के द्वारा उनके द्वारा दिए गए पते पर की जा रही है एक राष्ट्रीय झंडा का मूल्य 25/रुपया है सभी डाकघरों में भी काउंटर से राष्ट्रीय झंडा की बिक्री की जा रही है श्री रास बिहारी राम ने बताया कि राष्ट्रीय झंडा की ऑनलाइन बिक्री दिनांक 13गस्त से की जा रही है उन्होंने पुनः बताया कि जितनी भी झंडे की मांग होगी विभाग उसको पूरा करने की पूरी कोशिश करेगी बाजार से सस्ता और अच्छी गुणवत्ता होने के कारण इसका डिमांड ज्यादा है इस साल भी हर घर तिरंगा योजना के तहत दिनांक 9 दिसंबर से 15 दिसंबर तक अपने अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए लोग बहुत उत्साहित है वरीय डाक अधीक्षक ने लोगों से अपील किया है की ज्यादा से ज्यादा लोग राष्ट्रीय झंडे की खरीदारी करें।

प्रशासनिक भवन के ऊपर तिरंगा फहराकर इसका उद्घाटन किया गया

गया गया कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ सतीश सिंह चंद्र के द्वारा 9 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत आज प्रशासनिक भवन के ऊपर तिरंगा फहराकर इसका उद्घाटन किया गया है इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति निष्ठा और भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में 2047 तक स्थापित करना है इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना सेजुड़े हुए स्वयंसेवक,एनसीसी के कैडेट एवं कॉलेज के अन्य छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है इस मौके पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा अंबेडकर साहब स्मारक स्थल पर स्वच्छता और प्रतिमा पर माल्यार्पण हुआ

ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ऋतुराज कार्यक्रम मे शामिल हुए

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ऋतुराज के अध्यक्षता मे स्वच्छता अभियान एवं माल्यार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत महापुरुषो के स्वच्छता और माल्यार्पण कार्यक्रम के तहत पिछड़ा-दलित आंदोलन के प्रवर्तक महापुरुष भीमराव अंबेडकर जी के स्मारक स्थल पर कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दुर्गा राज शामिल हुए। वही ओबीसी मोर्चा एंव अनुसूचित जाती मोर्चा सहित भाजपा के नेताओं और पदाधिकारी व कार्यकताओ ने महापुरुष भीमराव अमबेदकर जी के प्रतिमा की सफाई कर माल्यार्पण किया। इस दौरान वंदेमातरम,भारत माता की जय, डाक्टर भीमराव अमबेदकर अमर रहे-अमर रहे,वीर शहीद अमर रहे आदि नारे लगाए गए। तदोपरांत स्मारक स्थल परिसर मे स्वच्छता अभियान के तहत नेताओं और कार्यकताओं द्वारा झाड़ू

लगाकर सफाई किया गया। उक्त अवसर पर ओबीसी जिलाध्यक्ष ऋतुराज ने कहा कि हर साल की भांति माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम पूरे देश मे चल रहा है। 01 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत भाजपा के सभी मोर्चो, प्रकोष्ठों के द्वारा स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम देश भर मे किए जा रहे है। वही ओबीसी मोर्चा किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा द्वारा महापुरुषों के स्वच्छता और माल्यार्पण का कार्यक्रम चल रहा है।उसी कार्यक्रम के तहत आज आरा मे पिछड़ा-अतिपिछड़ा एव दलित वर्ग के आवाज महापुरूष डाक्टर भीमराव अमबेदकर जी के प्रतिमा की सफाई और माल्यार्पण का कार्यक्रम हुआ। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान नागरिकों को जागरूक करने के लिए एक मिशन है। इस अभियान के द्वारा लोग महापुरुषों की मूर्ति की सफाई और माल्यार्पण हमेशा करते रहेंगे।

वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाया जा रहा है। युवा मोर्चा द्वारा तिरंगा यात्रा और अन्य मोर्चो द्वारा स्वच्छता अभियान और माल्यार्पण का कार्यक्रम हो रहा है। भाजपा द्वारा हर घर मे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी 32 मंडलो मे राष्ट्रीय ध्वज का वितरण किया गया है।डाकघर से भी राष्ट्रीय ध्वज का विक्री हो रहा है,जिसे सभी लोग अपने घरो मे स्वतंत्रता दिवस के दिन फहराएँगे। 14 अगस्त को विभाजन विभिषण स्मृति दिवस भाजपा भोजपुर द्वारा मनाया जाएगा।उक्त कार्यक्रम मे मौन यात्रा और बुद्धिजीवियों का संगोष्ठी कार्यक्रम होगा।

कार्यक्रम मे भाजपा ओबीसी महामंत्री आनंद गोपाल पंडित, हरेंद्र सिंह चन्द्रवंशी, अनुसूचित जाती जिलाध्यक्ष सह (बिससुत्री सदस्य) विजय पासवान, प्रवक्ता संतोष सिंह, हरेराम चन्द्रवंशी,आलोक चन्द्रवंशी,उदय सिंह, हरेन्द्र पांडेय, निशांत सिंह सेंगर,विनोद राम, इनदेव पासवान, जय गोपाल राम, कामेश्वर पासवान, संजीत पासवान, कृष्णा राम, विजय रविदास, शंकर पासवान सहित भाजपा और ओबीसी मोर्चा एंव अनुसूचित जाती मोर्चा के नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल हुए। वही उपरोक्त कार्यक्रम कि जानकरी जिला मीडिया सह प्रभारी सतीश गुप्ता ने दिया।

गरीब वंचित व शोषितों की आवाज बने संजीव सुमन

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। नव सृजन संघर्ष समिति के अध्यक्ष सह एमआइएम बिहार प्रदेश सचिव संजीव सुमन ने मंगलवार को जगदीशपुर परखंड अंतर्गत पूरैनी दक्षिणी पंचायत में जाकर वहां की स्थिति को जाना। उक्त पंचायत के वार्ड संख्या तेरह में तमाम सरकारी याजनाओं से वंचित हैं यहां की ग्रामीण जनता। कई वृद्ध जिन्हें पूर्व में वृद्धा पेंशन का लाभ मिल रहा था पर विगत कुछ वर्षो से उन्हें वृद्धा पेंशन भी मिलना बंद हो गया है। वहीं कई परिवार के राशन कार्ड से खुद व खुद नाम कट गया है। तो वहीं दर्जनों परिवार की महिलाएँ बीड़ी बनाकर मुश्किल से अपने परिवार का गुजर बसर कर रही है। जबकि सरकार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने करने वाले परिवारों हेतु लघु उद्योग, कुटीर उद्योग इत्यादि हेतु कई सब्सीडी ऋण योजनाए जारी की है, पर बैंक भी ऐसे परिवारों को ऋण देने को तैयार नहीं है। वहीं इस वार्ड में दूसरी सबसे बड़ी समस्या सड़क व नाले की है। बिना नाला निकासी के जैसे तैसे सड़क बना देने के कारण सभी घरों का गंदा पानी जहां- तहां एकत्रित हो जाता है। जिसके कारण वार्डवासी आए दिन गंभीर बीमारीयों से ग्रसित रहते हैं। लोगों ने बताया कि इस संदर्भ में कई बार मुखिया व वार्ड सदस्य को इसकी जानकारी दी गई पर किसी ने कोई पहल नहीं किया। मजबूरन यहां की ग्रामीण जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। श्री सुमन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उक्त सभी समस्या के समाधान हेतु जल्द ही प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलेंगे।

भोजपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, तत्वावधान में वैट-जी.एस.टी. के बकाया करों का निराकरण कैम्प किया गया आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा, भोजपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, आरा एवं राज्यकर संयुक्त आयुक्त, शाहाबाद अंचल, आरा के संयुक्त तत्वावधान में वैट-जी.एस.टी. के बकाया करों का निराकरण कैम्प स्थानीय श्री मैना सुन्दर भवन में आयोजित हुआ। इस कैम्प में मुख्य अतिथि स्वरूप पधारे नरेश कुमार, संयुक्त आयुक्त, शाहाबाद अंचल, आरा ने उपस्थित व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए सरकार के बिहार सेटेलमेन्ट ऑफ टैक्सेशन डिस्प्यूट एक्ट, 2024 के अन्तर्गत वैट एवं जी.एस.टी. के कई वर्ष पूर्व के बकाया राशि को एकमुस्त जमा करने पर 65 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाने का अनुरोध किया। संयुक्त आयुक्त महोदय ने व्यापारियों को ह्यसम्मान के साथ समाधानह्ल करने का आश्वासन देते हुए कहा कि आप अपने बकाया करो के भुगतान के लिए इस सुनहरे अवसर का लाभ अवश्य उठायें और भारी छूट के साथ बकाया कर का भुगतान अवश्य करें। उन्होंने कहा यह सर्वविदित है कि किसी व्यापारी के यहां यदि कर बकाया होता है तो उसे भी उस कर देयता के बोझ को जल्दी समाप्त करने की मंशा होती है। साथ ही यह घोषणा किया कि कोई

भी व्यापारी यदि 22 अगस्त तक विभाग में सम्पर्क करता है तो उसे इस स्कीम का लाभ अवश्य प्राप्त होगा। विदित हो कि बिहार सरकार द्वारा बिहार सेटेलमेन्ट ऑफ टैक्सेशन एक्ट, 2024 के अन्तर्गत वैट एवं जी.एस.टी. के पुराना कर बकाया के निपटारा के लिए वन टाईम सेटेलमेन्ट स्कीम के अन्तर्गत 65 प्रतिशत तक की छूट के साथ केस के निवारण की प्रक्रिया की जा रही है। साथ ही व्यापारियों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों के लिए राज्यकर कार्यालय एवं व्यापारियों के साथ यह एक महत्वपूर्ण बैठक थी। राज्य कर उपायुक्त मो. आबिद सुबहानी ने बताया कि विगत वित्तीय वर्ष 2012-2013 से अबतक लगभग 453 व्यापारियों के पास कुछ न कुछ कर बकाया की सूचि लंबित है। जिनमें से अधिकांश के पास बहुत छोटी राशि ही बकाया है और उस पर भी 65 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। व्यापारियों को इसका लाभ उठाते हुए करमुक्त अवश्य हो जाना चाहिए। भोजपुर चैम्बर के उपाध्यक्ष श्री प्रदीप नारायण द

ास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य कर विभाग के वरीय पदाधिकारियों का चैम्बर में पधार कर इस प्रकार के सहयोग के लिए व्यापारीगण आभारी हैं। भोजपुर चैम्बर के महासचिव डॉ. आदित्य बिजय जैन ने जी.एस.टी. के कुछ व्यवहारिक समस्याओं को राज्यकर संयुक्त आयुक्त कार्यालय के पदाधिकारियों के समक्ष रखा। जिनमें मुख्य रूप से आईटीसी ब्लॉकिंग, विक्रेता द्वारा देर से रिटर्न दाखिल करने पर आईटीसी का नुकसान, ई-वे बिल में छोटी गलतियों के लिए जुमार्ना, जी.एस.टी.आर-3बी को संशोधित करने में असमर्थता, कम्पोजिशन डीलरों के लिए वार्षिक रिटर्न, उच्च ब्याज दर, यात्री/माल वाहक वाहनों पर आईटीसी, सीमेंट और दो-पहिया वाहनों पर 28 प्रतिशत की उच्च कर दर, नोटिसों की संख्या में वृद्धि, लक्ष्य-आधारित जीएसटी आदि है। साथ ही डॉ. आदित्य ने उपस्थित व्यापारियों से अपील किया कि उनके नाम यदि कोई बकाया राशि विभाग के संचिका में अंकित है तो उसे यथाशीघ्र अपनी संचिका से मिलान कर लेना चाहिए।। यदि व्यापारी के द्वारा पूर्व में भुगतान किया जा चुका है तो उसका साक्ष्य विभाग के कार्यालय में प्रस्तुत कर निपटारा करा लेना चाहिए अन्यथा इस छूट स्कीम का लाभ उठाते हुए भुगतान कर संचिकास्त कर लेना व्यापारियों के लिए श्रेयस्कर अवसर है। भोजपुर चैम्बर के कोषाध्यक्ष सह जी.एस.टी. हब के मो. समर ने राज्यकर विभाग के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए इस वन टाईम सेटेलमेन्ट स्कीम को विभाग एवं व्यापारियों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना बताई। इस स्कीम से जहां एक ओर विभाग में लम्बित संचिकाओं का निपटरा होगा वहीं व्यापारीगण भी अपने बकाया राशि को भारी छूट के साथ अदा कर अपने को बकायादार की श्रेणी से बाहर समझेंगे और उनका मानसिक बोझ कम होगा। गोष्ठी में राज्यकर विभाग की सहायक आयुक्त नूपुर सिन्हा के साथ विभाग के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे। व्यापारियों में मुख्यतः अरविन्द आर्या, अशोक सिंघानिया, कृष्ण माधव अग्रवाल, धीरेन्द्र चन्द जैन, डॉ. हर्षित जैन, संजीव गुप्ता, हिमांशु नारायण दास, प्रिया जैन, शम्भु प्रसाद समेत अनेक लोग सम्मिलित थे।

गाँधी मैदान में होने वाली ध्वजारोहण की तैयारी का पूर्वअभ्यास कर निरीक्षण किया:डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। अगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के द्वारा ऐतिहासिक गाँधी मैदान अरवल में होने वाली राष्ट्रीय ध्वजारोहण की सफल तैयारियों को लेकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा गाँधी मैदान की साफ-सफाई, वैरीकेडिंग, मंच की साज-सजावट एवं अतिथियों के बैठने की व्यवस्थाओं को और भी अच्छे ढंग से व्यवस्थित कराने का निदेश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। ज्ञातव्य है कि इस अवसर पर गाँधी मैदान में बहुत से जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों एवं दर्शकगण की उपस्थिति होती है। इस संबंध में जिला नजारत उप समाहर्ता को निदेश दिया गया कि सभी व्यक्तियों के बैठने हेतु समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को मैदान की साफ-सफाई तथा परेड ग्राउंड को तैयार करने हेतु निदेशित किया गया। मंच की सजावट कराने हेतु जिला नजारत उप समाहर्ता को निदेशित किया गया। सिविल सर्जन को गाँधी मैदान में एम्बुलेंस की व्यवस्था कराने हेतु निदेशित किया गया। साथ ही जिला अग्निशमन पदाधिकारी अरवल को गाँधी मैदान में फायर ब्रिगेड की एक टीम को उपलब्ध कराने हेतु निदेश दिया गया।

जीबीएम कॉलेज की 71वीं वर्षगाँठ के सुअवसर पर एनसीसी कैडेटों ने किया पौधारोपण

प्रात: किरण संवाददाता

गया। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की एनसीसी इकाई ने जीबीएम कॉलेज की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ सहदेब बाउरी के संरक्षण एवं कॉलेज की एनसीसी केयरटेकर ऑफिसर डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया है। एनसीसी सीटीओ डॉ रश्मि की देखरेख में एनसीसी यूओ अनुराधा कुमारी, आकृति सिंह, कैडेट संजना, मुस्कान, वैष्णवी, सोनम, काजल, अवनि राज, पूनम ने महाविद्यालय परिसर में आम, अमरूद, नीम, सागवान और महोगनी के पौधे लगाये।ज्ञात हो वर्ष 1953 में 14 अगस्त को ही गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की स्थापना हुई थी। डॉ. रश्मि ने पौधारोपण करतीं कैडेटों को प्रकृति संरक्षण में युवतियों एवं महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। कहा कि धरती को पहले की तरह हरा-भरा बनाने, पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता को संरक्षित तथा सुरक्षित रखने के लिए देश की युवतियों एवं महिलाओं को पौधारोपण अभियान में बढ़चढ़कर भाग लेना होगा एवं पेड़ों को कटने से रोकने हेतु प्रयत्न करने होंगे। पौधारोपण करके कॉलेज की एनसीसी कैडेटों ने समाज को यही संदेश देना चाहा है। डॉ. रश्मि ने बताया कि आने वाले दिनों में सावन महोत्सव के तहत एनसीसी कैडेटों द्वारा सीता कुंड परिसर में भी पौधे लगाये जायेंगे।प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. सहदेब बाउरी ने एनसीसी कैडेटों को पौधारोपण के इस पुनीत कार्य हेतु हार्दिक बधाइयाँ दीं है। उन्होंने कॉलेज की एनसीसी इकाई सहित समस्त महाविद्यालय परिवार को कॉलेज के 71 वर्ष पूर्ण हो जाने पर ढेर सारी शुभकामनाएं दीं है। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रो. अफशाँ सुरैया, डॉ. नूतन कुमारी, डॉ शगुफ्ता अंसारी, डॉ अमृता कुमारी घोष, डॉ प्रियंका कुमारी, प्रीति शेखर डॉ. फरहीन वजीरी, डॉ रुखसाना परवीन, डॉ प्यारे माँझी, डॉ. सुरबाला, डॉ. सुनीता कुमारी, अभिषेक कुमार, नीरज कुमार, रौशन, अजय कुमार, महेन्द्र पताप, रंजीत कुमार, आदि ने भी भाग लिया है।

गुमशुदा बच्ची के मामले में पुलिस की शिथिलता से गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव में बच्ची की गुमशुदगी के बाद पुलिस द्वारा खोजबीन नहीं जाने से गुस्साए परिजनों ने मंगलवार की दोपहर सकडडी-नासरीगंज पथ को घंटो जाम कर चांदी पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भदवर निवासी करीमन यादव की नौ वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी 9 अगस्त को घर से टीयूशन जाने समय रास्ते से गायब हो गयी। जिसे लेकर स्वजन चांदी थाना में बच्ची को खोजबीन के लिए गुहार लगाई थी, लेकिन मदद देने के बजाये पुलिस ने स्वजनों से कहा कि डायल 112 को सूचित करें। बच्ची के स्वजनों द्वारा बार-बार थाना जाने के बाद भी पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं कि गई। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने

गुमशुदगी का एफआईआर दर्ज किया। चार दिन बीत जाने के बाद बच्ची का कोई पता नहीं चलने पर स्वजनों और ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट पड़ा और चौथे दिन मंगलवार को भदवर गांव के समीप सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाईवे को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गुमशुदा बच्ची के चाचा मुन्ना यादव ने बताया कि उनकी भतीजी शिवानी जो कक्षा चार में पढ़ती है। 9 अगस्त को स्कूल से आने के याद शाम तीन बजे टीयूशन के लिए घर से निकली थी। जो ना टीयूशन पहुंची ना ही घर आयी। पुलिस के पास जाने पर इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। स्थानीय मुखिया, सरपंच किसी ने भी बच्ची के खोजबीन के लिए पुलिस को नहीं कहा। गुमशुदगी के आवेदन देकर खोजबीन की गुहार लगाने के बाद भी पुलिस ने शिथिलता दिखायी। जिसे लेकर किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए हमलोग सड़क पर उतरे हैं। जाम करने वालो में गायब बच्ची की मां और आस पड़ोस की महिलाएं भी शामिल थी। तीन घण्टे तक सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाईवे के जाम होने के बाद वाहनों की लंबी कतार लग गयी। इधर जाम की सूचना मिलते ही एसडीपीओ -टू रंजीत कुमार सिंह, कोईलवर सर्किल इंस्पेक्टर, चांदी थानाध्यक्ष, कोईलवर और गीधा पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ टू ने जल्द कार्रवाई का आश्वसन देते हुए ग्रामीणों को समझा बुझाकर किसी तरह जाम हटवाया।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया ।बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के लोकप्रिय अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व एवं दिशानिर्देश में बिहार राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर चरणबध्द राज्यव्यापी आंदोलन के तहत गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के स्थानीय कार्यालय राजेंद्र आश्रम मे रोहतास जिला के करहगर विधानसभा के विधायक सह गया जिला प्रभारी संतोष कुमार मिश्रा ने गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा, सहित जिला के वरिष्ठ नेता प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, टिकारी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुमंत्र कुमार, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, युगल किशोर सिंह, दामोदर गोस्वामी, रंजीत कुमार

सिंह, विपिन बिहारी सिन्हा, प्रदीप शर्मा, भुवन राम, अमरजीत कुमार, मोहम्मद अजहरुद्दीन। खालिद अमीन , मोहम्मद नवाब अली, मोहम्मद समद, शशि कांत सिन्हा, ओंकार शर्मा, शिव कुमार चौरसिया, धीरेन्द्र कुमार सिंह, केदार प्रसाद, अर्जुन प्रसाद आदि की उपस्थिति में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग वर्षो पुराना यहां के जनमानस की मांग है, जिसे बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व आज सूबे के सभी 38 जिला मुख्यालयों में प्रेस वार्ता कर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग कभी नहीं तो कभी नहीं के नारों को बुलंद करते हुए चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किया गया है।चरणबध्द आंदोलन 13 एवं 14 अगस्त को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित कर बिहार के विकास हेतु विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का आन्दोलन तीव्र किया जाएगा।विधायक सह प्रभारी गया जिला संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि विहार राज्य से झारखंड के विभाजन के उपरांत सभी माइंस, खनिज, उद्योग धंधे, झारखंड के हिस्से में जाने के मद्दे नजर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा एवं विशेष पैकेज की नितांत आवश्यकता बताते हुए सन 2000 से इस लड़ाई की शुरूआत हुई, जो बिहार मे फिर 2015 में तत्कालीन बिहार राज्य की महा गठबंधन राजद, कॉंग्रेस, सी पी आई, सी पी आई एम, माले की सरकार में बुलंद किया गया, लेकिन आज तक विशेष राज्य का दर्जा पर राज्य के मुख्यमंत्री इसे आपदा में अवसर वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कभी इस मुद्दा को जरूरत पड़ने पर उछाला तो कभी इसे ठंढे बस्ते में डाल दिया, लेकिन कॉंग्रेस पार्टी बिहार के 14 करोड़ जनता के लिए बिहार राज्य को विशेष राज्य,विशेष पैकेज की मांग को लेकर आंदोलन तेज करेगी।गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा ने 13 एवं 14 अगस्त 2024 को गया जिला के सभी 24 ग्रामीण प्रखंड एवं तीन गया शहर के प्रखंडों के लिए प्रभारी नियुक्त कर उन्हें कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। 13 एवं 14 अगस्त को गया जिला के सभी जिला के पदाधिकारियों, युवा कॉंग्रेस, ए न ए स यू आई, इंटक, कॉंग्रेस सेवा दल के नेता, कार्यकर्ता से भी आग्रह किया गया कि कोई भी प्रखंड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए।

गुलजार में सफल प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

प्रात: किरण संवाददाता

गया। रक्षाबंधन को लेकर गुलनार निशुल्क महिला सिलाई सेंटर की ओर से चल रहे दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रशिक्षण शिविर के पश्चात मंगलवार को प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया है। प्रतिभागियों के बीच पुरस्कारों का वितरण गुलनार के संरक्षक होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ वीरेंद्र कुमार, स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेंद्र नारायण, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के विभाग महामंत्री रामकुमार बारीक एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत महामंत्री शशिकांत मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया है। इस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी अनुष्का शर्मा को प्रथम, गुड़िया कुमारी को द्वितीय, पूजा गुप्ता को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। वहीं रश्मि कुमारी एवं सुजाता देवी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विजेता प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि गुलनार के द्वारा प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर इस तरह के कार्यक्रम

का आयोजन किया जाता है जो अति सराहनीय कार्य है, इससे छात्राओं के अंदर छिपी हुई प्रतिभा का विकास होता है। नारियों के स्वावलंबन की दिशा में गुलनार का कार्य सराहनीय है, जो ब्यूटीशियन, सिलाई- कढ़ाई, मेहंदी, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, राखी जैसे कई अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम सिखाए जाते हैं। इससे छात्राओं में नई-नई सोच और तकनीक उभरकर सामने आते हैं।

कौशलेंद्र नारायण ने राखी मेकिंग को रोजगारपरक बताते हुए कहा कि अच्छी-अच्छी राखियां बनाने से छात्राएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगी।ज्ञात हो कि 9 एवं 10 अगस्त को राखी मेकिंग प्रशिक्षण शिविर में कुल 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से छात्राओं को राखियां बनाने का प्रशिक्षण दिया गया था। बेहतर कलाकृतियों के साथ राखी बनाने वाली पांच प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया है। इस मौके पर अध्यापिका आशा सिन्हा, पूनम कुमारी, नंदनी कुमारी सहित काफी संख्या में छात्राएं मौजूद थी। अतिथियों का स्वागत गुलनार समूह के संस्थापक सचिव नीरज कुमार ने किया है।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ वाहनों को नगर आयुक्त द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

गया।गया नगर निगम द्वारा भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के आलोक में एस बी एम-यू 2.0 के तहत सफाई अपनाओ, बीमार भगाओ पहल शुरू की गई है इस पहल का उद्देश्य मानसून के मौसम में स्वच्छता और बीमारियों से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए शहरी स्थानीय निकायों की तैयारी को बढ़ाना है।मानसून आते ही साफ-सफाई और स्वच्छता की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसके साथ ही जलजनित और वेक्टर जनित बीमारियों का प्रसार भी बढ़ जाता है। मानसून से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए सक्रिय उपायों के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानते हुए हैं।आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 ने सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 1 जुलाई से 31 अगस्त, 2024 पहल की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों की तैयारियों को बढ़ाना है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे जून से अगस्त के महीनों के दौरान भारी बारिश और बढ़े हुए स्वास्थ्य जोखिमों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ पहल में स्वच्छता, वकालत और अंतर-विभागीय अभिसरण पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यापक हस्तक्षेपों की आवश्यकता हैं ।

इनर व्हील क्लब का गया द्वारा बच्चों को दी गई वर्मी कंपोस्ट एवं बी बाल बनाने की ट्रेनिंग

गया।इनर व्हील क्लब का गया के बैनर तले शहर की विभिन्न स्कूलों में वर्मी कंपोस्ट तथा बीज बाल बनवाने की ट्रेनिंग दी गई ' गया डोभी रोड पर स्थित शेखवाड़ा के निकट डेल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के बच्चों को पी पी उषा राज द्वारा किचन वेस्ट तथा पत्तियों से खाद बनाने की विधि बताई गई तथा साथ ही गोबर और बर्मी कंपोज्ड मिलकर बीज बाल बनाने की प्रक्रिया भी बताई गई। बच्चों ने भी साथ-साथ

सीड बॉल बनाएं है। उषा राज ने बताया कि सीड बॉल से बच्चे खेल-खेल में पौधे लगा सकते हैं तथा बढ़ती गर्मी को रोकने के लिए पौधा लगाना सबसे जरूरी कदम है ।और प्रत्येक बच्चों को देश की आजादी के साथ-साथ अपने पर्यावरण की रक्षा की जानकारी भी मिलना बहुत ही जरूरी है। अध्यक्षा तृप्ति गुप्ता ने इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल लक्ष्मी मणि त्रिपाठी जी को सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है ।अंत में सभी बच्चों को बीज बॉल बांटा गया है जिसको वह विभिन्न जगहों पर फेक कर वृक्ष लगाएंगे ।इसके अतिरिक्त स्मार्ट क्लास के माध्यम से सोनू लाल बरनवाल स्कूल, कर्क व्यू स्कूल, डी ए वी कैंपस तथा महावीर उच्च विद्यालय के बच्चों को स्मार्ट क्लास में वीडियो के माध्यम से इसकी ट्रेनिंग दी गई है ' बाद में स्कूल के शिक्षक द्वारा भी इसके विषय में बच्चों को बताया गया है 'इससे लगभग 500 बच्चे लाभान्वित हुए है ' कार्यक्रम में अध्यक्ष तृप्ति गुप्ता पी पी उषा राज ,कोमल धानुका आदि शामिल हुई है।

लाहौर 1947 की शूटिंग हुई खत्म! गदर 2 के बाद दमदार किरदार में नजर आएंगे सनी देओल

फिल्म गदर 2 से सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगे। साल 2023 में आई फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। अब एक बार फिर से सनी सिनेमाघरों में अपनी फिल्म लाहौर 1947 से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म की शूटिंग हुई खत्म

पिछले साल अक्टूबर के महीने में सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म लाहौर 1947 को बनने की घोषणा की गई थी। फिल्म लाहौर 1947 को लेकर लगातार कोई ना कोई जानकारी सामने आती रहती है। लेकिन इस बार जो जानकारी सामने आई है, वह वाकई में सनी देओल के प्रशंसकों को खुश कर देगी। दरअसल, फिल्म लाहौर 1947 की पूरे 70 दिनों की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य अभिनय निभाएंगे, जबकि आमिर खान इस फिल्म के सिर्फ निर्माता है। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी करेंगे।

ट्रेन सीक्वेंस भी हुआ पूरा

बता दें राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म लाहौर 1947 की पूरे 70 दिनों की शूटिंग बिना रुके की गई है। लगातार इस फिल्म की शूटिंग 70 दिनों तक चली और अब जाकर इसकी शूटिंग खत्म हो चुकी है। इस फिल्म में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा नजर आएंगी। इस फिल्म में ट्रेन पर एक एक्शन सीक्वेंस भी फिल्माया गया है, जो बेहद खतरनाक है। निर्देशक राजकुमार संतोषी को उनकी फिल्म घातक, अंदाज अपना अपना और दामिनी जैसी फिल्मों के बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है।

एक्शन फिल्म होगी लाहौर 1947

यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आमिर खान भी कैमियो रोल करते दिखाई दे सकते हैं। फिल्म लाहौर 1947 अगले साल यानी 2025 के गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी 2025 पर रिलीज की जा सकती है। इस फिल्म में दर्शकों को भरपूर एक्शन देखने को मिलने वाला है। प्रशंसकों को गदर 2 के बाद से ही सनी देओल से बेहद उम्मीदें हैं।

जल्द बनेगा तेरी बातों में उलझा जिया का सीक्वल, कृति सेनन ने साझा किया अपडेट

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इससे पहले उन्होंने इस साल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में अभिनय किया था, जिसमें उन्होंने एक रोबोट का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में एक इंसान और रोबोट के बीच की प्रेम कहानी दिखाई गई थी। हालांकि, फिल्म का अंत एक ऐसे मोड़ पर हुआ, जहां इसके दूसरे भाग की संभावना बनी रही। वहीं, अब ऐसा लगता है कि फिल्म का सीक्वल दर्शकों को देखने के लिए मिल सकता है। दरअसल, कृति ने हाल ही में तेरी बातों में उलझा जिया के सीक्वल पर अपडेट साझा करते हुए बताया है कि वे और शाहिद दोनों इसके लिए उत्साहित हैं। हाल ही में कृति सेनन ने तेरी बातों में उलझा जिया के बाद शाहिद कपूर के साथ फिर से काम करने को लेकर बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि तेरी बातों में उलझा जिया के सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। फिल्म का सीक्वल अभी लिखा जा रहा है। वे और शाहिद इसके जल्द ही बनने वाले सीक्वल के लिए काफी उत्साहित हैं।

शाहिद के साथ अच्छी है कृति जोड़ी

इसके साथ ही कृति सेनन ने तेरी बातों में उलझा जिया में शाहिद कपूर के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि शायद के साथ काम करना उनके लिए खुशी की बात थी और अब उनका मानना है कि उन दोनों के बीच की केमिस्ट्री बेहतरीन थी। कृति का कहना है कि शाहिद उन अभिनेताओं में से एक हैं, जिनके साथ उनकी जोड़ी और केमिस्ट्री अच्छी लगती है। ऐसा नहीं लगता कि उनकी जोड़ी को जबरदस्ती बनाया गया है। इस फिल्म में अभिनेता शाहिद कपूर ने एक कंप्यूटर इंजीनियर आर्यन का रोल निभाया है, जबकि कृति सेनन ने रोबोट शिफा (सुपर इंटेलिजेंट फीमेल रोबोट ऑटोमेशन) का किरदार निभाया है। शाहिद को कृति से प्यार हो जाता है। यह एक रोबोट और इंसान की प्यार भरी कहानी है। इस फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन के अलावा डिंपल कपाड़िया, धर्मेंद्र जैसे अभिनेताओं ने अहम रोल निभाया है।

कभी श्रीवल्ली तो कभी येसुबाई बन जीतेंगी दिल, सिकंदर में भी दिखेगा रश्मिका का जलवा!

रश्मिका मंदाना जल्द ही फिल्म पुष्पा 2 में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा भी रश्मिका कई फिल्मों में अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। रश्मिका की कई आगामी फिल्में हैं, जिनमें वह रणबीर कपूर, विक्की कौशल और सलमान खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। सबसे पहले बात करें रश्मिका मंदाना की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 की तो यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म साल 2021 में आई पुष्पा 1- द राइज का दूसरा भाग है। फिल्म पुष्पा 2- द रूल में रश्मिका फिर से एक बार श्रीवल्ली के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। इस फिल्म में रश्मिका के अपोजिट साउथ स्टाइलिश स्टार अल्लू अर्जुन नजर आएंगे। अब बात करते हैं रश्मिका की दूसरी बहुप्रतीक्षित फिल्म एनिमल 2 के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका फिल्म एनिमल 2 में भी नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2023 में आई एनिमल का दूसरा पार्ट होगी। इस फिल्म में रश्मिका एक बार फिर से रणबीर कपूर की पत्नी का रोल अदा करती नजर आएंगी। रश्मिका की तीसरी फिल्म सिकंदर में रश्मिका की जोड़ी बॉलीवुड के दबंग यानी सलमान खान के साथ नजर आएगी। अगर ऐसा होता है तो प्रशंसक पहली बार बड़े पर्दे पर रश्मिका और सलमान की जोड़ी को देखेंगे। सलमान खान इन दिनों फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं। मुंबई में शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। अब बात करते हैं रश्मिका की चौथी फिल्म छावा की। इस फिल्म में रश्मिका के अपोजिट विक्की कौशल नजर आएंगे। यह एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है। छावा- द ग्रेट वॉरियर अपने एलान के बाद से ही लाइमलाइट में छाई हुई है। फिल्म की कहानी महान मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। इसका निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। फिल्म में रश्मिका मंदाना संभाजी की पत्नी येसुबाई की भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म खेल-खेल में को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर अभिनेता कार्तिक आर्यन भूल भुलैया 3 से दर्शकों का मनोरंजन करने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में अब दोनों अभिनेता दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं, क्योंकि उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा है कि दोनों जल्द ही एक फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद दोनों के फिल्म में साथ काम करने की अटकलें और तेज हो गई हैं।

दोनों अभिनेता दिखे साथ

ऐसा लग रहा है कि ये दोनों मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित एक फिल्म में साथ आ सकते हैं। हाल ही में एक पैपराजी द्वारा साझा किए गए वीडियो में अक्षय कुमार पोज देते हुए देखा गया, जो काले रंग की टी-शर्ट और पैंट में बहुत ही हैंडसम लग रहे थे। वे मुदस्सर से मिलने के लिए बिल्डिंग के अंदर गए। कुछ ही देर बाद, कार्तिक आर्यन को भी उसी जगह पर आते हुए देखा गया, जहां वे भी कैमरों के लिए पोज देने के लिए रुके। इससे प्रशंसकों में इस बात को लेकर अटकलें लगने लगी हैं कि क्या यह जोड़ी साथ में किसी फिल्म पर काम कर सकती है।

भूल भुलैया ने बनाया जोड़ी का कनेक्शन

दरअसल, अब तक यह जोड़ी भूल भुलैया फ्रेंचाइजी के लिए जानी जाती है। फिल्म के पहले भाग में अक्षय कुमार ने काम किया था, जिसमें उन्होंने रूह बाबा का किरदार निभाया था, जिसे फिल्म के अगले भाग में कार्तिक आर्यन ने निभाया और दर्शकों ने उन्हें भी खूब प्यार दिया। वहीं अब वे फिल्म के तीसरे भाग में एक बार फिर रूह बाबा बन दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। यह फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी।

शाहरुख ने लगाई सुजॉय घोष की किंग की मुहर

शाहरुख खान ने पिछले साल एक नहीं, बल्कि तीन धमाकेदार फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अब शाहरुख खान अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिनमें से एक है किंग। इस फिल्म में वे अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम करेंगे। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन अब शाहरुख ने खुद इस फिल्म में अपनी भूमिका पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मीडिया से बातचीत के दौरान शाहरुख ने आखिरकार अपनी आने वाली एक्शन फिल्म के बारे में बात की, जिसका निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। एक वीडियो में जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहा है, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा, अगली फिल्म जो मैं कर रहा हूं वह किंग है। मुझे इस पर काम करना शुरू करना है। थोड़ा वजन कम करना है। थोड़ा स्ट्रेच करना है, ताकि एक्शन करते समय मेरी कमर में खिंचाव न आए। शाहरुख खान को फेस्टिवल में पार्डो अला कैरियरा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह बताया कि वे पिछले कुछ साल से इस बारे में सोच रहे थे। एक अन्य वीडियो में उन्होंने बताया कि वे अपनी फिल्में कैसे चुनते हैं। अभिनेता ने बताया कि पिछले साल उन्होंने जवान और डंकी फिल्म पूरी की। किंग के बारे में संकेत देते हुए शाहरुख ने कहा, अब, मैं एक खास तरह की फिल्म करना चाहता हूं, जिसमें शायद उम्र पर ध्यान केंद्रित हो और मैं कुछ नया करना चाहता हूं। छह-सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा हूं। मैंने एक दिन सुजॉय से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा, सर, मेरे पास एक विषय है। फिल्में चुनने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा, मैं इसे सुनता हूं, उनके साथ समय बिताता हूं और फिर हम आगे बढ़ते हैं, फिल्म बनाते हैं और खूब मौज-मस्ती करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि कभी कभी यह इतना भी सरल नहीं रहता। इसके साथ ही उन्होंने किंग में काम करने को लेकर उत्साह साझा किया है और अब उनके प्रशंसक भी इस खबर से खुश हैं।

क्षमता से ज्यादा फीस नहीं लेते जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम बॉलीवुड में पिछले दो दशकों से अभिनेता के तौर पर काम कर रहे हैं। वह बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों में शुमार हैं। बावजूद इसके अभिनेता को लगता है कि निर्माताओं को उन पर और उनकी फिल्म निर्माण प्रक्रिया पर भरोसा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में अभिनेता ने एक बातचीत में प्रोडक्शन स्टूडियो प्रमुखों को अपनी फिल्मों का समर्थन करने के लिए मनाने के चल रहे संघर्षों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके मैसेज को भी अनदेखा कर दिया जाता है।

एक बातचीत में अभिनेता ने कहा, मैंने विक्की डोनर का निर्माण किया। मैंने मद्रास कैफे, बाटला हाउस जैसी फिल्में कीं, लेकिन आज तक मुझे स्टूडियो प्रमुखों को यह समझाना पड़ता है कि यह एक अलग फिल्म है और कृपया मेरी फिल्म को फंड करें। आज तक उन्हें सौ प्रतिशत विश्वास नहीं है और वे मुझसे कहते हैं कि बजट बहुत अधिक है।'

अभिनेता जॉन अब्राहम ने अपनी फीस के बारे में बात करते हुए बताया कि वह अपनी क्षमता से ज्यादा फीस नहीं लेते। उन्होंने कहा, 'एक अभिनेता के रूप में मेरी फीस फिल्म पर बोझ नहीं डालती है। मुझे लगता है कि अगर फिल्म पैसा कमाती है, तो मैं पैसा कमाऊंगा। मैं फिल्म पर बोझ नहीं डालना चाहता। मेरी जो क्षमता है, जो मेरा स्टैंडर्ड है, मैं उसी के अनुसार फिल्में बनाता हूं। मुझे अपने कंटेंट पर बहुत गर्व है।'

अभिनेता को करना पड़ता है इन चुनौतियों का सामना

जॉन अब्राहम ने अपनी चुनौतियों के बारे में बात करते हुए कहा कि स्टूडियो हेड अक्सर उन्हें जवाब नहीं देते, खास तौर पर इसलिए क्योंकि वह व्हाट्सएप का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, मेरे पास व्हाट्सएप नहीं है, इसलिए अगर मैं लोगों को एसएमएस भेजता हूं, तो वे मुझे जवाब नहीं देते। मुझे बहुत लंबे समय तक कोई जवाब नहीं मिलता। मैंने एक स्टूडियो हेड को मैसेज किया था और उन्होंने मुझे बताया था कि वह वापस आएंगे, लेकिन 4 महीने बीत चुके हैं और उन्होंने जवाब नहीं दिया है। मुझे बुरा नहीं लगता, लेकिन मैं एक जवाब का हकदार हूं। मेरा मानना है कि अगर लोग मुझ पर थोड़ा भी विश्वास करते हैं, तो मैं भारतीय सिनेमा को थोड़ा बदलने की कोशिश करना चाहूंगा। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं गेम चेंजर हूं, लेकिन मैं कोशिश करना चाहता हूं।'

जॉन अब्राहम का वर्क फ्रंट

जॉन अब्राहम के आगामी कार्यों की बात करें तो वह अपनी आगामी फिल्म 'वेदा' के रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। उनकी इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, जो भारतीय राजनयिक जेपी सिंह के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संक्षिप्त समाचार

40 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ ब्रेनबीज सॉल्यूशंस का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। फर्स्टक्राई ब्रांड ऑपरेट करने वाले मल्टी-चैनल रिटेल प्लेटफॉर्म ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड ने मंगलवार को शेयर बाजार में जोरदार शुरुआत की। फर्स्टक्राई शेयर की कीमत एनएसई पर 651 प्रति शेयर पर लिस्ट की गई, जो कि 465.00 प्रति शेयर के इश्यू प्राइस से 40 प्रतिशत अधिक रहा। वहीं, बीएसई पर फर्स्टक्राई के शेयर 34.41 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 625 प्रति शेयर पर लिस्ट हुए। बीएसई पर यह शेयर 707.05 रुपये के हाई प्राइस पर पहुंच गया। यानी 52 पर्सेंट का मुनाफा हुआ।

कितना हुआ था सब्सक्रिप्शन- आपको बता दें कि ई-कॉमर्स मंच फर्स्टक्राई की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस के आईपीओ को बोली के तीसरे और अंतिम दिन 12.22 गुना सब्सक्राइब किया गया था। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, 4,194 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर बिक्री में 60,64,29,472 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जबकि पेशकश 4,96,39,004 शेयरों के लिए की गई थी। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 19.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि गैर संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 4.68 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 2.31 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। ब्रेनबीज सॉल्यूशंस ने एंकर निवेशकों से 1,886 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए छह अगस्त को ओपन हुआ था। तीन दिन का इश्यू आठ अगस्त को बंद हुआ था। एंकर (बड़े) निवेशकों के लिए यह आईपीओ पांच अगस्त को खुला था। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 440-465 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। पुणे स्थित ब्रेनबीज सॉल्यूशंस के आईपीओ में 1,666 करोड़ रुपये प्राइस के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,528 करोड़ रुपये मूल्य के 5.44 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। इस तरह कुल इश्यू साइज 4,194 करोड़ रुपये है।

570 पर जा सकता है मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने ब्यूटी एंड पर्सनल केयर प्लेयर मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा पर कवरेज क्या शुरू किया, शेयर के पंख लग गए। होनासा कंज्यूमर के शेयर की कीमत 13 अगस्त यानी मंगलवार को शुरुआती कारोबार में पांच फीसद से अधिक बढ़ गई। हालांकि, बाद में 11:45 बजे के करीब केवल 1.62 पर्सेंट ऊपर 459 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। होनासा कंज्यूमर के शेयर आज 477.95 रुपये पर खुले। मनी कंट्रोल की खबर के मुताबिक इस इंटरनेशनल ब्रोकरेज ने कहा कि भारत में ब्यूटी ट्रांसफार्मेशन कई वर्षों के लिए विकास का अवसर पैदा करता है। इसलिए, इसने इस प्लेयर पर कवरेज शुरू करते हुए इसे 570 रुपये का टार्गेट प्राइस जारी किया, जो लगभग 26 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। होनासा और मिनिमलिस्ट सहित पांच लेटेस्ट लीडर ब्यूटी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों का संयुक्त राजस्व वित्त वर्ष 19-23 के दौरान 28 गुना तेजी से बढ़ा, क्योंकि भारत में सौंदर्य क्षेत्र में बदलाव हो रहा है।

बेटी के जिस काम से मां-बाप थे शर्मिंदा, उसी से हुई करोड़ों की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। रिचा कार देश के सबसे बड़े लॉन्जरी ब्रांड जिवामे की संस्थापक हैं। उन्होंने समाज की परवाह न करते हुए इस कंपनी की नींव रखी थी। रिचा झारखंड के जमशेदपुर में पली-बढ़ीं। उनका परिवार बहुत ज्यादा आधुनिक नहीं था। लिहाजा, जब उन्होंने लॉन्जरी इंडस्ट्री में कदम रखा तो उनके परिवार ने उनका साथ नहीं दिया। सच तो यह है कि उनके माता-पिता रिचा के काम से शर्मसार थे। यह और बात है कि बेटी ने उसी लॉन्जरी बिजनेस को करोड़ों का बनाकर पहचान बनाई। आइए, यहां रिचा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

लॉन्जरी बजिनेस शुरू करने के पीछे यह थी सोच- रिचा कार उस समाज से थीं जहां महिलाएं अंडरगारमेंट्स पर खुलकर बात नहीं कर सकती थीं। उन्होंने जिवामे की स्थापना करके क्रांति ला दी। रिचा ने जिवामे की नींव उस समय रखी जब उन्हें एहसास हुआ कि भारत में महिलाओं को लॉन्जरी खरीदने में कितनी असुविधा होती है। दुकानों पर अक्सर पुरुष सेल्समैन होते थे जिन्हें महिलाओं के अंडरगारमेंट्स की सही जानकारी नहीं होती थी। इसके अलावा, लॉन्जरी खरीदते समय महिलाओं को अपनी प्राइवेसी की भी चिंता सताती थी। इन सब कारणों से महिलाओं को अक्सर अपने साइज और फिटिंग से समझौता करना पड़ता था। रिचा ने विक्टोरिया सीक्रेट जैसी कंपनी के साथ काम करने का अनुभव हासिल किया था। इस अनुभव ने उन्हें प्रेरित किया कि वह एक ऐसा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बनाएं जहां महिलाओं को बिना किसी झिझक के अपनी पसंद की लॉन्जरी खरीदने की आजादी हो। रिचा ने एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया जिसने भारत में महिलाओं के लिए लॉन्जरी खरीदने के अनुभव को बदल दिया। रिचा का मानना था कि महिलाओं को लॉन्जरी खरीदते समय सम्मान, निजता और विविध विकल्प मिलने चाहिए। अपने इसी विजन के साथ उन्होंने जिवामे की शुरुआत की और एक प्रेरणादायक उद्यमी बन गईं।

बिट्स पिलानी से की है इंजीनियरिंग

रिचा कार का जन्म 17 जुलाई 1980 को झारखंड के औद्योगिक शहर जमशेदपुर में हुआ था। वह एक परंपरागत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वर्तमान में रिचा का घर अमेरिका के मिशिगन में है। रिचा ने बीआईटीएस पिलानी से इंजीनियरिंग की है। 2007 में उन्होंने नरसी मोंजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से अपना पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा किया। बाद में उन्होंने नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से अपनी मास्टर डिग्री हासिल की। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रिचा ने कुछ सालों तक आईटी क्षेत्र में काम किया। उन्होंने स्पेंसर्स और सैप रिटेल कंसल्टेंसी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करके बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किया। विक्टोरिया सीक्रेट में काम करके उन्होंने रिटेल सेक्टर की अच्छी जानकारी हासिल की। यहीं पर उन्हें लॉन्जरी ब्रांड शुरू करने का विचार आया।

परिवार और समाज का था दबाव

परिवार और समाज के दबाव के बावजूद रिचा ने हार नहीं मानी और जिवामे को हकीकत में बदल दिया। उन्होंने 2011 में जिवामे की शुरुआत की। यह एक ऐसा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म था जहां महिलाओं को आरामदायक और निजी माहौल में लॉन्जरी खरीदने का अवसर मिलता था। जिवामे पर 5,000 से ज्यादा डिजाइन्स, 50 से ज्यादा ब्रांड्स और 100 से ज्यादा साइज उपलब्ध थे। इस विशाल कलेक्शन के कारण जिवामे को बहुत जल्द भारतीय महिलाओं के बीच लोकप्रियता मिल गई। शुरुआत में जिवामे सिर्फ लॉन्जरी ही बेचता था लेकिन बाद में इसने महिलाओं के कपड़े, फिटनेस वियर और स्लीपवियर भी बेचना शुरू कर दिया।

मुकेश अंबानी के साथ क्रैक की डील

जिवामे की कामयाबी देखकर रतन टाटा ने 2015 में इसमें निवेश किया। इससे कंपनी की कीमत कई मिलियन डॉलर हो गई। जिवामे आगे बढ़ते रही। इस बीच मुकेश अंबानी और उनकी बेटी ईशा की इस पर नजर पड़ी। रिलायंस रिटेल एंड ब्रांड्स के मालिक मुकेश अंबानी ने जिवामे को एक बड़े सौदे में खरीद लिया। इससे इंडस्ट्री में कंपनी की पकड़ और मजबूत हो गई। इसकी सालाना कमाई 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई। 2020 में रिलायंस रिटेल ने जिवामे का अधिग्रहण कर लिया था। वैसे तो रिचा ने 2017 में ही सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन वह अभी भी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में मौजूद हैं। जिवामे में उनकी हिस्सेदारी भी बनी हुई है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार, रिचा कार की कुल संपत्ति 749 करोड़ रुपये है।

एनर्जी कंपनी आईनॉक्स विंड को मिला बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। पवन ऊर्जा कंपनी आईनॉक्स विंड को एवरिन्यू से 3 मेगावाट श्रेणी के विंड टर्बाइन जेनरेटर के लिए 51 मेगावाट का ऑर्डर मिलने की खबर के बाद आज इसके शेयरों को खरीदने की लूट मची हुई है। आईनॉक्स विंड के शेयर आज 217.89 रुपये पर खुले और देखते ही देखते चंद मिनटों में ही 236.95 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए। मार्केट कैप भी 29.70 हजार करोड़ के करीब पहुंच गया। पिछले एक साल में आईनॉक्स विंड के शेयर 50.29 रुपये से 235 रुपये तक पहुंच चुके हैं। इस दौरान इसने करीब 370

फीसद का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। आज सुबह 9:33 बजे तक यह 236 रुपये के लेवल को भी क्रॉस कर चुका था। इस साल अबतक इसने करीब 78 पर्सेंट का रिटर्न दिया है।

विंड एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर आईनॉक्स विंड लिमिटेड ने मंगलवार को एक्सचेंजों को एवरिन्यू से 3 मेगावाट श्रेणी के विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) के लिए 51 मेगावाट उपकरण आपूर्ति का ऑर्डर की सूचना दी। इस प्रोजेक्ट को तमिलनाडु में लगाया जाएगा। कंपनी ने ऑर्डर के बारे में कहा कि वह कमीशनिंग के बाद मल्टी ईयर ऑपरेशन और मेंटिनेंस सर्विस भी देगी। पिछले सप्ताह, कंपनी को इंटेग्रम एनर्जी से 201 मेगावाट उपकरण सप्लाई का ऑर्डर मिला था।

बता दें एमएससीआई इंडिया डोमेस्टिक स्मॉलकैप इंडेक्स में ऑरियनप्रो सॉल्यूशंस, बजाज हिंदुस्तान शुगर, आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज, हेरिटेज फूड्स, गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट्स, शक्ति पंप्स, आईनॉक्स विंड एनर्जी, मैक्स एस्टेट्स, सहित 25 शेयरों को शामिल किया गया है।

आईनॉक्स विंड पर कवरेज करने वाले छह विश्लेषकों में से पांच ने स्टॉक पर खरीदें रेटिंग बनाए रखी, जिसमें ब्रोकरेज फर्म इन्वेस्टेक द्वारा स्टॉक के लिए 229 उच्चतम मूल्य लक्ष्य दिया गया, लेकिन आज यह टार्गेट भी इसने अचीव कर लिया।

काइनेटिक ग्रीन ने ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल से जुटाए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर

प्रस्तावित 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर सीरीज़ फंड को जुटाने में प्रमुख निवेशक होगा ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल

पुणे, एजेंसी। भारत की एक अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने घोषणा की है कि उसने एक अग्रणी वैश्विक प्राइवेट इक्विटी फर्म ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश प्राप्त किया है, यह निवेश 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल लक्षित सीरीज़ फंड को जुटाने का हिस्सा है।

काइनेटिक ग्रीन ने वर्ष 2016 में एक अग्रणी ईवी ह्रश्वरूके रूप में ईवी क्षेत्र में प्रवेश किया। कंपनी का नेतृत्व सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी करती हैं, जो फिरोदिया परिवार की तीसरी पीढ़ी की सदस्य हैं, जो काइनेटिक समूह की संस्थापक हैं। काइनेटिक पिछले 50 वर्षों से भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक अग्रणी निर्माता और नवाचार करने वाली कंपनी रही है, इसने काइनेटिक लूना और काइनेटिक हॉन्डा जैसे प्रतिष्ठित वाहनों को बाजार में उतारा है, तथा आज तक इनके 10 मिलियन से ज्यादा वाहन बिक चुके हैं। इस कंपनी को भारत में उत्पादों के डिजाइन, उनके विकास एवं निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, आम जनता के लिए आने-जाने के साधनों को बढ़ावा देने के लिए किफायती कीमतों पर उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों (एडवांस ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी) को विकसित करने और उसे बाजार में उतारने के लिए जाना जाता है।

भारत में तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में काइनेटिक ग्रीन एक अग्रणी कंपनी के रूप में उभरी है, जिसके पास इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और गोल्फ कार्ट जैसे कई उत्पादों की विविधता है। आज तक कंपनी 100,000 से ज्यादा ईवी बेच चुकी है, जिससे इसकी कुल 1000 करोड़ (10 बिलियन) से ज्यादा की बिक्री हुई है।

काइनेटिक ग्रीन ने पहली बार बाहरी इक्विटी से फंड जुटाया है, और यह ऐसे समय में आया है जब भारतीय ईवी बाजार एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। भारत के कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों ने लगभग 6 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल कर ली है, जिसमें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर वाहनों को सबसे तेजी से अपनाया जा रहा है और ये इस क्षेत्र में विकास होने के लिए प्राथमिक कारक बन गए हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक ईवी की 30प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है, जो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर वाहनों को अपनाने के लिए सरकार की अनुकूल नीतियों से प्रेरित है। काइनेटिक ग्रीन एक स्थापित इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता है।

शेरा एनर्जी ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही में कंसोलिडेटेड कर बाद लाभ में 46 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। नान फेरस मेटल से निर्मित स्ट्रिप्स एवं वाइंडिंग वायर्स के निर्माण के कारोबार में प्रवृत्त, शेरा एनर्जी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है.

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री नसीम शेख ने कहा, हम सहर्ष शेरा एनर्जी की ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हैं, जिसमें पहली बार कंसोलिडेटेड मासिक आधार पर बिक्री आंकड़ा 100 करोड रुपए के स्तर को पार कर गया. यह सीमा चिन्ह उत्पादन, बिक्री और मार्केटिंग में हमारी अपवादात्मक टीम के सख्त परिश्रम और समर्पण की कसौटी है. उनके अथक प्रयासों ने हमारी सफलता को आगे बढ़ाया है, जो लागत सस्टेनेबल कार्य कुशलता, कार्यशील पूंजी का विश्वसनीय व्यवस्थापन और हमारे ग्राहक आधार के व्यूहात्मक विस्तार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है.

इसके अतिरिक्त हमने हमारी सब्सिडियरी राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हमारा हिस्सा 69.47प्रतिशत से बढ़कर 73.91प्रतिशत कर हमारा निवेश बढ़ाया है. मैं यह घोषणा करते हुए भी हर्षित हूं कि राजपूताना इंडस्ट्रीज अपने आईपीओ की तैयारी कर रही है और हमारे विचार से यह कंपनी के लिए एक शानदार सुअवसर है. मैं जांबिया को कंडक्टर्स की सप्लाई के लिए 87,000 यूएस डॉलर मूल्य का अफ्रीका को हमारे प्रथम निर्यात ऑर्डर की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं. चल रही इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और हमारी सब्सिडियरी के मार्फत वहां हमारी व्यूहात्मक उपस्थित से हम हमारे निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद करते हैं।

रिफेक्स इंडस्ट्रीज के वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के परिणाम घोषित

स्टैंडअलोन कर बाद लाभ में 63 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। राख एवं कोयला हैंडलिंग, रेफ्रिजरेंट गैस, पावर ट्रेडिंग और ग्रीन मोबिलिटी के समावेश समेत विभिन्न पोर्टफोलियो के साथ भारत में एबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अनिल जैन ने कहा, वित्त वर्ष 2025 की अप्रैल से जून तिमाही के प्रदर्शन में गत वर्ष की समान तिमाही (वित्त वर्ष 24 की प्रथम तिमाही) के प्रदर्शन की तुलना में सुधार आया है तथा पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही) के प्रदर्शन की तुलना में भी सुधार हुआ है और हमें आगामी तिमाहियों में इस प्रदर्शन में और सुधार होने का विश्वास होने के साथ मजबूत वर्ष डिलीवर करने का भी विश्वास है. ये उल्लेखनीय सफलताएं हमारे व्यूहात्मक एवं टेक्टिकल प्रयासों के चलते सस्टेनेबिलिटी एवं इनोवेशन सुनिश्चित कर शेयरधारक की वैल्यू का निर्माण करने के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है . आगे देखने पर मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे बिजनेस ऑपरेशंस में सस्टेनेबिलिटी पद्धतियों के समन्वय से अनेक फायदे हुए हैं. इन पद्धतियों को अपनाने से हमें हमारी परिचालन क्षमताएं बढ़ने,प्रमुख प्रतिभाओं को आकर्षित करने और हमारे ब्रांड की ख्याति और मजबूत करने की उम्मीद है. इसके अतिरिक्त ईएसजी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से लोग, ग्रह और लाभ की तिगुनी बॉटम लाइन को आगे बढाकर हम हमारे हिस्सेदारों को बढ़ी हुई वैल्यू डिलीवर करने में समर्थ हुए हैं. हमें विश्वास है कि यह हॉलिस्टिक अप्रोच हमारी निरंतर सफलता में योगदान देगा और हमारे विस्तृत समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव भी डालेगा.

जीएसके के नए जागरूकता एवं बचाव अभियान से जुड़े अमिताभ बच्चन एवं मनोज पाहवा

मुंबई, एजेंसी। जीएसके ने शिंगल्स के प्रति जागरूकता के लिए नया कैंपेन लॉन्च किया इस कैंपेन में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन एवं प्रतिष्ठित अभिनेता मनोज पाहवा चिकनपॉक्स और शिंगल्स के बीच के वैज्ञानिक संबंधों के बारे में विस्तार से समझाते हुए नजर आएंगे। कैंपेन फिल्मों में शिंगल्स के बारे में चर्चा कर रहे दो दोस्तों के बीच की सामान्य बातचीत को ही केंद्र में रखा गया है। इसमें डायबिटीज से पीड़ित लोगों में शिंगल्स की अधिक आशंका के बारे में भी विमर्श किया गया है।

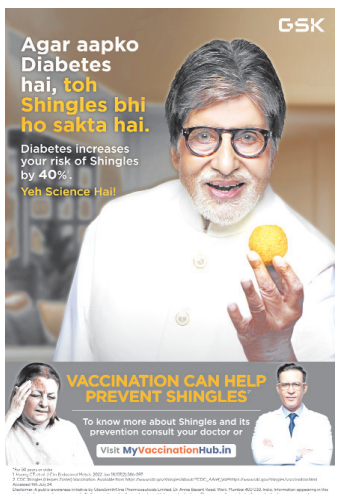

जीएसके की पेशेंट एम्पावरमेंट हेड विज्ञेता अग्रवाल ने कहा 2023 का एपीआई-इप्सॉस सर्वे दिखाता है कि यहां तक कि जिन लोगों को शिंगल्स हो चुका है उन्हें भी अपनी इस दर्दभरी बीमारी का कारण नहीं पता होता है यह जरूरी है कि 50 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को शिंगल्स और इससे बचाव के बारे में पता हो।

इस अभियान को लेकर मनोज पाहवा ने कहा मैं उस आयु वर्ग में आता हूं, जिसमें शिंगल्स होने का खतरा रहता है जीएसके के शिंगल्स जागरूकता अभियानों के माध्यम से मैंने इस दर्दभरी बीमारी और इससे जुड़े खतरों के बारे में काफी कुछ जाना है मैंने स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना किया है और इस बात को अच्छी तरह से समझता हूं कि संक्रामक बीमारियों से ग्रस्त होने पर सामान्य एवं सक्रिय जीवन जी पाना कितना मुश्किल हो जाता है।

द स्मॉल बिग आइडिया की इकाई ब्लिट्ज़क्रेग के सह-संस्थापक एवं सीईओ हरिकृष्णन पिल्लई ने कहा इस अभियान में दो कैंपेन फिल्में शामिल हैं। एक फिल्म में दो बुजुर्ग दोस्त स्कूली दिनों को याद करते हुए चिकनपॉक्स एवं शिंगल्स के बीच के संबंध को स्थापित करते नजर आएंगे, वहीं दूसरी फिल्म में दोनों दोस्तों के बीच के गहरे संबंधों एवं इस तथ्य पर जोर दिया गया है कि डायबिटीज से ग्रसित लोगों में शिंगल्स का खतरा ज्यादा होता है।

टाटा टी प्रीमियम मध्यप्रदेश के सांची स्तूप को सम्मानित कर रहा है

मुंबई, एजेंसी। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख चाय ब्रांड, टाटा टी प्रीमियम - देश की चाय ने इस स्वतंत्रता दिवस पर अपनी पहल सदेशकागर्व-प्रदेश की कला को फिर से शुरू किया है। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारत की गौरवपूर्ण उपलब्धियों का गौरवगान इस पहल में किया जाता है। मध्य प्रदेश का सांची स्तूप इसका एक प्रमुख उदाहरण है। टाटा टी प्रीमियम ने लोगों को स्वतंत्रता के बाद के भारत के सफर के पड़ावों की अहमियत को समझाने के लिए क्षेत्रीय कलाओं से प्रेरित एक लिमिटेड एडिशन कलेक्शन देश का गर्व पेश किया है। देश के विभिन्न राज्यों की अनूठी विशेषताओं का जश्न मनाते हुए देशभक्ति की भावना जागृत करने की ब्रांड परंपरा के अनुरूप, प्रत्येक सेट को भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों से प्रेरित अद्वितीय क्षेत्रीय कला में बहुत ही खूबसूरती से दर्शाया गया है। देशभक्ति जगाने की ब्रांड परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, टाटा टी प्रीमियम ने अपनी पहल में मध्य प्रदेश के सांची स्तूप को सम्मानित किया है। इसके लिए बहुत ही खूबसूरत गोंड कला का उपयोग किया गया है। इस कलाकारी के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को एक बहुत ही सार्थक और शानदार अभिवादन किया गया है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेज (भारत और दक्षिण एशिया) के अध्यक्ष, श्री पुनीत दास ने कहा, सही में देश की चाय, टाटा टी प्रीमियम ने हमेशा कई अलग-अलग स्वाद प्राथमिकताओं को पूरा किया है।

एक्सिस बैंक और वीज़ा ने भारत के अभिजात वर्ग के लिए किया अल्ट्रा लग्जरी क्रेडिट कार्ड, 'प्राइमस' का अनावरण

अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ वाले व्यक्तियों के लिए तैयार पहला क्रेडिट कार्ड

मुंबई, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने डिजिटल भुगतान में वैश्विक स्तर पर अग्रणी संगठन, वीज़ा के साथ साझेदारी में 'प्राइमस' कार्ड लॉन्च किया है। यह एक अल्ट्रा-प्रीमियम क्रेडिट कार्ड है, जिसे विलासिता को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार किया गया है। नए सुपर-प्रीमियम कार्ड, प्राइमस की पेशकश चुनिंदा अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ वाले एक्सिस बैंक के ग्राहकों को केवल आमंत्रण के ज़रिये की जाएगी। भारत में पहली बार, ग्राहकों को वीज़ा इनफिनिट प्रिविलेज पेशकश के तहत वैश्विक स्तर पर पसंद किये जाने वाले, विशेषाधिकार और लाभ मिलेंगे।

भारत का जीडीपी बढ़कर लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर हो गया है[1] और इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। इस आर्थिक वृद्धि ने पर्याप्त धन संचय को बढ़ावा दिया और रिकॉर्ड 200 भारतीयों ने फोर्ब्स 2024 की दुनिया के अरबपतियों की सूची में जगह बनाई है[2]। साथ ही अनुमान है कि भारत में 2026 तक लगभग 16.3 लाख करोड़पति होंगे[3]। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अल्ट्रा-हाई-नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों (यूएचएनडब्ल्यूआई) की कुल संपत्ति 30 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो अगले पांच साल में 58.4प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ वाले व्यक्तियों की बैंकिंग से जुड़ी ज़रूरतें विशिष्ट और जटिल होती हैं, जिसके लिए अन्य ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं से परे विशेष सेवाओं की आवश्यकता होती है। इस तरह प्राइमस क्रेडिट कार्ड भारत के धनी अभिजात वर्ग को उनके पसंदीदा स्टाइल, विशिष्टता आदि तक पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

मनु भाकर आगामी वर्ल्ड कप में नहीं लेंगी हिस्सा, कोच जसपाल राणा ने दी अहम जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रचने वाली शूटर मनु भाकर अक्तूबर में होने वाले विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगी। भाकर के कोच जसपाल राणा के अनुसार उनके विश्व कप से बाहर रहने की संभावना है। 22 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा दोनों में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए ओलंपिक इतिहास बनाया और एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी। भाकर ने खेल से तीन महीने का ब्रेक लेने का फैसला किया है। राणा ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वह अक्टूबर में शूटिंग विश्व कप में होगी या नहीं, क्योंकि वह तीन महीने का ब्रेक ले रही है। यह एक सामान्य ब्रेक है, वह लंबे समय से प्रशिक्षण ले रही है। शूटिंग विश्व कप 13 से 18 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाना है। तीन साल पहले टोक्यो खेलों की निराशा के बाद पेरिस ओलंपिक में भाकर की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राणा ने कहा कि ब्रेक के बाद वह 2026 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पर पहुंचने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गोल्डन बॉय अभिनव बिंद्रा के फाउंडेशन को मिला एफसीआरए लाइसेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ओलंपियन अभिनव बिंद्रा द्वारा संचालित अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन को 5 साल के लिए विदेशी अंशदान पंजीकरण अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस प्रदान किया है। यह फाउंडेशन मोहाली में पंजीकृत है। अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण से संगठन को विदेशी ग्रांट प्राप्त करने की अनुमति मिल जाएगी। बिंद्रा ने 2008 में बीजिंग में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में ओलंपिक में भारत का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था। फाउंडेशन की वेबसाइट के अनुसार, बिंद्रा द्वारा संचालित गैर-लाभकारी संगठन यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है कि सभी खेल गतिविधियों के लिए वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास उपलब्ध कराए जाएं। हाल ही में पेरिस ओलंपिक के दौरान भारत ने नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत और भारतीय हॉकी टीम के पदक जीतने के साथ 71वीं रैंक हासिल की। एक मीडिया हाउस से सवाल जवाब में फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें अपना एफसीआरए प्रमाणपत्र मिल गया है और इस संबंध में केंद्र सरकार के समर्थन की सराहना करते हैं। प्रवक्ता ने कहा, हमारी सामाजिक प्रभाव पहल जमीनी स्तर पर खेल विकास, शिक्षा और पर्यावरण पर केंद्रित है। विदेशी ग्रांट प्राप्त होने पर, यदि कोई हो, प्रवक्ता ने कहा, हम वर्तमान में उन संगठनों की पहचान करने और उनके साथ साझेदारी करने की प्रक्रिया में हैं जो हमारे मिशन और विजन को साझा करते हैं। आज तक, हमारे पास विदेशी फंडिंग का कोई स्रोत नहीं है। कोई भी गैर-सरकारी संगठन सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रमों जैसे निश्चित उद्देश्यों के लिए एफसीआरए लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है। गृह मंत्रालय पांच साल के लिए एफसीआरए लाइसेंस देता है और वार्षिक रिटर्न और जिस उद्देश्य के लिए उन्हें प्राप्त विदेशी ग्रांट के आधार पर आवेदनों की समीक्षा करता है। मंत्रालय के अनुसार, गैर सरकारी संगठनों द्वारा विदेशी फंड का कोई भी दुरुपयोग या डायवर्जन एफसीआरए अधिनियम का उल्लंघन माना जाता है।

हरमनप्रीत एंड कंपनी के पास लॉस एंजिल्स में स्वर्ण पदक जीतने के लिए मजबूत आधार : माइक हॉर्न

कोलकाता (एजेंसी)। दुनिया के मशहूर 'एंडवेंचरर' माइक हॉर्न का मानना है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने के बाद अपनी मजबूत नींव का प्रदर्शन किया जिसे देखते हुए चार साल बाद लॉस एंजिल्स में उनमें स्वर्ण जीतने की क्षमता है। स्विट्जरलैंड के 'मोटिवेशनल कोच' के तीन दिवसीय मानसिक दृढ़ता वाले 'बूट शिविर' ने हरमनप्रीत एंड कंपनी को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने में मदद की और वे अपने सहज क्षेत्र से बाहर आकर मजबूती से एकजुट होने में सफल रहे।

हॉर्न कहा, 'भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता है, वह उनके समर्पण का प्रतिबिंब है और मेरा मानना ??है कि उन्होंने भविष्य की सफलता के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है जिसमें अगले ओलंपिक में स्वर्ण जीतने की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'टीम का प्रदर्शन असाधारण था और टीम स्वर्ण पदक जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार कौशल, रणनीति और मानसिक दृढ़ता दिखाई।

हॉर्न ने कहा, 'हालांकि वे स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाए। लेकिन यह तथ्य है कि वे इसके इतने करीब थे जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा, 'यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि पदक जीतना और वो भी ओलंपिक में, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हॉर्न को उनके महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली 2011 विश्व कप विजेता भारतीय टीम, 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स और जर्मनी की 2014 फुटबॉल चैम्पियन टीम के साथ काम के लिए भी जाना जाता है।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान न्यूजीलैंड पर जीत से शुरू किया और धीरे धीरे लय हासिल की। ग्रुप चरण में भारत की सबसे बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रही जिसे टीम ने 52 साल बाद शिकस्त दी। टीम की एकजुटता और मानसिक मजबूती ब्रिटेन के खिलाफ शूटआउट में जीत के दौरान दिखी जबकि दूसरे क्वार्टर के शुरू से ही टीम 10 खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी। हॉर्न (58 वर्ष) ने कहा, 'मैंने पेरिस 2024 में उनका सफर बहुत करीब से देखा और मैं उनकी सहनशीलता और उन्होंने दबाव का किस तरह से सामना किया, उससे काफी प्रभावित हुआ। उनकी इस यात्रा में छोटी सी भूमिका निभाना सम्मान की बात है।

वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर

एशियन चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालिफाई

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की बेटी और मशहूर महिला बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया के बाटम में आयोजित 56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वंदना ने 15वीं विश्व बॉडीबिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है जिसका आयोजन इसी वर्ष नवंबर माह में मालदीव में होने वाला है। वंदना की यह सफलता न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि भारतीय बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र को भी नए मुकाम पर ले जाने में भी अभूतपूर्व योगदान दे रही है।

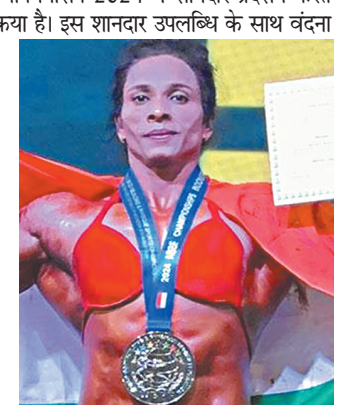

56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 प्रतियोगिता इंडोनेशिया के बाटम में स्थित रियाउ आइलैंड में 6 से 12 अगस्त, 2024 तक आयोजित की गई थी जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए कुल 50 श्रेणियां थीं। वंदना ने वरिष्ठ महिला बॉडीबिल्डिंग 55 किलोग्राम से अधिक की श्रेणी में भाग लिया जहां उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया और सिल्वर मेडल लेकर ही देश वापस लौटीं।

रवि अश्विन बोले-

सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करूंगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंजीनियर, क्रिकेटर, लोकप्रिय यूट्यूबर और अब एक लेखक भी, एक बार में कई चीजों को आसानी से प्रबंधित करने वाले भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जीवन हो या क्रिकेट वह अति सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करेंगे। इस 37 साल के खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे चतुर दिमाग वाले क्रिकेट के तौर पर जाना जाता है। टेस्ट में 516 विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी की बातों और विचारों को क्रिकेट जगत में काफी तवज्जो दी जाती है। वह इस समय अपनी पुस्तक 'आई हैव द स्ट्रीट्स- ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस किताब के सह-लेखक सिद्धार्थ मोंगा है और इसे पेंगुइन रैंडम हाउस ने प्रकाशित किया है। यह किताब में 2011 तक अश्विन के जीवन का विवरण उनके दिमाग की झलक देती है।

अश्विन ने साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपनी जिंदगी जी रहा हूं, बस यह इतना ही है। मैं 'ए', 'बी' या 'सी' (किसी लक्ष्य) को पूरा करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं मौजूदा समय में रहना पसंद करता हूं। मैं आम तौर पर एक रचनात्मक व्यक्ति हूं और अगर मुझे लगता है कि मैं कुछ करना चाहता हूं, तो मैं आगे बढ़ूंगा और करूंगा। (चाहे यह) सही हो या गलत, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैं बाद में फैसला करना चाहूंगा।

अश्विन हालांकि हमेशा इस तरह से बेखौफ नहीं थे। बचपन में उनके अंदर असुरक्षा की भावना थी लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, वह इससे आगे निकलने में सफल रहे। उन्हें एहसास हुआ कि उनका डर उन्हें पंगु बना रहा था। अश्विन ने कहा कि इससे निपटने के बाद वह कुछ हद तक अडिग हो गए और यह एक क्रिकेटर के रूप में उनके विकास में कारगर रहा। इसने उन्हें एक बच्चे के रूप में चेन्नई की सड़कों पर कैरम बॉल फेंकने से लेकर भारत के प्रमुख स्पिनर के रूप में उनका कायापलट काफी मदद की।

'इस बार ड्रग्स की हार' अभियान के लिए भारत के खेल दिग्गजों को एक मंच पर लेकर आया सोनी स्पोर्ट्स

मुंबई (एजेंसी)। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क को भारतीय युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रखने के लिए केंद्रित 'इस बार ड्रग्स की हार' अभियान को शुरू करने पर गर्व है। देश के अग्रणी खेल प्रसारक ने भारत के युवाओं को प्रेरित करने के मिशन पर काम शुरू कर दिया है और इस नेक उद्देश्य को सफल बनाने के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है।

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लगभग 13 प्रतिशत पीड़ित 20 वर्ष से कम आयु के युवा हैं। पिछले आठ वर्षों में देश में मादक पदार्थों की खपत में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें से ज़्यादातर मामलों में आमतौर पर ड्रग्स का आदि कोई व्यक्ति, कई मामलों में कोई मित्र ही युवाओं को ड्रग्स से परिचित कराता है। 'इस बार ड्रग्स की हार' का उद्देश्य संभावित पहली बार नशीली दवाओं का सेवन करने वालों को सही विकल्प चुनने और नशीली दवाओं के सेवन को नकारने के लिए प्रेरित करना है। 'इस बार ड्रग्स की हार' अभियान का उद्देश्य भारत के युवा को प्रेरित करना और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बजाय खेलों के माध्यम से एक फिट, पूर्ण और स्वस्थ जीवन जीने पर जोर देना है।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है और मानता है कि खेल के दिग्गजों को उनके युवा फैन्स के साथ जोड़ना इसकी सफलता की दिशा में एक बड़ा प्रभाव पैदा कर

सकता है। फिल्मों का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाने और एक स्वस्थ, नशा मुक्त भविष्य को बढ़ावा देने के लिए सभी को इस महत्वपूर्ण आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

राजेश कौल, मुख्य राजस्व अधिकारी - वितरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय और प्रमुख - खेल व्यवसाय, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया ने कहा, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क को 'इस बार ड्रग्स की हार' अभियान शुरू करने पर बेहद गर्व है और हम ईमानदारी से मानते हैं कि खेलों में युवाओं के अंदर सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है। विभिन्न खेलों से जुड़े भारत के शीर्ष एथलीटों के साथ मिलकर, हम एक तरह का असर पैदा कर भारत के युवा को नशीली दवाओं के प्रभाव से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के लिए आश्वस्त हैं।

भारत के विभिन्न खेलों के प्रमुख एथलीटों ने युवा भारत को 'इस बार ड्रग्स की हार' का संदेश देने के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ हाथ मिलाया है। इन फिल्मों में, ये स्पोर्ट्स आइकन ड्रग्स के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं और लोगों को ड्रग्स को नकार कर चैंपियन बनने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ सफल जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर, सुनील छेत्री और बाईचुंग भूटिया जैसे फुटबॉल के दिग्गज, कई ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया मिर्जा, ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना, भारतीय हॉकी के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह और दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन इन फिल्मों में दिखाई देंगी। इसके अलावा, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आशीष नेहरा, टीम इंडिया के क्रिकेटर दीपक चाहर, भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल, शीर्ष भारतीय महिला निशानेबाज अंजुम मौदगिल, भारतीय महिला हॉकी गोलकीपर सविता पुनिया, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता बैडमिंटन जोड़ीदार चिराग शेट्टी और सात्विक रंकीरेड्डी, अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में मुकाबला जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचने वाली पूजा तोमर और भारतीय महिला टीम की गेंदबाज स्नेह राणा कुछ ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियां हैं जो सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पब्लिक सर्विस मूवमेंट जन का हिस्सा बनने के लिए आगे आई हैं।

ईशान किशन को मिली झारखंड टीम की कप्तानी

लाल गेंद से क्रिकेट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट में लाल गेंद से वापसी करेंगे और 15 अगस्त से तमिलनाडु में शुरू होने वाले प्री-सीजन लाल गेंद प्रतियोगिता में झारखंड की कप्तानी करेंगे। झारखंड की मूल लंबी सूची का हिस्सा नहीं रहे किशन ने भाग लेने का फैसला किया और जब उन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ को इस बारे में बताया तो उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार वह बुधवार को चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि किशन की रणजी ट्रॉफी में वापसी 2024-25 सत्र के दौरान भी होने की उम्मीद है क्योंकि उन्होंने राज्य चयनकर्ताओं को अपनी वापसी की इच्छा से अवगत कराया है। उनका आखिरी घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए महंगा साबित हुआ क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के कारण केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया।

एक जेएससीए अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, इशान के साथ, यह कभी भी क्षमता के बारे में नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। निर्णय उसके पास था। जब उसे प्रारंभिक सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमने उससे नहीं सुना था। जिस क्षण उसने वापसी की इच्छा व्यक्त की, उसे शामिल कर लिया गया।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान चोटिल ऋषभ पंत की जगह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उनका अंतिम प्रथम श्रेणी मैच उस दौरे का दूसरा टेस्ट था। हालांकि दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए चुने जाने के बावजूद उन्होंने मानसिक थकान के कारण बाहर होने का विकल्प चुना। किशन ने 2023 में दो टेस्ट, 17 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं। वह 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के दौरान भारतीय टीम का भी हिस्सा थे और शुभमन गिल के बीमार होने पर शीर्ष क्रम में दो मैचों में शामिल थे।

बुची बाबू टूर्नामेंट पिछले साल छह साल के अंतराल के बाद फिर शुरू किया किया गया। इसमें रणजी ट्रॉफी के लीग चरणों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के समान चार दिवसीय रेड-बॉल प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। यह आगामी 2024/25 घरेलू सत्र से पहले 12 प्रतिभागी टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में कार्य करता है।

21 वर्षीय अमन सेहरावत के लिए लगी ब्रांड्स की कतार, पेरिस ओलंपिक्स में भारत के जीता था पदक

नईदिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत की छह सदस्यीय कुश्ती टीम में पदक जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी अमन सेहरावत के घर के बाहर ब्रांडों की कतार लगी है जो उन्हें साइन करना चाहते हैं। उनके लिए उपयुक्त ब्रांड चुनने की चुनौती है। अमन ने 57 किग्रा. कुश्ती वर्ग में कांस्य पदक जीता है। दर्द निवारक, बीमा, डेयरी, परिधान और फुटवियर, एनर्जी ड्रिंक और पीवीसी पाइप जैसी विविध श्रेणियों से एक दर्जन ब्रांड पहले ही आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट से संपर्क कर चुके हैं, जो प्रतिभा प्रबंधन संगठन है जिसने सेहरावत को उनके ओलंपिक अभियान से तीन महीने पहले ही साइन किया था।

आईओएसएसई ने चल रहे सौदों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि 21 वर्षीय यह खिलाड़ी 'ताकत, युवापन और जबरदस्त बैकस्टोरी' लेकर आया है। प्रोइंटेक ग्लोबल इनोवेशन की सीईओ और निदेशक राम्या चटर्जी कहती हैं, सेहरावत ब्रांडों के लिए प्रेरणा और प्रासंगिकता का सही मिश्रण पेश करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि 9 अगस्त से पहले सेहरावत के पास एक भी ब्रांड एंडोर्समेंट डील नहीं थी। उद्योग के अनुमान के अनुसार अब वे हर एंडोर्समेंट डील से 50-60 लाख रुपए कमा रहे हैं।

केजे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में मार्केटिंग और इंटरनेशनल बिजनेस की एसोसिएट प्रोफेसर अंजलि चोपड़ा कहती हैं, प्रशंसक उन एथलीटों से अधिक जुड़े हुए हैं जो आगे बढ़ रहे हैं, खासकर युवा दर्शक जो एथलीट का अनुसरण करते हैं और उसका समर्थन करते हैं। बीसी वेब वाइज की संस्थापक और एमडी छाया बरध्वज कहती हैं कि सेहरावत के साथ एक वास्तविक और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करके, ब्रांड खुद को उनके एथलेटिक सफर में सहयोगी के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

ओलिंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की लोकप्रियता भुनाने को आतुर कंपनियां, ये हैं पहली पसंद

नईदिल्ली (एजेंसी)। गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा के सिल्वर पदक, लक्ष्य सेन और अर्जुन बबूता का बहुत कम अंतर से पोडियम तक जाने से चूक जाना, हॉकी टीम के लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीतना, मनु भाकर का एक ओलिंपिक में दो पदक जीतकर नई सनसनी बनना और विनेश फोगाट का हर भारतीय घर से भावनात्मक रूप से जुड़ना, पेरिस ओलिंपिक में भारतीय दल ने कुछ ऐसी ही सुनहरी कहानियों के साथ अपना सफर र पूरा किया। है। भारतीय कंपनियां इन ओलिंपिक हीरो की सफलता को भुनाने के लिए लालायित दिख रही हैं।

खेल प्रबंधन फर्म मेडालिन स्पोर्ट्स ऐंड एंटरटेनमेंट के सह-संस्थापक वरुण चोपड़ा ने कहा, पेरिस ओलिंपिक से भारतीय खेल मार्केटिंग क्षेत्र में नए खेल सितारे उभर कर सामने आए हैं। इन्हीं के साथ नई संभावनाओं के द्वार भी खुले हैं। मनु भाकर, नीरज, सेन और हॉकी टीम के कप्तान हर- मनप्रीत सिंह का जिक्र करते हुए यह कहते हैं, कम से कम एक बायोपिक तो बनने की उम्मीद तो कर ही सकते हैं। भाला फेंक में भले ही चोपड़ा दोबारा स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए हों और केवल सिल्वर मेडल ही संतोष करना पड़ा हो, भले ही भारतीय शटलर पीवी सिंधु अपनी प्रतिस्पर्धा के शुरू में ही मुकाबले से बाहर हो गई हों, लेकिन ब्रांड विशेषज्ञ अभी भी उनकी ब्रांड वैल्यू को लेकर बहुत आशान्वित हैं।

नई दिल्ली में ब्रांड रणनीतिकार शगुन गुप्ता ने कहा, उनकी ब्रांड वैल्यू उनकी जीत से कहीं बढ़कर है। यह ब्रांड वैल्यू इन खिलाड़ियों से जुड़ी बेहतर से बेहतर परिणाम देने की उम्मीदों पर टिकी है। मेडालिन स्पोर्ट्स के चोपड़ा कहते हैं, सिंधु का चोटों से उबर कर दोबारा लड़ने का माद्दा उन्हें कंपनियों की नजर में प्रासंगिक बनाए रखेगा। पेरिस आने के बाद चोपड़ा ने भारतीय मुख्यालय की दीवार पर एक प्रेरक संदेश लिखा- समय आ गया है।

यह एक लाइन बाद में पेरिस ओलिंपिक के

लिए भारत के आधिकारिक प्रचार का हिस्सा बन गई, लेकिन स्वर्ण पदक से चूकने पर दृझतिज्ञ

और आशावादी चोपड़ा ने हालिया चोटों के कारण अपनी चुनौतीपूर्ण मानसिक स्थिति पर ध्यान दिया। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के कार्यकारी निदेशक (पीआर ऐंड ब्रांड) एस अब्बास अख्तर कहते हैं, नीरज चोपड़ा की चोटों समेत तमाम चुनौतियों से निपटने की क्षमता और चोटों के बावजूद अपना बेस्ट प्रदर्शन करना बिल्कुल वैसा ही है, जैसे हमारे ग्राहकों का रोजमर्रा की जिंदगी में संघर्ष करना और फिर उस पर जीत हासिल करना चोपड़ा बीपीसीएल के ब्रांड ऐबेसडर हैं।

बीपीसीएल भारतीय ओलिंपिक संघ के साथ स्पॉन्सर के रूप में भी जुड़ा हुआ था। अख्तर कहते हैं, नीरज के पेरिस से लौटने के बाद हम तमाम गतिविधियों को एक श्रृंखला जारी करने की योजना बना रहे हैं, ताकि उसके प्रभाव को भुना सकें। इस उभरते ब्रांडिंग परिदृश्य पर अपनी छाप छोड़ने के अलावा भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे अधिक सुर्खियां बटोर रहे हैं।

श्रीजेश के खेल का प्रबंधन करने वाली कंपनी बेसलाइन वेंचर्स के सह- संस्थापक विशाल जैशन कहते हैं, श्रीजेश के साथ कई ब्रांड करार करने के लिए लाइन में हैं। श्रीजेश ने हॉकी से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इससे उनके पास ब्रांड के साथ जुड़ने के लिए काफी समय होगा। जैशन ने कहा, श्रीजेश लगभग 20 वर्षों से लगातार हॉकी खेल रहे हैं। उन्होंने खुद को न केवल सफल खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया, बल्कि अब कंपनियों के भी चहेते बन गए है।

उन्होंने कहा कि कंपनियों अपने ब्रांड एंबेसडर के तौर पर ऐसे ही खिलाड़ी को चुनना पसंद करती हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए लंबे तक खेले। इस ओलिंपिक में हॉकी टीम के कप्तान और भारत के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह ब्रांडिंग के लिए कंपनियों के सबसे पसंदीदा सितारे बन कर उभरे हैं, क्योंकि इस हॉकी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण सरपंच समय की लोकप्रियता आसमान पर है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों ने जीता राष्ट्रीय स्टेम प्रतियोगिता 2023-24 के लिए ब्रिलिओ क्लस्टर राउंड

गुना, एजेंसी। शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय गुना में आयोजित क्लस्टर राउंड में इन छात्रों की सफलता का जश्न मनाया गया, क्योंकि उन्हें स्टेम लर्निंग टीम और शिक्षकों द्वारा सम्मानित किया गया। ये विजेता अब जोनल राउंड में आगे बढ़ेंगे, जिसका अंतिम लक्ष्य 27 अगस्त, 2024 को बेंगलुरु में होने वाले ग्रैंड फिनाले में भाग लेना है। यह आयोजन स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) गतिविधियों की एक साल लंबी श्रृंखला की शुरुआत थी, जिसमें विज्ञान और गणित मॉडल प्रतियोगिताएं, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग टिंकरिंग शामिल हैं। राष्ट्रीय स्टेम चैलेंज को 6वीं से 10वीं कक्षा के छात्रों के बीच जिज्ञासा, नवाचार और डिजाइन सोच कौशल को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। स्टेम लर्निंग के संस्थापक आशुतोष पंडित ने कहा, मैं राष्ट्रीय स्टेम चैलेंज के चौथे संस्करण की मेजबानी करने में रोमांचित हूं और इन सफल छात्रों को क्षेत्रीय दौर में आगे बढ़ते हुए देखने के लिए भी उतना ही उत्साहित हूं। स्टेम लर्निंग च-12 शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए एक मंच बनाने के लिए समर्पित है। इस मंच के माध्यम से हम स्कूली छात्रों को उनमें छिपी प्रतिभा को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। जहां भी हमारे विज्ञान केंद्र स्थापित हैं, हम इन गतिविधियों को लागू करते हैं। स्टेम लर्निंग पूरे भारत में स्टेम शिक्षा के प्रसार के लिए समर्पित एक अग्रणी संगठन है।

सपनों से निराशा और फिर नई ज़िंदगी तक: कलर्स का मेघा बरसेंगे परित्यक्त दुल्हनों की दुर्दशा पर चर्चा करता है

मुंबई, एजेंसी। ऐसी दुनिया में जहां शादी की कसमें ज़िंदगी भर प्यार करने और साथ निभाने के वादों में गूंजती हैं, वहीं भारत में, कथित तौर पर 40,000 से ज़्यादा दुल्हनों के सपनों को ऐसे पतियों ने चकनाचूर किया है जिन्होंने प्यार का वादा किया था लेकिन पप्रितिशतयों को छोड़ कर उन्हें धोखा दिया। इस विश्वासघात की राख से किसी फ़ीनिक्स पक्षी की तरह उभरकर, कलर्स ने अपनी नई पेशकश 'मेघा बरसेंगे' के साथ 'छोड़ी हुई औरत' पर प्रकाश डालते हुए बदलाव की शुरुआत करने का प्रयास किया है। धोखे की पीड़ा से ग्रसित, एक नवविवाहित दुल्हन मेघा, जिसे उसके एनआरआई पति मनोज ने छोड़ दिया है, इस धोखे का बदला लेने और अपने परिवार की खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की चुनौती का सामना करती है।अपनी मुश्किलों के बीच, मेघा को अर्जुन के रूप में एक अप्रत्याशित सहयोगी मिलता है, जो एक आईएएस अधिकारी है और मेघा के भगोड़े दूल्हे को सबक सिखाने के उसके अभियान में मदद करता है। भारी दिक्कतों के बावजूद, मेघा हर कठिनाई का दृढ़ता से सामना करती है, परित्यक्त दुल्हनों को चुप कराने वाली परंपराओं के ज्वार को चुनौती देती है, और अपने भगोड़े पति को भारत लौटने के लिए मजबूर करती है। एक नवविवाहित लड़की की हिम्मत की सराहना करते हुए जो अपनी भाग्य निर्माता बन जाती है, यह नया शो एक दमदार संदेश देता है कि ज़िंदगी शादी के साथ शुरू या खत्म नहीं होती है।

यूपी में इस महीने का फ्री राशन 21 तक बंटेगा, बाजरा भी मिलेगा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अगस्त के लिए आवंटित खाद्यान्न का निशुल्क वितरण आगामी 21 अगस्त तक किया जायेगा। यह जानकारी प्रदेश के खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय लाभार्थियों को 48 जनपदों में उचित दर दुकानों पर माह जनवरी, 2024 से जुलाई, 2024 के मध्य वितरण के पश्चात उपलब्धता के अनुसार अवशेष बाजरा का वितरण कराया जाएगा। खाद्य आयुक्त ने बताया कि इन 48 जनपदों में प्रत्येक अन्त्योदय कार्ड पर चावल के स्थान पर दो किग्रा बाजरा प्रति कार्ड वितरित होगा। इस तरह अन्त्योदय योजना में इन 48 जनपदों में प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूं, 19 किग्रा चावल तथा दो किग्रा बाजरा उपलब्धतानुसार का वितरण होगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अन्य समस्त जनपदों में प्रति कार्डधारक 14 किग्रा गेहूं एवं 21 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा) खाद्यान्न का वितरण होगा।

महाराष्ट्र और हरियाणा में अलग-अलग हो सकते है विधानसभा चुनाव !

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लंबे समय से चर्चा है कि दोनों राज्यों में अक्टूबर में मतदान हो जाएगा। इसके बाद रिजल्ट भी एक साथ ही घोषित होंगे। इस बीच चर्चा यह भी छिड़ गई है कि महाराष्ट्र में चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं, जबकि हरियाणा में पहले ही वोटिंग करा ली जाए। इसकी वजह यह है कि महाराष्ट्र में नई विधानसभा के गठन की अंतिम तारीख 26 नवंबर है, जबकि हरियाणा के लिए 3 नवंबर है। ऐसे में महाराष्ट्र को लेकर चर्चा है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आचार संहिता लगाई जा सकती है और नवंबर में दिवाली के बाद कभी भी चुनाव हो सकते हैं और 20 तारीख तक रिजल्ट घोषित किया जा सकता है।

एकनाथ शिंदे सरकार भी ऐसा ही चाहती है ताकि उसे चुनाव के लिए कुछ और वक्त मिल जाए। ऐसे में वह कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास

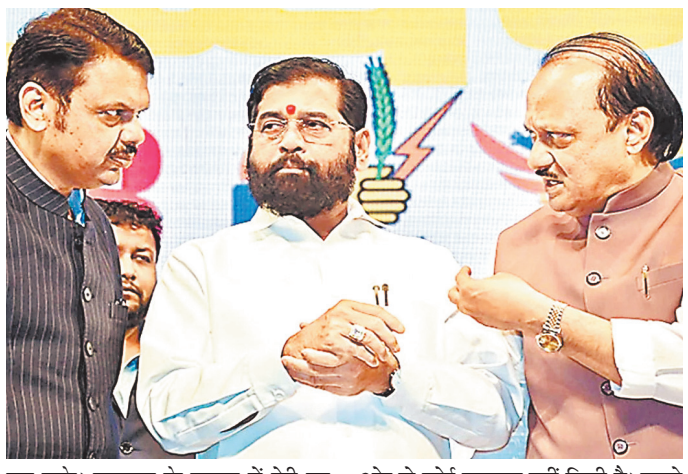

कर सके। महाराष्ट्र के चुनाव में देरी का अंदाजा इस बात से भी लग रहा है कि आयोग की टीम ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया है और वहां सुरक्षा का जायजा लिया है। इसके बाद टीम हरियाणा भी पहुंची है। लेकिन अब तक महाराष्ट्र में आयोग की ओर से कोई हलचल नहीं दिखी है। इससे अनुमान लग रहा है कि कश्मीर और हरियाणा में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं, जबकि महाराष्ट्र के लिए थोड़ा वक्त लिया जाएगा।

इसमें समस्या भी नहीं है क्योंकि हरियाणा में फेस्टिवल सीजन से पहले इलेक्शन हो सकते हैं। वहीं महाराष्ट्र में दिवाली के बाद चुनाव कराए जा सकते हैं। इस साल 1 नवंबर को ही दिवाली है। ऐसे में उसके बाद कभी भी वोटिंग राज्य में हो सकती है और फिर तीसरे सप्ताह तक नतीजे घोषित किए जा सकते हैं। चर्चा है कि 10 से 15 अक्टूबर के बीच आचार संहिता महाराष्ट्र में लागू की जा सकती है और फिर नवंबर में वोटिंग करा ली जाएगी। तीसरे सप्ताह में भी यदि नतीजे घोषित होते हैं तो विधानसभा के गठन के लिए कुछ दिन का समय बचा रहेगा।

वहीं एकनाथ शिंदे सरकार को भी लगता है कि जितनी देरी से चुनाव हों, उन्हें उतना वक्त मिलेगा। इसकी वजह यह है कि लोकसभा चुनाव में विपक्षी महागठबंधन का शानदार प्रदर्शन रहा था और उन्हें 30 सीटों पर जीत मिली थी। ऐसे में उस झटके से उबरकर अपनी नए सिरे से हवा बनाने के लिए शिंदे सरकार थोड़ा वक्त चाहती है।

स्वतंत्रता दिवस के लिए बॉर्डर से लेकर भीड़भाड़ वाले इलाके तक पुलिस मुस्तैद, सीसीटीवी से रखी जा रही नजर

नोएडा, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने बॉर्डर से लेकर भीड़भाड़ वाले इलाकों तक अपनी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया है। साथ ही सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। सभी जगह पर सीसीटीवी के जरिए नजर रखी जा रही है। गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर कानून एवं व्यवस्था के अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा, नोएडा के डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह ने सहायक पुलिस आयुक्त और पुलिस बल के साथ दिल्ली बॉर्डर, डीएनडी, अशोक नगर, कालिंदी कुंज और चिल्ला बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर फुट पेट्रोलिंग करते हुए चेकिंग अभियान चलाया। बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर लगातार 24 घंटे संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग करते हुए हाईराइज बिल्डिंगों से निगरानी के लिए पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने भी थाना फेस-2 क्षेत्र की समस्त चौकियों का निरीक्षण किया। भंगेल क्षेत्र में थाना प्रभारी और पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क होकर ड्यूटी करने व सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से गतिविधियों पर नजर बनाए रखने के लिए आदेश दिया। साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालन के लिए निर्देश भी दिए। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्रा और एसीपी प्रथम (नोएडा) प्रवीण कुमार सिंह ने थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के अंतर्गत मेट्रो स्टेशन, चौराहों, बाजार, मॉल व भीड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त करके सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

इसरो अपने नए भू प्रेक्षण उपग्रह का प्रक्षेपण 16 अगस्त को करेगा

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि उसका नवीनतम भू प्रेक्षण उपग्रह ईओएस-08 अब 16 अगस्त को अपने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी)-डी3 की तीसरी और अंतिम विकासात्मक उड़ान के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। इससे पहले अंतरिक्ष एजेंसी ने घोषणा की थी कि प्रक्षेपण 15 अगस्त को किया जाएगा। इसरो ने प्रक्षेपण एक दिन बाद करने की कोई वजह नहीं बताई है। इसरो ने कहा कि ईओएस-08 मिशन के प्राथमिक उद्देश्यों में एक सूक्ष्म-उपग्रह का डिजाइन और उसका विकास करना, सूक्ष्म-उपग्रह बस के साथ संगत पेलोड उपकरणों का निर्माण करना और भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को जोड़ना शामिल है। एजेंसी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''एसएसएलवी-डी3/ईओएस-08 मिशन-एसएसएलवी की तीसरी विकासात्मक उड़ान का प्रक्षेपण 16 अगस्त, 2024 को एक घंटे की 'लॉन्च विंडो' में भारतीय समयानुसार सुबह नौ बज कर 17 मिनट पर शुरू होने वाला है।''यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा।

आयोग अपनी तैयारियों में पहले से लग जाता है: सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में चुनाव आयोग की बैठक पर कहा कि यह जल्दी चुनाव की बात नहीं है, चुनाव आयोग अपनी तैयारियों में पहले ही लग जाता है। चुनावी राज्य हरियाणा में सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारी तेज कर दी हैं। नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा शासित हरियाणा में पक्ष और विपक्ष के दल अपने चुनावी रैली तेज कर दिए हैं। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-22 में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और विश्व स्तरीय शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य योजनाओं की शुरुआत की और विभिन्न घोषणाएं कीं। सीएम सैनी ने युवाओं को सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कांट्रेक्टर सक्षम युवा योजना और आईटी सक्षम युवा योजना का शुभारंभ किया। आईटी सक्षम योजना के माध्यम से युवाओं को आधुनिक आईटी कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा।

हिमंता ने यूनिवर्सिटी पर साधा निशाना; असम के सीएम ने मक्का से की ढांचे की तुलना

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने फ्लड जिहाद के बाद अब प्राइवेट यूनिवर्सिटी के ढांचे पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि इसका गेट जिहाद की निशानी जैसा है और इसके अंदर जाते हुए शर्म आती है। बता दें कि यह प्राइवेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय (यूएसटीएम) गुवाहाटी के बाहरी इलाके में बनी है। यह शैक्षणिक संस्थान एक बंगाली मूल के मुसलमान का है। हिमंता ने यहां तक कहा कि यह पढ़ाई को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने इसी यूनिवर्सिटी को फ्लड जिहाद के लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के कैंपस के लिए पहाड़ियों को काटा जा रहा है। इसके चलते यहां पर बाढ़ आ रही है। सरमा ने सोमवार को इस यूनिवर्सिटी पर हमला और तेज कर दिया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के बड़े गेट के ऊपर तीन डोम बने हैं। उन्होंने कहा कि यहां जाना शर्मनाक है क्यों ऐसा

लगता है जैसे हम मक्का में जा रहे हैं। असम के सीएम ने कहा कि हम यह कह रहे हैं कि यहां पर एक पूजा घर भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बना रहे हो तो मक्का, मदीना, चर्च सब बनाओ, लेकिन उन्होंने केवल मक्का बनाया है। सरमा ने हा कि वहां पर पूजा घर हो, चर्च हो और मक्का भी हो, हम तीनों में जाएंगे। केवल एक में क्यों जाएं? बता दें कि इस यूनिवर्सिटी की स्थापना बंगाली मूल के मुसलमान महबुबुल हक के संस्थान ने की है। वह असम स्थित बराक वैली के करीमगंज जिले रहने वाले हैं। हक ही यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। हिमंता सरमा ने जब पूछा गया कि वह जिहाद शब्द का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि जिहाद कहकर तो मैं फिर भी बहुत नरमी बरत रहा हूं। यह लोग तो जिहाद का बाप कर रहे हैं। पूरा एजुकेशन सिस्टम को बर्बाद किया जा रहा है। सरमा ने कहा कि हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति पर जो हमला किया जाता है उसको जिहाद कहते हैं। उधर सरमा के राजनीतिक विरोधियों का कहना है कि उन्होंने साल 2021 में हक की मौजूदगी में इस यूनिवर्सिटी के नए हिस्से का उद्घाटन किया था। हालांकि सीएम का दावा है कि वह यूनिवर्सिटी में गए जरूर हैं, लेकिन यह एक कार्यक्रम था, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आए थे। बता दें कि (यूएसटीएम) के पास इस इलाके का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम है। इसके चलते सभी बड़े इवेंट्स के लिए लोग यहीं पर आते हैं। सरमा ने कहा कि इसके बदले में वह इससे भी बड़ा ऑडिटोरियम गुवाहाटी में बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं गया और मैंने सोचा कि अगर यह ऑडिटोरियम यहां रहा तो इसके लिए गुवाहाटी के लोग उस शख्स के सामने झुके रहेंगे। यही वजह है कि मैंने खानपारा (गुवाहाटी) में चुपचाप इससे भी बड़ा ऑडिटोरियम बनाना शुरू कर दिया। नवंबर या जनवरी तक हम इसका उद्घाटन करने वाले हैं। यह 5000 सीटों वाला होगा और इसके बाद लोगों को यूएसटीएम जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ट्रंप सरकार में एलन मस्क को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

ताजा इंटरव्यू से सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप का मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के साथ एक इंटरव्यू प्रसारित हुआ है। इस इंटरव्यू के बाद इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि अगर राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिलती है तो उसमें एलन मस्क को कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इस इंटरव्यू में मस्क और ट्रंप के बीच अवैध प्रवासियों, तीसरे विश्व युद्ध, ट्रंप पर हुए हमले आदि मुद्दों पर बातचीत हुई।

ट्रंप सरकार में मस्क को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

दरअसल इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि मेरी इच्छा है कि सरकारी खर्च का प्रबंधन करने में वह सरकार की मदद करें। मुझे लगता है कि सरकार एक आयोग बनाए, जो करदाताओं के पैसों के सही खर्च का ध्यान रखे। मुझे ऐसे किसी आयोग की मदद करने में बहुत खुशी होगी। मस्क के बयान पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर विचार

करके उन्हें खुशी होगी। इस चर्चा के बाद सोशल मीडिया पर ये चर्चा शुरू हो गई कि अगर ट्रंप सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार में एलन मस्क को अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। मस्क, डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक माने जाते हैं और मई में भी अमेरिकी मीडिया में अफवाहें थीं कि अगर ट्रंप चुनाव जीतते हैं तो वे एलन मस्क को सलाहकार बनाया जा सकता है। अब दोनों लोगों की ताजा बातचीत से उन चर्चाओं को और बल मिला है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, ऐसा लगता है कि मस्क अपनी नौकरी के लिए साक्षात्कार दे रहे हैं। एक और यूजर ने चुटकी लेते हुए कहा, भूमिका पाने का यह कितना बढ़िया तरीका है, मस्क वास्तव में एक ट्रेंडसेटर हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि इस आदमी की आईक्यू इतनी शानदार है कि मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। बातचीत के दौरान दोनों के बीच परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि अक्सर परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने के तरीके को अनदेखा किया जाता है और अतीत में हुई कुछ घटनाओं से इसका नाम खराब हुआ है। हमें परमाणु ऊर्जा को अच्छा नाम देना होगा। इस दौरान ट्रंप ने मस्क से कहा कि हम इसका नाम आपके नाम पर रखेंगे या कुछ और। ट्रंप के इस बयान से भी लगा कि ट्रंप भी सत्ता में आने पर मस्क को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं।

अल्पसंख्यकों की आवाज का सम्मान करे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार: यूएन महासचिव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से संसदीय चुनावों की तैयारी के दौरान अल्पसंख्यकों की आवाज पर विचार करने और मानवाधिकारों का सम्मान करने की अपील की है। उप प्रवक्ता फरहान हक के अनुसार, बांग्लादेश के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को कहा, वह अंतरिम सरकार के समर्थन से बांग्लादेश में शांति बहाल करने और संसदीय चुनाव आयोजित करने के प्रयासों का स्वागत करते हैं।

हक ने कहा, उन्होंने (गुटेरेस) अपील की कि अंतरिम सरकार हर संभव प्रयास करे कि सभी वर्गों को साथ लेकर चले, खासकर महिलाओं, युवाओं, और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों, अल्पसंख्यकों और आदिवासी

समुदायों की बातों को भी ध्यान में रखा जाए। देश संसदीय चुनावों की ओर बढ़ रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत चले जाने के बाद अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद कई जगहों पर हिंदुओं पर हमले किए गए, उनके घरों और व्यवसायों को नष्ट कर दिया गया और कुछ हिंदुओं की हत्या भी कर दी गई। अल्पसंख्यक संगठन हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद के नेता राणा दासगुप्ता के अनुसार, लगभग 100 हिंदू घायल हुए हैं और दो मारे गए हैं। पिछले सप्ताह 97 स्थानों पर हिंदू विरोधी हिंसा हुई और कम से कम 10 मंदिरों पर हमला किया गया। शेख हसीना के खिलाफ छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक में लगभग 300 लोगों के मारे जाने की खबर है। फरहान हक ने कहा, एंटोनियो गुटेरेस ने हिंसा के सभी कृत्यों की पूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की अपील दोहराई है।

ग्रीस के जंगलों में फैली भयंकर आग; काबू पाना हुआ मुश्किल

एथेंस, एजेंसी। रविवार को ग्रीस में भयंकर जंगल की आग के कारण अथेंस के पास स्थित क्षेत्रों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। आग इतनी तीव्र थी कि उसने आसमान को काले धुएं से ढक दिया, जिससे आस-पास के इलाकों में दृश्यता कम हो गई और हवा में धुएं की गंध फैल गई। ग्रीस सरकार ने तेजी से फैलती आग को देखते हुए प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने और सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी लगातार जूझ रहे हैं, लेकिन तेज हवाओं और सूखे मौसम के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

दमकल विभाग ने पूरी ताकत के

हजारों लोगों को घरों से निकाला

साथ आग बुझाने के प्रयास शुरू किए हैं। आग ने बड़े पैमाने पर वनस्पति और जंगल को नष्ट कर दिया है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। अथेंस के आसपास के कई इलाकों में आग फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे और अधिक लोगों को निकाला जा सकता है। ग्रीस सरकार और दमकल विभाग स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। निकासी और राहत कार्यों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित नुकसान से लोगों को बचाया जा सके इस आग ने स्थिति को इतना खतरनाक बना दिया कि अस्पतालों और कम से कम 11 कस्बों और गांवों को खाली कराना पड़ा है।आग से निपटने के लिए 560 से अधिक दमकलकर्मी, 17 जल बमवर्षक विमान, और 15 हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये सभी मिलकर आग को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

यह आग रविवार को वर्नवास के पास भड़की, जो राजधानी से लगभग 20 मील (32 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। तेज हवाओं के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और व्यापक क्षेत्र में फैल गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास के अस्पतालों और कस्बों को तुरंत खाली कराया गया है। सरकार और प्रशासन पूरी ताकत से राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। अथेंस के करीब पहुंच रही आग से राजधानी पर भी खतरा मंडरा रहा है। अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और अतिरिक्त सहायता के लिए तैयारियां की जा रही हैं। दमकलकर्मी और प्रशासनिक टीमें लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन तेज हवाओं के चलते हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम जारी है, और स्थिति की निगरानी लगातार की जा रही है।

बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं पर हमलों के लिए मांगी माफी, कहा- पीड़ितों से मिलेंगे यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों और मंदिरों में तोड़फोड़ के लिए सरकार ने माफी मांगी है। गृह मंत्रालय के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) मुहम्मद सखावत हुसैन ने कहा, पिछले हफ्ते हुई हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए, उसके लिए सरकार को खेद है। इस हिंसा में जिन्हें नुकसान हुआ और जो मंदिर तोड़े या जलाए गए हैं उनकी क्षतिपूर्ति व निर्माण के लिए सरकार आर्थिक मदद देगी। अंतरिम प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस मंगलवार को हिंसा पीड़ित समुदायों के प्रमुख लोगों से मिलेंगे। उन्होंने भी अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। ज्ञात हो, यूनुस को दिए बधाई संदेश में पीएम नरेन्द्र मोदी ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई थी और उन्हें रोकने की अपेक्षा की थी।बता दें कि बांग्लादेश में क्रूरूपद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार, पांच व छह अगस्त को भारी हिंसा हुई थी। उपद्रवियों के निशाने पर सरकारी इमारतों के अतिरिक्त अवामी लीग के नेता और हिंदू थे। हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए ढाका में सोमवार को भी हिंदुओं ने अपने समुदाय पर हो रहे सांप्रदायिक अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। इनमें दो लोग मारे गए और 45 घायल हुए। इन हमलों की पूरे विश्व में निंदा हुई है। सखावत हुसैन ने कहा, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा और अन्य पर्वों पर सरकार की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे जिससे हर्षोल्लास से सभी आयोजन किए जा सकें। सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में कसर नहीं छोड़ेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129